धनबाद
बुधवार 25.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-301 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

दीक्षा महिला मंडल के नारी सशक्तिकरण के कार्यों को देश के सदन में रखूंगा : सांसद

मिली दत्ता की महिला टीम ने जनकल्याण की योजनाओं पर कार्य कर इतिहास बनाया है:समीरण दत्ता

धनबाद (कासं): भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के नेहरू कॉम्प्लेक्स, कोयला नगर में आज से दो दिवसीय आनंद मेला का शुभारंभ हुआ। बीसीसीएल दीक्षा महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस मेले का धनबाद के सांसद श्री ढुलू महतो ने उद्घाटन करते हुए कहा कि दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता और उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया और पूरे टीम ने चंद वर्षो में महिला शसक्तिकरण और महिलाओं के विकास एवं जनहित की कल्याणकारी योजनाएं चलाकर एक इतिहास रचा है। इस उपलब्धि से देश के सदन लोकसभा में किए गए दीक्षा महिला मंडल के कार्यो को रखूंगा और बीसीसीएल कैसे सामाजिक कार्यो में जनता के साथ मिलकर चल

दो दिवसीय आनंद मेला में विधायक मथुरा महतो, एसएसपी जर्नादिनन सीबीआई एसपी झा आदि गणमाण्य लोगों ने की शिरकत

रहा है। साथ ही धनबाद कोयलांचल की महिलाओं, बहनों और मंईयां के लिए कई जनकल्याणकारी और स्वावलंबी बनाने और रोजगार पाने का कार्यक्रम चला रही हैं जो कि प्रशंसा के लायक है। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी भी उनके साथ उपस्थित थीं। वहीं बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने आनंद मेला का उद्घाटन करते हुए कहा कि दीक्षा महिला मंडल के अध्यक्ष मिली दत्ता के नेतृत्व में बीसीसीएल की नारी शक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया है। जिसका प्रशंसा पूरे झारखण्ड में हो रहा है। श्री दत्ता ने उद्घाटन समारोह में पधारे धनबाद के सांसद ढुलू महतो और उनकी धर्मपत्नी सावित्री देवी का धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं का हौसला बढ़ाने के लिए सांसद की धर्मपत्नी भी साथ आई हैं। वहीं समारोह में दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मिली दत्ता के साथ-साथ उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया, नमिता सहाय, रंजना सिंह, प्रीति नागाचारी, डॉ. नेहा दास तथा सचिव चेतना कुमार ने समारोह की मेजबानी की।

दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, और इस अवसर पर दीक्षा महिला ▶▶ 8

2025 राज्यवासियों के लिए मंगलमय हो, यही कामना करते हैं : सीएम

रांची (एजेंसी): कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि साल २०२४ लगभग अंतिम पड़ाव में है. २०२५ का हम सभी को इंतजार है.

२०२५ राज्यवासियों के लिए मंगलमय हो, यह कामना करते हैं. सरकार की पूरी मंशा है कि सरकार की जो आवाज है, वह राज्य के अंतिम पायदान में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे. जिसे सर्वांगीण विकास पर हिस्सा बनाए.

राज्य को बेहतर दूरदर्शी दिशा की ओर आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं. पेसा कानून के सवाल पर कहा कि सरकार की राज्य की भावना के अनुरूप कार्य करती है.

पहले से ही इस विषय पर चर्चा हो रही है. जल्द ही इस विषय से अवगत कराया जाएगा.

झारखंड में सिपाही भर्ती के नियमों में जल्द हो सकते हैं बदलाव

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार राज्य में होने वाली सभी तरह की सिपाही भर्ती के लिए एक नई और एकसमान नियमावली बनाने पर काम कर रही है. इस नई नियमावली को बनाने के लिए सरकार अन्य राज्यों जैसे पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार की मौजूदा नियमावली का अध्ययन कर रही है.

सबसे बड़ा बदलाव दौड़ की दूरी और समय में कमी हो सकती है. अभी झारखंड में सिपाही भर्ती के लिए दौड़ की दूरी अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा है. इसके अलावा शारीरिक दक्षता परीक्षा में भी बदलाव किए जा सकते हैं. इसमें सेना और राज्य पुलिस की शारीरिक दक्षता परीक्षा के नियमों को आधार बनाया जा सकता है.

नई नियमावली में पुरानी नियमावली का भी अध्ययन

नई नियमावली बनाते समय राज्य की पुरानी नियमावली का भी अध्ययन किया जा रहा है ताकि किसी भी महत्वपूर्ण बिंदु को छोड़ा न जाए. नई नियमावली का मकसद सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर देना है. नई नियमावली से भर्ती प्रक्रिया ▶▶ 8

हेमंत सरकार का फिर मास्टर स्ट्रोक : सरकारी कर्मियों व पेंशनधारियों का तीन फीसदी बढ़ा महंगाई भत्ता

रांची (एजेंसी): हेमंत सरकार ने एक बार फिर से मास्टर स्ट्रोक खेला है. मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों के महंगाई भत्ते में तीन फीसदी की वृद्धि की है. अब कर्मियों और पेंशनधारियों को ५० से बढ़कर ५३ फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा. कैग की रिर्पोट अगामी विधानसभा सत्र में रखी जाएगी. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत मेरू के अंतर्गत स्वीकृत योजना के लिए विनोबाभावे विश्वविद्यालय को ९९ करोड़ ५६ लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई. रिम्स के पूर्व प्रधानाध्यापक डॉ तुलसी महतो को ३१ अगस्त १९९७ के प्रभाव से प्रोन्नति देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई.

कैबिनेट में 10 प्रस्तावों पर लगी मुहर

राज्य सरकार के कर्मियों को एक जनवरी २०१६ से प्रभावी पुनरीक्षित वेतनमान (सातवें केंद्रीय वेतनमान) में ०१ जुलाई, २०२४ के प्रभाव से महँगाई भत्ता की दरों में अभिवृद्धि की स्वीकृति दी गई. एक

जुलाई .२०२४ के प्रभाव से वेतन का ५३% महँगाई भत्ता स्वीकृत किया गया है. वहीं राज्य सरकार के पेंशन,पारिवारिक पेंशनभोगियों को ०१ जुलाई, २०२४ के प्रभाव से महँगाई राहत की दरों में अभिवृद्धि की स्वीकृति दी गई. इन्हें भी एक जुलाई २०२४ के प्रभाव से मूल पेंशन का ५३% महँगाई भत्ता मिलेगा.

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का झारखंड में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र ▶▶ 8

राष्ट्रपति ने 5 राज्यों में नियुक्त किए नए राज्यपाल, अजय भल्ला को मणिपुर, आरिफ खान को बिहार की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी): पूर्व सेना प्रमुख जनरल विजय कुमार सिंह को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है. केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का नया गवर्नर बनाया गया है. पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति राष्ट्रपति भवन से जारी की गई है.

राष्ट्रपति ने ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है. डॉ. हरि बाबू कंभमपति को मिजोरम के राज्यपाल से ओडिशा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है. जनरल विजय कुमार सिंह को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया. बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया.

आरिफ मोहम्मद खान को केरल के राज्यपाल से बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया. अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त ▶▶ 8

चुनाव नियमों में बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स सार्वजनिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र ने २० दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को सार्वजनिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। याचिका पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि आयोग को इसतरह के महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, १९६१) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नियमों में बदलाव के बाद उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पारदर्शिता से इतना डरता क्यों है।

प्रधानमंत्री आज खजुराहो में करेंगे देश की पहली केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास

भोपाल/इन्दौर (ईएमएस): प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी २५ दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न से सम्मानित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की १००वीं जयंती पर मध्यप्रदेश के खजुराहो में देश की पहली महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी देश की पहली ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और ११५३ अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की स्मृति में स्टॉम्प और सिक्का भी जारी करेंगे। देश को नदी जोड़ो की परिकल्पना देने वाले युगदृष्टा स्व. वाजपेयी की जयंती पर यह मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ी सौगात होगी। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दोपहर १२:१० बजे खजुराहो आयेंगे और दोपहर २:२० बजे दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परियोजना के शिलान्यास के साथ ही स्व. वाजपेयी का नदी जोड़ो का सपना मध्यप्रदेश में मूर्त रूप लेगा। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के १० जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में ८ लाख ११ हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा ▶▶ 8

तेतुलमारी में अमन गैंग धड़ल्ले से चला रहा है कोयला तस्करी का धंधा

कोयले के अवैध धंधे से करोड़पति बन गए हैं अमन और उसके चेंगड़े

धनबाद (कासं): तेतुल्मारी थाना क्षेत्र के नया मोड़ से पांडे डीह जाने वाली सड़क पर मनसा मंदिर के पीछे शाम ढलते ही अवैध कोयले की तस्करी का धंधा चरम पर है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, महिंद्रा पिकअप वैन से अवैध कोयले की ढुलाई पिछले कई महीनों से लगातार जारी है। इस गोरखधंधे के पीछे अमन गैंग का नाम सामने आ रहा है, जो अवैध कारोबार से रातों-रात करोड़पति बन चुका है और बड़े पैमाने पर बीसीसीएल के जोगता थाना क्षेत्र और विभिन्न कोलियरियों से कोयला सीआईएसएफ की सेटिंग से बड़े पैमाने पर लुटवा रहा है। पहले भी सीएचपी से कोयला लुटवाने में अमन गैंग चर्चित रहा है। इसे पुलिस के अलावा कुछ मीडियावालों और बीसीसीएल के भ्रष्ट अफसरों का संरक्षण प्राप्त होने के कारण यह अवैध धंधा कोयला लूट का धड़ल्ले से चला रहा है।

तेतुलमारी पुलिस, सीआईएसएफ और कुछ मीडियावालों की सेटिंग से चल रहा है काला साम्राज्य

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह धंधा लंबे समय से खुलेआम चल रहा है, लेकिन प्रशासन और खनन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

यह सवाल उठता है कि क्या प्रशासन और खनन विभाग को इस तस्करी की जानकारी है या वे जानबूझकर अनदेखा कर रहे हैं? क्या इस तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी? पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे? इस मुद्दे पर प्रशासन एवं खनन विभाग की चुप्पी कब टूटेगी? यह देखना बाकी है जब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते तब तक अवैध कारोबार से क्षेत्र को हो रहे नुकसान की भरपाई असंभव है।

अवैध कोयला तस्करी न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि इससे पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान हो रहा है। कोयले की अवैध खनन और ढुलाई से क्षेत्र में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

इस अवैध गतिविधि के कारण स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द कार्रवाई करे और इस गोरखधंधे को बंद करे। फिलहाल, क्षेत्रवासियों को प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार है। यदि इस मामले पर जल्द कदम नहीं उठाया गया, तो स्थानीय लोगों का गुस्सा बड़े विरोध प्रदर्शन का रूप ले सकता है।

न्यू एंजेल्स स्कूल में हैप्पी क्रिसमस

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को न्यू एंजेल्स होम स्कूल में

क्रिसमस डे मनाया गया। कक्षा ८ के आरिफ रजा ने निर्देशक मोहम्मद परवेज अख्तर और प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम को पुष्प देकर सम्मानित करते हुए कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों के बीच कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें क्रिसमस टोपी, क्रिसमस पेड़, सांताक्लॉज बनाकर लाना था। अभिभावकों के सहयोग से छोटेछोटे बच्चों ने अपनी कलाकृति को दिखाया। सभी विजेताओं को निदेशक और प्राचार्य के हाथों पुरस्कृत किया गया।

मौके पर प्राचार्य ने सभी को क्रिसमस की बधाई देते हुए बच्चों को जीसस क्राइस्ट के जीवन के बारे में बताते हुए यह संदेश दिया कि यह त्यौहार मुख्य रूप से भाईचारे और आपसी सुखबुख को बांटने का त्यौहार है। इसलिए अपने भेदभाव को मिटा कर एक दूसरे के साथ खुशियां बाटें। बच्चों के बीच जब सांताक्लॉज नजर आए तो खुशी से उनके चेहरे खिल उठे। सांताक्लॉज ने बच्चों को ट्रॉफी देकर उनके साथ खूब मस्ती की। कार्यक्रम को सफल बनाने में साइमा, इफ्तेखार, उत्तम, सोनू, सगीर, सिमरन, सुमित और स्कूल के समस्त शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही।

जनता दरबार में बुजुर्ग ने की डॉंक्टर की शिकायत

धनबाद (कासं) : मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को सुनी। इस दौरान एक बुजुर्ग ने बताया कि कुछ माह पहले उन्होंने बैंक मोड अशोक नगर स्थित एक निजी अस्पताल में एक आंख के मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया, जो सफल रहा। उसके बाद उन्होंने अपनी दूसरी आंख के मोतियाबिंद का ऑपरेशन भुईफोड़ के पास स्थित एक निजी अस्पताल में कराया।

बुजुर्ग ने आरोप लगाते हुए कहा कि उक्त अस्पताल ने १० से १५ मिनट के अंदर उनका ऑपरेशन पूरा कर दिया। ऑपरेशन के बाद आंखों से ब्लीडिंग होने लगा। फिर भी उन्हें डिस्चार्ज कर दिया। आज तक आंख से पानी निकलते रहता है। बैचेनी महसूस होती है। इसके अलावा अन्य तरह की तकलीफ भी हो रही है।

बुजुर्ग ने एडीएम से इसकी जांच कराने और उनका बेहतर इलाज कराने की गुहार लगाई। एडीएम ने शीघ्र सिविल सर्जन को फोन कर बुजुर्ग की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। वहीं, पूर्वी टुंडी से आए एक व्यक्ति ने बताया कि पैसे की जरूरत थी इसलिए उन्होंने वर्ष २०१८ में अपनी जमीन ७ लाख में बेचने का एग्रीमेंट किया था। जमीन खरीदार ने २०२१ तक उन्हें किस्तों में सिर्फ ३ लाख रुपए का भुगतान किया। अब वह अपनी जमीन बेचना नहीं चाह रहे हैं और खरीदार को रकम वापस करना चाहते हैं। जबकि खरीदार जमीन की रजिस्ट्री करने का दवाब बना रहा है। एडीएम ने इस मामले की जांच करने के लिए पूर्वी टुंडी के अंचल अधिकारी को निर्देशित किया। इसके अलावा जनता दरबार में सरकारी चापाकल की घेराबंदी करने, आर्म्स लाइसेंस निर्गत करने, ग्रुप इंश्योरेंस एवं बकाया वेतन का भुगतान नहीं करने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई।

टाटा डीएवी में मनाया गया मेरी क्रिसमस डे

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार २४ दिसंबर २०२४ टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा में मेरी क्रिसमस दिवस धूमधाम से मनाया गया। बाल वाटिका से लेकर दूसरी कक्षा तक के सभी बच्चे सांता क्लॉज़ की वेशभूषा और रंगबिरंगे परिधान में सज-धज कर आए थे। पूरा विद्यालय परिसर सांता क्लॉज बने बच्चों से भरा हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत बाल वाटिका और एलजी के बच्चों के सामूहिक नृत्य हुई। कक्षा द्वितीय की छात्रा अनोखी महतो अंग्रेजी में और अदीति यादव ने हिन्दी में भाषण दिया। कक्षा प्रथम के छात्रों ने एक नृत्यनाटिका प्रस्तुत की। कक्षा प्रथम के बच्चों ने

क्रिसमस पर आधारित कविता प्रस्तुत किया।

कक्षा यूकेजी के छात्रों द्वारा नए साल के आगमन पर एक सुंदर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा ने सभी बच्चों एवं ईडीपी सेक्सन की शिक्षिकाओं को इस अवसर पर धन्यवाद दिया। उन्होंने यह कहा कि क्रिसमस प्रेम, खुशी, एकता और भाईचारे का त्योहार है। क्रिसमस मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। यह ईसाई धर्म का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। मंच संचालन पाँचवीं कक्षा की अदीबा ने किया।

कचरे के ढेर में गिरने से वृद्ध की मौत

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के फुसबंगला मुंडापट्टी में मंगलवार को घनी आबादी के बीच दलदलनुमा कचरे के अंबार में एक वृद्ध व्यक्ति की दम घुटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भागा गाड़ीवान पट्टी निवासी ठेला चालक ६६ वर्षीय शंकर प्रसाद सिंह के रूप में हुई। सूचना

पाकर जोड़ापोखर पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को कचरे के ढेर से बाहर निकाल घटना की जाँच में जुट गई है। कचरे की ढेर में शव मिलने की खबर से घटनास्थल के पास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों में तरह तरह की चर्चाएं है। की आखिरकार मृतक शंकर उस तरफ किस कारण से गया था।

मृतक शंकर की दो शादी थी। पहली पत्नी के मृत्यु हो जाने के बाद वह फुसबंगला मुंडापट्टी में अपनी दूसरी पत्नी गीता देवी के साथ ही रहा करता था। मृतक के पांच बच्चे है, जिनमे से दो भागा में रहता है। मृतक की पत्नी गीता देवी ने कहा कि पिछले तीन दिन से लगातार शराब का सेवन कर रहा था तथा अकेले में बड़बड़ाते रहता था। मृतक के पुत्र शंकर प्रसाद सिंह ने कहा कि पिसलने के कारण वे कचरे की ढेर में जा गिरे होंगे, जिससे उनकी मृत्यु हो गई है। मृतक की पत्नी तथा बच्चो का रोसेकर बुरा हाल है।

पुरुष बंध्याकरण जागरूकता रैली रवाना

धनबाद (कासं) : पुरुष बंध्याकरण पखवारा के तहत लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए सिविल सर्जन कार्यालय से रैली निकाली गई। रैली को सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सिविल सर्जन ने बताया कि यह पखवारा दिसंबर से शुरू होकर जनवरी तक चलेगा। इस अभियान में पुरुषों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है।

जिले को इस पखवारा के दौरान अपेक्षित उपलब्धि स्तर १०० (एक्सपेक्टेड लेवल ऑफ एचिवमेंट) का लक्ष्य हासिल करना है। सभी सहिया के माध्यम से एलिजिबल कपल का सर्वेक्षण पहले ही पूरा कर लिया गया है। आमतौर पर दिसंबर और जनवरी महीनों में परिवार नियोजन सेवाओं का अधिकतम उपयोग होता है। इसको लेकर जिले के सभी प्रखंडों में डॉक्टरों का रोस्टर तैयार कर भेजा गया है। साथ ही सदर अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पुरुष बंध्याकरण सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मारपीट में चार युवक घायल

बलियापुर (ससे) : बिनोद मेला में सोमवार की रात युवकों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान दोनों ही गुट के चार युवक जख्मी हो गए। जख्मी युवकों में बलियापुर के राजू धीवर, परेश महतो एवं राकेश महतो समेत एक अन्य युवक जख्मी हो गया। जख्मी चारों युवकों को इलाज हेतु ब लि या पु र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीन जख्मी युवकों को बेहतर इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेमोरियल हॉस्पिटल धनबाद रेफर कर दिया। वही दूसरी ओर मंगलवार को बलियापुर बाजार के झरिया रोड पर बाइक सवार ३५ वर्षीय लालटू गोप सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। बताया जाता है कि उनकी बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गया। उसे इलाज के लिए बलियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे धनबाद रेफर कर दिया गया।

छात्रों ने उठाया वनभोज का आनंद

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई के एलकेजी से टू

तक के बच्चों ने धूमधाम क्रिसमस डे मनाया। वहीं नौवीं के छात्रछात्राओं को शैक्षणिक यात्रा पर जवाहरलाल जैविक उद्यान एवं जगन्नाथ मंदिर बोकारो ले जाया गया, जहाँ २०० छात्रों के साथ वर्ग शिक्षक एवं अनुरक्षकों ने शानदार वनभोज का लुप्त उठाया। स्कूल में सांता क्लाज के रूप में सजे छोटेछोटे बच्चों ने सबका मन आकर्षित किया। इस अवसर पर सांताक्लाज ने बच्चों को उपहार बांटे और कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर स्कूल प्राचार्या महुआ सिंह ने सबको शुभकामना देते हुए एकता और भाईचारे का संदेश दिया तथा यीशु मसीह के जन्म व उनके अनुदानों से अवगत कराया। इन्होंने भी प्रभु यीशु के जन्मदिन के एक दिन पहले छोटेछोटे बच्चों को उपहार देकर बच्चों की खुशी में चार चांद लगा दिया।

डीएवी कुसुंडा ने किया पिकनिक का आयोजन

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा के प्राचार्या झूमा महता के कुशल निर्देशन में जूनियर विंग के बच्चों के लिए मंगलवार को वृन्दावन इको पार्क, गोंदूडीह में पिकनिक का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों के लिए कई सा ंस्कृ तिक कार्यक्रम और ख ेलकू द प्रतियोगिता का भी आयोजन

किया गया। बच्चों ने खूब मस्ती मनोरंजन किया। साथ ही बच्चों ने नृत्य और संगीत का भी आनंद लिया। इस अवसर पर प्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए उत्साहित किया। उन्होंने आनेवाले नववर्ष की शुभकामनाएं व मंगलकामना दीं।

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बसपा का धरना

धनबाद (कासं) : बहुजन समाज पार्टी धनबाद जिला इकाई के तत्वावधान में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा भारतीय संविधान निर्माता बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डा. भीम राव आंबेडकर के प्रति संसद में अभद्र अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर अपमान किया गया, जो बसपा इसे कभी बर्दाश्त

प्रति संसद में अमर्यादित एवं उपहास पूर्ण व्यक्तव्य देने के विरोध में बसपा के सुप्रीमो राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती के आदेशानुसार मंगलवार २४ दिसंबर को रणधीर वर्मा चौक समेत पूरे देश में राष्ट्रव्यापी एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। उपायुक्त द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रणधीर वर्मा चौक, धनबाद में धरना की अध्यक्षता बसपा के जिला अध्यक्ष अभय कुमार एवं संचालन जिला प्रभारी सुनिल रविदास ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जोन प्रभारी सुबल दास एवं पूर्व प्रदेश सह सचिव गौतम कुमार उपस्थित थे। मुख्य अतिथि सुबल दास ने कहा कि बहुत दुख की बात है नहीं करेगी। अमित शाह तुरंत माफी मांगे अन्यथा अपने पद से इस्तीफा दे वर्ना बसपा देशव्यापी जनआंदोलन करने के लिए विवश होगी। विधिब्यवस्था बाधित होती है तो केन्द्र सरकार व जिला प्रशासन की जिम्मेवारी होगी। इस कार्यक्रम में धनबाद के जिलाअध्यक्ष अभय कुमार, जिला प्रभारी सुनील रविदास, जिला उपाध्यक्ष गणेश भारती, मनोज दास, बाबुलाल मुर्मू गौतम कुमार, महेन्द्र राम, दारूलाल दास, अजय रजवार, बलराम बाऊरी श्रीकान्त दास, संतोष दास उदय कु. दास, विनोद पासवान, सहातम राम, ऋषि कुमार, अनवरी खातुन, मोहन यादव, रणधीर राम, विश्रु बाऊरी, हिरालाल राम के आलावा अन्य महिलाए व पुरुष मौजूद थे।

भाजपा के लिए शैलेश सिंह एक आदर्श पुरुष थे : रागिनी

झरिया (ससे) : मंगलवार को देशबंधु सिनेमा के समीप भारतीय जनता पार्टी के जिला ओबीसी मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह चंद्रवंशी के आकास्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित विधायक रागिनी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके उपरांत भारतीय जनता पार्टी के सभी मोर्चा के सभी पदाधिकारी ने बारीबारी से पुष्पांजलि अर्पित की। कहा गया कि शैलेश सिंह अमर रहे।

रागिनी सिंह ने कहा कि पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति हुईं है। हम लोगों ने अच्छे वक्त को खोया है। इसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है, लेकिन उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है। यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूर्व नगर अध्यक्ष अरुण साहू ने कहा कि अच्छे सह पाठी को खोया है। इनके द्वारा बराबर समयसमय पर मार्गदर्शन प्राप्त करके पार्टी के प्रति रणनीति तय की जाती थी। आज उनके अचानक चले जाने से कमी महसूस हो रही है। जिला उपाध्यक्ष विष्णु त्रिपाठी ने कहा कि हमारे लिए एक अभिभावक के रूप में शैलेश जी थे। हर समस्याओं के प्रति उनसे वार्ता करने के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाती थी। आज हमारे बीच नहीं है लेकिन यादें बनकर हम सबों के बीच छाए रहेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह ने कहा कि हमने अपने बचपन का साथी को खोया है। प्रत्येक दिन मुलाकात होने के बाद चाय पर चर्चा होने के बाद ही घर की ओर प्रस्थान करते थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अरुण साहू एवं वर्तमान अध्यक्ष अवधेश साहू ने किया कार्यक्रम का संचालन भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अरुण गोस्वामी ने किया। इस दौरान महेंद्र सिंह, बाबू जैना, महावीर पासवान, गंगाराम, श्याम सुंदर सोनकर, परमेश्वर सोनकर, उमेश यादव, अभिषेक पांडे, तरुण राय, बच्चा कुमार गिरी, अर्जुन निषाद, दया शंकर वर्मा, अमित साहू, सुनील साहू, गौतम सेन, पिक कुमार सिंह, मयूरी द्विवेदी, उमा चरण भट्टाचार्य, राहुल सोनी, मुन्ना पांडे, दिलीप आडवाणी, वीरेंद्र भैया, जितेंद्र सिंह, मनोज प्रसाद, विनोद साहू, दिलीप वर्मा, अशोक बरनवाल, संजय कुमार, प्रीतम शर्मा, अर्जुन साहनी, निर्मल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, विश्वनाथ साहब, दिलीप गिरी, अजय शाह, संजय मंत्री, अरुण जायसवाल, संजीत केसरी, राजमाली, सरवन राय, राजकुमार अग्रवाल, महेश गुप्ता, स्वरूप भट्टाचार्य, अरविंद बनर्जी, पाठक आदि सैकड़ों लोगों उपस्थित थे। कार्यक्रम में २ मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई।

उन्नयन समिति बैनर का गलत इस्तेमाल : बेंगु ठाकुर

धनबाद (कासं) : बंगला भाषा उन्नयन समिति के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत मुखर्जी उर्फ बेगू ठाकुर ने मंगलवार को धनबाद प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने माले विधायक अरूप चटर्जी के समर्थक सम्राट चौधरी द्वारा सोमवार को प्रेस वार्ता में इस्तेमाल किये गए बैनर पर आपत्ति जताई और सम्राट चौधरी पर कार्यवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी बंगला भाषा उन्नयन समिति के बैनर का गलत उपयोग कर धनबाद सांसद ढुल्लू महतो को बदनाम करने की साजिश रच रहा है। सम्राट चौधरी द्वारा किया गया प्रेस वार्ता पूरी तरह राजनीति षड्यंत्र है। बंगला भाषा भाषी का अपमान। उन्होंने कहा कि २२ दिसंबर को निरसा गोपीनाथपुर में मजदूरों के द्वारा दिये जा धरना में सांसद ढुल्लू महतो ने विधायक अरूप चटर्जी के खिलाफ बयान दिए थे। सांसद ने कहा था हम किसी का गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे और निरसा को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे। सम्राट चौधरी ने सांसद के इस बयान को तोड़ मरोड़ कर बांग्ला भाषा को गलत संदेश देना चाहते हैं। जिसे बंगला भाषा उन्नयन समिति कतई बर्दास्त नहीं करेगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

भागवत कथा सुनने से नष्ट होते हैं सारे पाप : हरिदास जी

गोविंदपुर (ससे) : राधाकृष्ण सेवा ट्रस्ट एवं श्री श्री राधा कृष्ण प्रेम मंदिर के तत्वावधान में ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर में आयोजित भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास श्री सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज ने कहा कि भगवान के उत्सव में सम्मिलित होने का सौभाग्य बड़ी मुश्किल से मनुष्यों को प्राप्त होता है। भगवान का कोई भी उत्सव हो जैसे हम लोग अपने घर के रिश्तेदार अपने परिवार के बच्चेबूढ़े इन सबके किसी के जन्मदिन में हम सम्मिलित होते है। ठीक वैसे ही वैष्णवों के लिए सबसे बड़ा उत्सव होता है, भगवान के किसी भी उत्सव में सम्मिलित होने के लिए उनके जीवन का सर्वस्य वही होता है। जब से वृन्दावन में होली का और जन्माष्टमी का उत्सव प्रारम्भ किया, वो रुकते नहीं है। कभी चाहें स्थिति जो भी रही हो कितनी भी कठिन स्थितियां रही हो वो कभी रुके नहीं और यही अपनत्व है भगवान के प्रति। देखो क्षणिक भक्ति बहुत जल्दी आ जाती सब मे क्षणिक भक्ति समझते हो पहली बार कथा सुनी और झट भक्ति का नशा चढ़ गया अब तो भगवान को पाकर ही छोड़ेंगे।

महाराज ने कहा कि भागवत कथा सुनने नष्ट होते हैं मनुष्य के सारे पाप। कथा का वृतांत सुनाते हुए कहा कि किसी भी पुराण में किसी और युग के लोगो ने चिंता नहीं की पर कल्युग के लोगों के कल्याण की चिंता हर पुराण और वेद में की गई। कल्युग का प्राणी अपने कल्याण के मार्ग को भूल कर केवल अपने मन की ही करता है, जो उसके मन को भाये वह बस वही कार्य करता है। कलियुग के मानव की आयु कम है और शास्त्र ज्यादा है तो फिर एक कल्याण का मार्ग है भागवत कथा। श्रीमद भागवत कथा सुनने मात्र से ही जीव का कल्याण हो जाता है।

महाराज श्री ने कहा कि व्यास जी ने जब इस भगवत प्राप्ति का ग्रंथ लिखा, तब भागवत नाम दिया गया। बाद में इसे श्रीमद् भागवत नाम दिया गया। इस श्रीमद् शब्द के पीछे एक बड़ा मर्म छुपा हुआ है। श्री यानी जब धन का अहंकार हो जाए तो भागवत सुन लो, अहंकार दूर हो जाएगा। इस सांसारिक जीवन में जो कुछ भी प्राप्त किये हो, सब किराए के मकान की तरह है। खाली करना ही पड़ेगा।

व्यक्ति इस संसार से केवल अपना कर्म लेकर जाता है। इसलिए अच्छे कर्म करो। भाग्य, भक्ति, वैराग्य और मुक्ति पाने के लिए भगवत की कथा सुनो। केवल सुनो ही नहीं बल्कि भागवत की मानों भी। सच्चा हिन्दू वही है जो कृष्ण की सुने और उसको माने। गीता की सुनो और उसकी मानों भी, माँ -बाप, गुरु की सुनो तो उनकी मानो भी तो आपके कर्म श्रेष्ठ होंगे। जब कर्म श्रेष्ठ होंगे तो आप को संसार की कोई भी वस्तु कभी दुखी नहीं कर पायेगी। और जब आप को संसार की किसी बात का फक पड़ना बंद हो जायेगा तो निश्चित ही आप वैराग्य की और अग्रसर हो जायेगे और तब ईश्वर को पाना सरल हो जायेगा। इस कथा को सफल बनाने में प्रमुख यजमान परिवार प्रदीप बंसल, कांता बंसल, संजय अग्रवाल अनिता अग्रवाल, शरद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, पवन लोधा, शंकर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, शरत दुदानी, निरंजन अग्रवाल, अनुप सरिया, सुनील सरिया, सुरेश सरिया, प्रदीप अग्रवाल, प्रदीप साव, धनंजय, सुरेश भगत, भोला गुप्ता, विवेकानंद पाडे, संतोष पाठक, नारायण चन्द्र सेन, गौर दास, संदीप विश्वकर्मा, कैलाश भगत, संतोष पाठक, दीपक पाडे, अशोक गुप्ता, मोहन बंसल, प्रकाश विश्वकर्मा आदि समस्त गोविंदपुर नगरवासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

डालसा टीम ने करायी रेप पीड़िता के इलाज की व्यवस्था

धनबाद (कासं) : झालसा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश व सचिव डालसा राकेश रौशन के आदेश पर डालसा की टीम एसएनएमएमसीएच के डॉ. गिनदोरिया और डॉक्टर राजलक्ष्मी एचओडी स्त्री रोग से बात कर पीड़िता एवं उनके परिजनों से मिलकर समुचित इलाज सुनिश्चित करवाया गया। साथ ही सरायढेला थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि आरोपी को जल्द से जल्द पकड़कर न्यायालय के समक्ष हाजिर किया जाए। सचिव डालसा ने बताया कि पीड़िता को जल्द ही इंटिरिम मुआवजा राशि दिलाया जाएगा। ताकि पीड़िता का भविष्य सुगम हो सके। इसी दौरान एसएनएमएमसीएच के इमरजेंसी विभाग के बाहर लावारिस अवस्था में पाए मोहम्मद आशिक, जो कि डॉक्टर ज़ाकिर हुसैन रोड हजारीबाग का रहने वाले है। पूछने से पता चला कि उनकी यह स्थिति देखकर उनके परिजन यहां पर छोड़ कर चले गए। जिनके दोनों पैर पूरी तरह से जख्मी एवं कीड़े पड़े हुए हैं। जिनको विक्षिप्त अवस्था में कुत्ते ने चार्ट रहे थे उनको भी डालसा के टीम द्वार द्वारा एडमिट करा कर उनका ड्रेसिंग करवाया गया। गठित टीम एल ए डी सी एस सहायक सुमन पाठक, राजेश कुमार सिंह, अनामिका सिंह, श्याम झा, वीरेंद्र कुमार, नवीन कुमार, हेमराज चौहान, ज्योति कुमारी की उपस्थिति में राहत पहुंचाने का कार्य किया गया। मौके पर सरायढेला थाना की टीम भी उपस्थित थी। सचिव डालसा ने बताया कि ऐसे लोगों के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं उसकी टीम हमेशा तत्पर है।

पानी की समस्या पर परियोजना पदाधिकरी से वार्ता

जोड़ापोखर (ससे) : झरिया भाजपा विधायक रागिनी सिंह की पहल पर परियोजना पदाधिकरी अरुण पाण्डे के साथ भूलन बरारी कार्यालय में जनता मजदूर संघ के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता हुई। खदान के पानी एवं पीने के पानी के विषय में लम्बी वार्ता सफल हुई। जिसमे बरारी कोलियरी के क्षेत्र के बाजार धौड़ा, ६ नम्बर धौड़ा, नया धौड़ा, डोम धौड़ा, छाता धौड़ा, बरारी एक नम्बर, जियलगोरा कोलियरी के डुमरियाटाँड़ बस्ती, बुढ़ी बाँध एवं डुमरिया टाँड़ बीसीसीएल कॉलोनी में व्याप्त पानी की समस्या को दूर करने के लिए नए पाइप लाइन व्यवस्थित कर खदान के पानी एवं पीने के पानी की सप्लाई चालू करने की बात पर सहमति बनी। वार्ता में जमसं के रायबाबू सिंह, क्षेत्रिय सचिव अनिल सिंह, मनोहर सिंह, महेंद्र पासवान, आशीष कुमार, राहुल तांती, राकेश कुमार, सुरेश कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण और मजदूर उपस्थित रहे।

अच्छी पैदावार को मिट्टी की जांच आवश्यक है : डॉ ब्रजेंद्र

गोविंदपुर (ससे) : भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक डॉ ब्रजेंद्र परमार ने कहा कि अच्छी पैदावार के लिए मिट्टी जांच आवश्यक है। मिट्टी स्वास्थ्य की गिरती अवस्था को संभालने के लिए एवं मृदा स्वास्थ्य संवर्धन के लिए इसकी जांच जरूरी है। जांच के बाद ही खाद का प्रकार तय किया जाना चाहिए । मिट्टी की पीएच, नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटेशियम की जांच के बाद खेती करने से लागत मूल्य घटेगा और किसानों को आर्थिक लाभ होगा । वह मंगलवार को संबोधी रिट्रीट कौआबांध में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं किसानों के राष्ट्रीय सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मृदा दिवस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मिट्टी जांच एवं संवर्धन का नारा दिया है और चावल अनुसंधान संस्थान ने मिट्टी जांच के लिए नई किट का आविष्कार किया है। इसमें २ मिनट में ही किसान खुद मिट्टी की जांच कर सकते हैं। इस मौके पर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा आदि क्षेत्रों से आए प्रगतिशील किसानों को मिट्टी जांच का प्रशिक्षण दिया गया और उनके बीच किट का वितरण किया गया। संगोष्ठी में आए वैज्ञानिकों के बीच भी मिट्टी जांच मशीन वितरित की गई। इस अवसर पर भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के संयुक्त निदेशक डॉ विजय पाल भडाना ने कहा कि यदि किसी वैज्ञानिक और किस ठान लें तो पैदावार दो से तीन गुना बढ़ सकती है। उन्होंने आधुनिक खेती पर जोर दिया केवीके संत कबीर नगर यूपी के प्रमुख डॉ अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि समय पर मिट्टी जांच होने से किसानों की कृषि लागत घटेगी। उत्पादन बढ़ेगा और वह अधिक मुनाफा कमाएंगे। मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेर के वैज्ञानिक डॉ डीबी सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र बोकारो के वैज्ञानिक डॉ आदर्श कुमार श्रीवास्तव, रामदयाल मुंडा सांस्कृतिक समूह रांची के गुंजल मुंडा, नेयरापाल लेंका आदि ने अपने विचार रखे। रांची के अतिरिक्त आयकर आयुक्त अजय कुमार सिंह, लोकसभा के संयुक्त सचिव जितेंद्र परमार, सतीश कुमार, प्रो दिनेश रजक, गजेंद्र परमार आदि ने भी अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री से मिले जगत महतो व रैयत

कतरास (ससे) : बाघमारा अंचल के विभिन्न रैयत अपनी जमीन संबंधित समस्याओं को लेकर १० दिसंबर से अंचल कार्यालय बाघमारा के समक्ष धरने पर बैठे हैं। रैयत लगातार अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से अपनी समस्याओं का निपटारा करने के लिए गुहार लगा रहे हैं। लेकिन कोई भी अधिकारी इन परेशान रैयतों का सुध नहीं ले रहे हैं और ना ही समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। जिससे रैयत धीरेधीरे आक्रोशित हो रहे हैं। मामले को लेकर रैयतों ने ग्राम स्वराज अभियान के प्रमुख जगत महतो के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सचिवालय राँची जाकर सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपना पीड़ा सुनाया। ग्राम स्वराज प्रमुख जगत महतो एवं रैयत अरबिन्द सिन्हा ने हेमंत सोरेन से उनके आवासीय कार्यालय जाकर मुलाकात किया तथा अंचल कार्यालय बाघमारा में चल रही धांधली और अंचल अधिकारी बाघमारा बाल किशोर महतो के करतूतो से अवगत कराया। जगत महतो ने बताया कि सीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को बाघमारा अंचल में रैयतों को हो रहे समस्याओं को दूर करने को लेकर तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया।

वहीं आरटीआई कार्यकर्ता सह रैयत अरबिन्द सिन्हा ने बताया कि शिकायत करने के महज ३४ घण्टे बाद ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर झारखंड सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। कई अंचलों से शिकायत मिली है कि दाखिल-खारिज एवं अन्य जमीन संबंधित मामले अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। जमीन दलालों के साथ मिलकर भ्रष्ट अधिकारी रैयतों को बार-बार परेशान कर रहे हैं। फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन दलाल बड़े स्तर पर जमीनों की हेरा फेरी कर रहे हैं। उन्होंने मामले में डीजीपी समेत अन्य अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एसीबी भी उड़न दस्ते का गठन कर लगातार अंचल और प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण कर छापामारी करें। जनता को त्वरित और पारदर्शी सेवाएं देना सरकार का लक्ष्य है। इधर जगत महतो ने कहा कि रैयतों की समस्याओं का हल नहीं हुआ तो २७ दिसंबर को अंचल अधिकारी बाघमारा बाल किशोर महतो का पुतला दहन किया जाएगा।

धरने में रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, आरटीआई कार्यकर्ता सह रैयत अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप कु महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम महतो आदि अनिश्चितकालीन धरना पर बैठें है।

युवक ने की आत्महत्या

कतरास (ससे) : कतरास गद्दी मोहल्ला निवासी चंदन सोनी उम्र लगभग ३७ ने देर रात घर में पंखे से झूल कर आत्महत्या कर ली। चंदन दो बच्चों का पिता था। कतरास पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एशिया कप क्रिकेट में खेलेंगी धनबाद की अनंदिता

धनबाद (कासं) : एशिया कप अंडर १९ चैंपियन टीम इंडिया की सदस्य रहीं धनबाद की अनंदिता किशोर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने में सफल रहीं हैं। मलेशिया में १८ जनवरी से होने वाले आइसीसी अंडर १९ टी२० विश्व कप के लिए मंगलवार को घोषित भारतीय टीम में अनंदिता अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं। एशिया कप खेलकर कल ही धनबाद लौटी अनंदिता की इस कामयाबी पर धनबाद क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि अनंदिता को सम्मानित करने की पहले ही घोषणा की जा चुकी थी। अब विश्व कप टीम में शामिल किए जाने की खबर से हम उत्साहित हैं। बुधवार को कांको में होने वाला यह सम्मान समारोह अब और भव्य तरीके से मनाया जाएगा। कांको में जेएससीए के सहयोग से मैदान तैयार किया जा रहा है। इसी मैदान पर यह समारोह होगा। भारतीय टीम विश्व कप के ग्रुप

स्टेज में १९ जनवरी को वेस्टइंडीज, २१ जनवरी को मलेशिया और २३ जनवरी को श्रीलंका से भिड़ेगी।

टीम : निक्की प्रसाद (कप्तान), सनिका चालके (उप कप्तान), जी. तृषा, कमलिनी जी (विकेट कीपर), भाविका अहीर (विकेट कीपर), ईश्वरी अवसारे, मिथिला विनोद, जोशविता वीजे, सोनम यादव, परुणिका सिसौदिया, केसरी दृथि, आयुषी शुक्ला, अनंदिता किशोर, एमडी शबनम आदि है।

वैष्णवी एस अनंदिता को आज सम्मानित करेगा

डीसीए धनबाद क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि कांको में बन रहे जेएससीएएसडीएससीए मैदान में धनबाद क्रिकेट संघ की ओर से अनंदिता किशोर को सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम साढ़े ११ बजे से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम एशिया कप में भाग लेकर लौटी अनंदिता को सम्मानित करने के उद्देश्य से पूर्व निर्धारित था। बीसीसीआई ने विश्व कप टी२० के लिए जो टीम घोषित की, उसमें भी अनंदिता का नाम होने से धनबाद गौरवान्वित महसूस कर रहा है। डीसीए के पदाधिकारी, सदस्य और खिलाड़ी सभी आज बेहद खुश हैं। उन्होंने अनंदिता के बेहतर भविष्य की कामना की।

लोयाबाद रेलवे साइडिंग से रैक लोडिंग शुरू

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद रेलवे स्टेशन साइडिंग में मंगलवार को शांति पूर्ण तरीके से एक रैक लोडिंग हुआ। साइडिंग इंचार्ज मजीद अंसारी ने बताया कि महाराष्ट्र स्टील प्लांट में प्रर्ल कोल भेजा गया है। हलांकि लोर्डिंग देर से शुरू हुआ। आयश कंपनी के द्वारा नियुक्त अनिता देवी और पूनम प्रसाद के नेतृत्व में रैक लोडिग हुआ।

मौके पर ग्रायत्री देवी, पूनम देवी, कुर्सिदा प्रवीण, किरण खातुन, बच्चियाँ देवी, मुन्नी देवी, माजो खातुन आदि दर्जनों महिला उपस्थित थी। सोमवार को लोयाबाद ९ नंबर के समीप मुख्य मार्ग में सोमवार की रात्रि प्रदूषण व रोजगार की माँग को लेकर बीस न० के युवको के द्वारा ट्रांसपोर्टिंग रोके जाने को लेकर दो गुट आपस में भीड़े थे। जिसमें मारपीट के अलावा दर्जनों राउण्ड गोलियाँ और बम चली थी। पथराव के चपेट में लोयाबाद पुलीस की गाडी क्षतिग्रस्त हुई थी। इससे पूरा इलाके में दहशत व्याप्त हो गया था। सोमवार को लगभग ९:३० बजे रात्रि को ग्रामीणों ने ट्रांसपोर्टिंग के गाड़ियों को वापस जाने को कहा, इसी बात को लेकर दूसरे गुट जो साईडिंग का देखरेख करने वाले लोग वहां पहुंचे और इसका विरोध करने लगे। एक पक्ष गाड़ी को वापस जाने को कहा तो दूसरे ने गाड़ी को ऐसा करने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बात बढ़ गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों में भीडंत्त हो गया। जिसमें मारपीट तथा दर्जनों राउंड गोलियां चली और बम भी फोड़े गए।

जमकर पत्थर बाजी भी हुआ। हालांकि इतनी बड़ी घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। गोली और बम की तड़तड़ाहट से वहाँ भगदड़ मच गया। घटना की सूचना पाकर विधिब्यवस्था नौशाद आलम, केन्दुआडीह सर्किल इंस्पेक्टर जय प्रकाश महतो, पुटकी पुलिस, जोगता पुलिस, गोन्दुडीह पुलिस सहित जिला से पुलिस बल पहुँच कर मामले को शांत किया। थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने बताया कि एक पक्ष के द्वारा ट्रास्पोर्टिंग का काम रोके और दूसरे पक्ष के द्वारा काम चालू कराने को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस घटना स्थल से दो गोली का खोखा, बम का अवशेष, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक काले रंग का एसयूवी ३०० जब्त किया गया है।

ए एस आई हीरा लाल दास के लिखित शिकायत पर ५४ नामजद और १०० अज्ञात पर सरकारी काम में बाधा, जान मारने के नियत से गोली बारी करने, दशहात फैलाने को लेकर पत्थर बाजी और बम बारी करने का कांड संख्या ५१/२४ दर्ज किया गया है। एक पक्ष के अनिता देवी के लिखित शिकायत पर रंगदारी मांगने, जान मारने के नियत से पत्थर बाजी, गोली बम चलाने का कांड संख्या ५२/२४ दर्ज किया गया है, जिसमें मिंटु राय, नीरज पांडेय,नंदन नोनिया,मोलु सिंह, विशाल चौधरी आदि को नामजद बनाया गया है। वही दूसरे पक्ष के सुजाता देवी के लिखित शिकायत पर कांड संख्या ५३/२४ दर्ज किया गया है। सुजाता देवी ने पुलिस को बताया कि हम ग्रामीण शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे थे। आयश कोल कंपनी प्रबंधन के द्वारा हमें गुमराह किया जा रहा था, सुजाता देवी २२ नामजद और दर्जनों अज्ञात पर मामला दर्ज किया गया है।

तालाब के पास शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

निरसा (ससे) : थाना अंतर्गत बेनागोढ़िया पंचायत के जोगीतोपा और काशीडीह के तालाब के किनारे लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। सुबह शौच के लिए गए हुए लोगों ने लाश देखा इसके बाद यह बात जंगल में आग की तरह फ़ैल गयी। मुखिया सूचना पाकर मौके पर पहुंचे और निरसा थाना को सूचित किया। मौके पर थाना प्रभारी दल वल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया। मृतक की पहचान जोगीतोपा गांव के किसन दास के रूप हुई। किसन दास (३५) की मौत की खबर सुनकर मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे मृतक को शव देखकर पिता अरुण दास व मां काजोली वाला दासी का रोसे कर बुरा हाल हो गया पिता अरुण दास बेसुध होकर गिर पड़े।

परिजनों ने बताया कि सोमवार की रात करीब १० बजे गांव के ही गणेश डैडीया और रंजीत डैडीया तथा भागाबांध गांव निवासी नीलकंठ नंदी, दिनेश दा उर्फ दीना और दो अनजान व्यक्ति ने घर से बुलाकर ले गया। रात भर नहीं आया सुबह शव मिलने के सूचना मिला। घर में एक मात्र कमाने वाला था। मृतक किसन दास घर में मां बीमार, बाप पत्नी व तीन छोटी बेटी है।

संपादकीय

इस महीने के अंत तक भरी जाएंगी मेडिकल सीट

भारत में चिकित्सकों की कमी को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे रेखांकित किया है। दरअसल, अदालत ने मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में खाली पड़ी सीटों को भरने का निर्देश देते हुए कहा कि देश में डाक्टरों की पहले ही इतनी कमी है, उसमें सीटें बर्बाद नहीं जानी चाहिए। इस महीने के अंत तक काउंसिलिंग करा कर उन सीटों को भरा जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की दुर्दशा पर जब-तब सवाल उठते रहते हैं।

लगभग सभी अस्पतालों में चिकित्सकों के बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। इस मामले में ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों की दशा सबसे खराब है। सरकार ने खुद स्वीकार किया था कि मार्च 2022 तक ग्रामीण क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्जन, चिकित्सकों, स्त्री रोग विशेषज्ञों और बाल रोग विशेषज्ञों की लगभग अस्सी फीसद कमी थी। यूनेस्को भी कई बार बता चुका है कि भारत में एक हजार लोगों पर एक से भी कम चिकित्सक हैं। ऐसी स्थिति में, अगर चिकित्सक तैयार ही नहीं होंगे, तो इस कमी को पूरा कैसे किया जा सकेगा। हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की कमी के अन्य कई कारण भी स्पष्ट हैं।

पहले तर्क दिया जाता था कि हमारे यहां इसलिए जरूरत के मुताबिक योग्य चिकित्सक नहीं तैयार हो पा रहे कि मेडिकल कालेजों में सीटें बहुत कम हैं। इसके मद्देनजर कुछ नए कालेज खोले गए और सभी कालेजों में सीटें बढ़ा दी गईं। इस तरह पिछले दस वर्षों में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ कर करीब दोगुनी हो गई हैं।

इसके अलावा हर वर्ष हजारों विद्यार्थी विदेशी संस्थानों से पढ़ाई करके वापस लौटते हैं। फिर, निजी अस्पतालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उनमें चिकित्सकों की कमी नजर नहीं आती। सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी की बड़ी वजह उनमें भर्तियों पर गंभीरता से ध्यान न दिया जाना है।

ग्रामीण इलाकों में चिकित्सकों की कमी दूर करने के मकसद से नियम बनाया गया था कि चिकित्सा की पढ़ाई के बाद हर डाक्टर को कम से कम एक वर्ष ग्रामीण इलाकों में जाकर सेवा देनी होगी, मगर उस नियम का गंभीरता से पालन नहीं हो पाता। हर डाक्टर शहर में रहना चाहता है। वहां उसे कमाई के अधिक मौके नजर आते हैं। इन स्थितियों में शीर्ष अदालत की टिप्पणी को न केवल मेडिकल कालेजों में खाली पड़ी सीटों, बल्कि व्यापक अर्थ में लेने की जरूरत है।

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले को लेकर इसीलिए अधिक संघर्ष देखा जाता है कि वहां से निकलने के बाद युवाओं को एक तरह से रोजगार की गारंटी होती है। वे निजी तौर पर भी अपना चिकित्सालय खोल कर अच्छी कमाई कर लेते हैं। मगर चिंता उस बहुसंख्यक आबादी तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने को लेकर है, जो अपने इलाज पर पैसे खर्च कर पाने में सक्षम नहीं है। फिर, बहुत सारे योग्य चिकित्सक बेहतर वेतन और सुविधाओं के मोह में दूसरे देशों का रुख कर लेते हैं। यही वजह है कि अनेक रोगों के विशेषज्ञों की भारी कमी बनी हुई है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की कमी को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसा भी नहीं कि ये सारे पहलू सरकारों की नजर से ओझल हैं, मगर तमाम दावों के बावजूद चिकित्सकों की कमी को दूर करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाएं बेहतर करने आदि को लेकर उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा पा रहे। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

गलतियों या लापरवाहियों का नतीजा होता है हादसा

राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को एक ट्रक और टैंकर में टक्कर की वजह से भयावह हादसा हो गया। अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पेट्रोल पंप के नजदीक एलपीजी गैस से भरे टैंकर और रसायनों से लदे ट्रक में हुई टक्कर के बाद तेज धमाके के साथ वहां करीब तीन सौ मीटर के दायरे में आग लग गई। इस घटना की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आग की चपेट में चालीस से ज्यादा गाड़ियां आ गईं, उसमें ग्यारह लोगों की जान चली गई और चालीस से ज्यादा लोग बुरी तरह झुलस गए। कई पूरी तरह जल गए लोगों की सिर्फ हड्डियां मिल सकीं। हादसे के बाद सरकार ने राहत के तौर पर मुआवजे की घोषणा कर दी, लेकिन सवाल है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या उपाय किए जाते हैं, ताकि इतने बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन से खिलवाड़ न हो! इस दुर्घटना को जयपुर में अब तक के सबसे बड़े हादसों में से एक माना जा रहा है, लेकिन यही बात शहर की यातायात व्यवस्था पर एक सवालिया निशान है। यह सही है कि कोई भी हादसा गलतियों या लापरवाहियों का नतीजा होता है, मगर यातायात प्रबंधन महकमे की यह जिम्मेदारी होती है कि वह वाहनों की आवाजाही के लिए नियम-कायदों से लेकर उस पर अमल के साथ-साथ वाहनों के सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर चौकस रहे। गलत तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए, ताकि सड़क पर वाहन चालक रफ्तार, लेन और अन्य मामले में नियमों का पालन करने को लेकर स्वतः सतर्क हों। अगर सड़कों पर वाहन चलाने को लेकर मौजूदा नियमों पर अमल को ही पूरी तरह सुनिश्चित कर लिया जाए, तो हादसे की गुंजाइश को बहुत कम या खत्म किया जा सकता है। विडंबना यह है कि एक ओर कई चालक सुरक्षित तरीके से गाड़ी चलाने के प्रति लापरवाही बरतते हैं, वहीं यातायात महकमा और सरकार भी तब तक आंखें मूंदे रहती है, जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता। यह बेवजह नहीं है कि सड़कों पर हादसों का सिलसिला जारी रहता है और सरकारें सिर्फ मुआवजा देने को अपनी जिम्मेदारी मान कर निश्चिंत हो जाती हैं।

आज का कार्टून

पूर्व कांस्टेबल की डायरी में साल भर में 100 करोड़ के लेन-देन का ब्योरा

श्रीलंका ने विदेशी रिसर्च जहाज पर बैन बरकरार रखा

> श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने ऐसी सभी अटकलों को यह कहते हुए विराम दे दिया है कि स्थगन में ढील नहीं दी गई है और यह 31 दिसंबर तक जारी रहेगा। हेराथ ने कहा कि सरकार ने श्रीलंका में आने वाले सभी विदेशी जहाजों को संभालने के लिए एक राष्ट्रीय नीति और रूपरेखा तैयार करने के लिए एक समिति नियुक्त करने का फैसला किया है। हेराथ ने कहा हमने स्पष्ट रूप से कहा है और अब मैं यह भी कह रहा हूं कि हम इस मामले पर विचार करेंगे, न केवल चीनी अनुसंधान जहाजों के लिए, बल्कि सभी अनुसंधान जहाजों के लिए। यह निर्णय अगले साल जनवरी में दिसानायके की प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले आया है। एक अनुभवी राजनेता होने के बावजूद, दिसानायके पहली बार हिंद महासागर के द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव जीता। दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना या (जेवीपी) के नेता हैं, जो मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी एनपीपी का मुख्य घटक है।

अरुणिम भुयान

क्षेत्रीय भू-राजनीति की जटिलताओं को रेखांकित करने वाले एक कदम में श्रीलंका ने अपने क्षेत्रीय जल में विदेशी रिसर्च वेसल की एंट्री पर रोक को बढ़ा दिया है। यह निर्णय भारत की बढ़ती चिंताओं के बीच आया है, क्योंकि उसके तत्काल पड़ोस के पास चीनी जहाजों की मौजूदगी है। श्रीलंका का यह कदम भारत की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और बीजिंग के साथ अपने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने की उसकी नाजुक कोशिश को दर्शाता है।

कोलंबो का यह फैसला इस सप्ताह की शुरुआत में श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की भारत यात्रा के तुरंत बाद आया है, जो इस साल सितंबर में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। 16 दिसंबर को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दिसानायके ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार भारत के हितों के खिलाफ श्रीलंका के क्षेत्र का उपयोग नहीं होने देगी।

वार्ता के बाद जारी किए गए संयुक्त बयान में कहा गया, स्वाभाविक साझेदार के रूप में दोनों नेताओं ने हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों के सामने आने वाली आम चुनौतियों को रेखांकित किया और पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों का मुकाबला करने के साथ-साथ एक स्वतंत्र, खुला, सुरक्षित और संरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।भारत श्रीलंका का सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी है, इसलिए राष्ट्रपति दिसानायका ने श्रीलंका की इस स्थिति को दोहराया कि वह अपने क्षेत्र का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए किसी भी तरह से हानिकारक तरीके से नहीं होने देगा।

हाल के वर्षों में श्रीलंका के पास हिंद महासागर में वैज्ञानिक अन्वेषण में लगे चीनी शोध जहाजों को अधिक बार देखा गया है। भारत ऐसे जहाजों को दोहरे उपयोग वाले प्लेटफॉर्म के रूप में देखता है जो निगरानी करने और क्षेत्र की समुद्री और सैन्य गतिविधियों के बारे में संवेदनशील डेटा एकत्र करने में सक्षम हैं। ये जहाज, जो उन्नत सोनार और ट्रैकिंग तकनीक से लैस हैं, अक्सर महत्वपूर्ण शिपिंग लेन और अंडरसी इंफ्रास्ट्रक्चर के पास देखे जाते हैं जो भारत के आर्थिक और रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

2022 में भारत ने कड़ा विरोध किया था जब युआन वांग 5 नामक एक चीनी सर्वेक्षण पोत को श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि जहाज को एक शोध और सर्वे पोत के रूप में वर्णित किया गया था, लेकिन सुरक्षा विश्लेषकों ने कहा कि यह अंतरिक्ष और उपग्रह ट्रैकिंग इलेक्ट्रॉनिक्स से भी भरा हुआ था जो रॉकेट और मिसाइल लॉन्च की निगरानी कर सकता है। जहाज को तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने आर्थिक संकट के बीच देश छोड़ने से एक दिन पहले डॉक करने की अनुमति दी थी।

पिछले साल अगस्त में एक चीनी जहाज जो शोध पोत होने का दावा कर रहा था, कथित तौर पर पुनःपूर्ति के लिए कोलंबो बंदरगाह पर रुका था। हाओ यांग 24

हाओ वास्तव में एक चीनी युद्धपोत निकला। 129 मीटर लंबे इस जहाज पर 138 लोगों का दल सवार था और कमांडर जिन शिन इसकी कमान संभाल रहे थे।

फिर अक्टूबर 2023 में श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने चीनी शोध पोत शि यान 6 को दो दिनों की अवधि के लिए अपने पश्चिमी तट पर निगरानी वाले समुद्री शोध में लिंक होने की अनुमति दी। संभावित जासूसी की आशंकाओं के बीच पुनपूर्ति के लिए कोलंबो में डॉक किए गए इस पोत को कड़ी निगरानी में शोध गतिविधियों के लिए अधिकृत किया गया था। यह निर्णय हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति और श्रीलंका में इसके रणनीतिक प्रभाव से संबंधित भारत की सुरक्षा चिंताओं के जवाब में लिया गया था।

इन घटनाक्रमों के बाद पिछले साल दिसंबर में तत्कालीन श्रीलंकाई विदेश मंत्री अली साबरी ने 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी एक साल की रोक की घोषणा की थी, जिसके तहत विदेशी जहाजों को देश के क्षेत्रीय जल में अनुसंधान करने की अनुमति दी जाएगी। साबरी ने कहा था, हमें कुछ क्षमता विकास करना है ताकि हम समान भागीदारों के रूप में इस तरह की शोध गतिविधियों में भाग ले सकें। हालांकि, एक ऐसे घटनाक्रम में जो नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय होगा, चीन ने अब कहा है कि वह हिंद महासागर में समुद्री अनुसंधान गतिविधियों को फिर से शुरू करेगा।

भारत से लौटने के बाद 18 दिसंबर को कोलंबो में दिसानायके के साथ एक बैठक के दौरान, चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष किन बोयोंग ने समुद्री अनुसंधान को फिर से शुरू करने की बीजिंग की योजनाओं पर चर्चा की।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने कहा, किन बोयोंग ने कहा कि समुद्री अनुसंधान गतिविधियों को फिर से शुरू करने की योजना है, जो विभिन्न कारणों से अस्थायी रूप से रोक दी गई थी, साथ ही प्रासंगिक परियोजनाओं को शुरू करने की भी योजना है। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि चीनी कंपनियां हंबनटोटा निवेश क्षेत्र में खुद को स्थापित करने का इरादा रखती हैं, जिसका उद्देश्य श्रीलंका को बेहतर वैश्विक पहुंच प्रदान करना है।

इसके बाद, कैबिनेट प्रवक्ता नलिंडा जयतिसा ने गुरुवार को इकोनॉमीनेस्ट डॉट कॉम समाचार पोर्टल से कहा कि प्रतिबंध में ढील दी गई है और विदेशी अनुसंधान जहाजों के अनुरोधों पर मामले के आधार पर विचार किया जाएगा, जिससे इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि कोलंबो इस मुद्दे को कैसे संभाल रहा है।

हालांकि, श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने ऐसी सभी अटकलों को यह कहते हुए विराम दे दिया है कि स्थगन में ढील नहीं दी गई है और यह 31 दिसंबर तक जारी रहेगा। हेराथ ने कहा कि सरकार ने श्रीलंका में आने वाले सभी विदेशी जहाजों को संभालने के लिए एक राष्ट्रीय नीति और रूपरेखा तैयार करने के लिए एक समिति नियुक्त करने का फैसला किया है।

हेराथ ने कहा हमने स्पष्ट रूप से कहा है और अब मैं यह भी कह रहा हूं कि हम इस मामले पर विचार करेंगे, न केवल चीनी अनुसंधान जहाजों के लिए, बल्कि सभी अनुसंधान जहाजों के लिए। यह निर्णय अगले साल जनवरी में दिसानायके की प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले आया है। एक अनुभवी राजनेता होने के बावजूद, दिसानायके पहली बार हिंद महासागर के द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव जीता। दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना या (जेवीपी) के नेता हैं, जो मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी एनपीपी का मुख्य घटक है।

यह देखते हुए कि दिसानायके एक पूरी तरह से नई सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, विदेशी अनुसंधान जहाजों के प्रवेश पर रोक लगाने के कोलंबो के फैसले को व्यावहारिक माना जा रहा है। किंग्स कॉलेज लंदन में किंग्स इंडिया इंस्टीट्यूट के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन थिंक टैंक में उपाध्यक्ष (अध्ययन और विदेश नीति) हर्ष वी पंत ने ईटीवी भारत को बताया, श्रीलंका अब भारत और चीन के बीच संबंधों को सहजता से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।

पंत ने कहा, दिसानायके को पहले भारत विरोधी के रूप में देखा जाता था,लेकिन अब वह भारत के साथ संबंधों पर एक व्यावहारिक निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि चूंकि दिसानायके राष्ट्रपति के कार्यालय में नए हैं, इसलिए निकट भविष्य में कूटनीतिक चुनौतियां होंगी। पंत ने कहा, चीन उन्हें (श्रीलंका सरकार) यह परखने की कोशिश कर रहा है कि वे कितनी दूर तक जा सकते हैं।

नाकामयाब व्यक्तियों को खटकते हैं कामयाब लोग

> इंसान जब कामयाबी के रास्ते पर चलता है, तब कई ताकतें उसे कमजोर करने में लग जाती हैं। अगर वह अपनी कमजोर होती ताकत की ओर देखेगा, तो निश्चित रूप से कमजोर हो जाएगा। इस कठिन रास्ते पर वे लोग ही चल पाते हैं, जिनकी आंखों के सामने उनकी मंजिल होती है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए लोगों के पास जुनून होता है। यही जुनून उसके दुश्मनों को उससे अलग करता है। हर कामयाब इंसान कभी न कभी कमजोर होता ही है। इसी कमजोरी से उसे ताकत हासिल करनी होती है। जो ऐसा करने में सक्षम होते हैं, सफलता उन्हीं के कदम चूमती है। कामयाब होने के बाद इंसान की सबसे बड़ी चुनौती होती है, उस कामयाबी को टिकाए रखना।

महेश परिमल

आजकल हर तरफ एक अजीब-सा माहौल दिखता है। कोई किसी पर विश्वास ही नहीं करना चाहता। सभी एक-दूसरे को 'विश्वासी' न मानकर 'विषवासी' मान रहे हैं। एक अक्षर में अंतर के साथ कितना कुछ बदल जाता है। हर कोई आपस में परस्पर खटकने लगा है। खटकने की यह प्रक्रिया आंखों से शुरू होती है और व्यवहार में समा जाती है। आमतौर पर इंसान किसी की आंखों में तभी खटकता है, जब वह लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ता जाता है। लोगों की आंखों में खटकने के लिए हममें कई खूबियां होनी चाहिए। हमारी सफलता ही यह बताती है कि इसके लिए हममें कितनी खूबियों की जरूरत हैं। खटकने को लेकर एक पूरा मनोविज्ञान है। दुनिया में तीन प्रकार के लोग होते हैं। पहले तो वे जो हमारे लिए सकारात्मक सोच रखते हैं। ऐसे लोग हमें आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। पर ऐसे लोग बहुत कम संख्या में होते हैं। दूसरे प्रकार के लोगों की संख्या बहुतायत में होती है। वे नकारात्मक विचारों के होते हैं, जो हमारी सफलता के रास्ते पर बाधाएं उत्पन्न करते हैं। हम इन्हीं की आंखों में खटकते हैं। तीसरे वे होते हैं, जो उपर्युक्त दोनों प्रकार के लोगों की आशाओं पर पानी फेरने का काम करते हैं। ऐसे लोग ही बहुत खतरनाक होते हैं। जीवन में हमें

इस प्रकार के लोग मिलते रहते हैं। कई बार हमारा कोई कुसूर न होने के बाद भी लोग आपकी पद-प्रतिष्ठा के कारण हमारे दुश्मन बन जाते हैं। वजह साफ है। वे लोग अपनी सारी कोशिशों के बाद भी हमारे स्थान पर नहीं पहुंच पाते। कामयाब इंसान की कामयाबी को देखकर ऐसे लोग ही उसके रास्ते पर अवरोध बनकर सामने आ जाते हैं। कामयाब इंसान के सामने कामयाबी हासिल करना ही मकसद नहीं होता। उसके मकसद में आड़े आने वालों से निपटना भी एक प्रकार की जंग ही है। कई बार इंसान ऐसे लोगों से ही लड़ते-लड़ते थक जाता है। वह अपनी कामयाबी का रास्ता भूल जाता है। पर कुछ लोग इससे अलग किस्म के होते हैं। वे ऐसे लोगों को अनदेखा कर केवल अपनी कामयाबी की ओर ही देखते हैं। ऐसे अलग किस्म के लोग बनना भी बहुत मुश्किल है, क्योंकि वे भी एक सामाजिक प्राणी है। उन्हें भी समाज के नियमों का पालन करते हुए अपने कर्तव्य निभाने हैं। अपने दुश्मनों को अनदेखा करना बहुत ही मुश्किल है। दूसरी ओर कई लोग इन्हीं दुश्मनों की वजह से आगे बढ़ जाते हैं। दुश्मन उसकी कमजोरियों का फायदा उठाना चाहते हैं। अनजाने में यही दुश्मन उसे उसकी कमजोरियों का अहसास दिलाते हैं।

कामयाब इंसान इसे समझते हुए दुश्मनों को जवाब देने के बजाय अपनी कमजोरियों को दूर करने में अपनी पूरी ताकत झोंक देता है। अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त करना कामयाब इंसान की पहचान होती है।

इंसान जब कामयाबी के रास्ते पर चलता है, तब कई ताकतें उसे कमजोर करने में लग जाती हैं। अगर वह अपनी कमजोर होती ताकत की ओर देखेगा, तो निश्चित रूप से कमजोर हो जाएगा। इस कठिन रास्ते पर वे लोग ही चल पाते हैं, जिनकी आंखों के सामने उनकी मंजिल होती है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए लोगों के पास जुनून होता है। यही जुनून उसके दुश्मनों को उससे अलग करता है। हर कामयाब इंसान कभी न कभी कमजोर होता ही है। इसी कमजोरी से उसे ताकत हासिल करनी होती है। जो ऐसा करने में सक्षम होते हैं, सफलता उन्हीं के कदम चूमती है। कामयाब होने के बाद इंसान की सबसे बड़ी चुनौती होती है, उस कामयाबी को टिकाए रखना।

आंखों में खटकना, यानी सफल होते व्यक्ति के दुश्मनों की संख्या बढ़ना। जो खटकता है, उसके दुश्मन बहुत होते हैं। यहां पर व्यक्ति आंखों में खटकता है, पर नाकामयाब व्यक्ति इसके लिए 'खटता' रहता है। उसकी पूरी कोशिश होती है कि सामने वाले को किस तरह से नीचा दिखाया जाए, ताकि उसकी आंखों का कांटा दूर हो सके। ऐसा भी नहीं है कि जो व्यक्ति उसकी आंखों में खटकता है, वह कहीं नाकामयाब हो जाए, तो उसका मिशन खत्म हो जाता है। असफल व्यक्ति की आंखों में कई लोग खटकते ही रहते हैं। एक गया, तो दूसरा आया। यह सिलसिला चलता ही रहता है। ऐसे लोग न तो अपना भला कर पाते हैं, न ही दूसरों का। उनका पूरा जीवन ही इसी में लगा रहता है कि कब किसे किस तरह से नीचा दिखाया जाए।

दरअसल, कामयाब वही होते हैं, जो नाकामयाबी को अपना दोस्त मानते हैं। आंखों में खटकते वही हैं, जो सफलता की राह पर चलते रहते हैं। खटते वही हैं, जो किसी को आगे बढ़ता नहीं देख सकते। दूसरी ओर, कामयाब होने की जिद पर अड़ा व्यक्ति इन्हीं लोगों के बीच में से अपने लिए रास्ता निकाल लेता है। कहते भी हैं कि लोगों ने उस पर इतने पत्थर बरसाए कि पत्थरों का पहाड़ ही बन गया, लेकिन उसने उन पत्थरों से एक मजबूत इमारत बना ली। इसे कहते हैं आलोचनाओं के पत्थरों से भी बन सकती है, एक मजबूत और आलीशान इमारत। इसके लिए हमें उस तरह का शिल्पी बनना होगा। यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि हम किनकी आंखों में खटक रहे हैं। अगर खटक रहे हैं, तो अच्छी बात है, क्योंकि यही खटकना ही बताता है कि आप जो भी कर रहे हैं, अच्छा कर रहे हैं।

सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए निगम चलाएं अभियान : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) वंदना शेजवलकर ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति का बैठक किया। मौके पर नीय विधायक बेरमो के प्रतिनिधि विनोद कुमार महतो, विधायक चंदनकियारी के विधायक प्रतिनिधि विश्वनाथ महतो, ट्रैफिक डीएसपी विद्या सागर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

बैठक के क्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी ने नगर निगम क्षेत्र में सड़कों पर अतिक्रमण हटाने को लेकर नियमित अभियान चलाने को कहा। उन्होंने बैठक में उपस्थित सहायक नगर आयुक्त प्रियंका कुमारी को अंचलाधिकारी, ट्रैफिक पुलिस, सड़क सुरक्षा समिति से समन्वय स्थापित करते अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाने को कहा। साथ ही निगम क्षेत्र में बेतरतीब तरीके से दो पहिया/चार पहिया और बड़े वाहनों की पार्किंग को व्यवस्थित करने, ऐसे वाहनों के वाहन चालकों से निगम को जुर्माना वसूलने, व्यवस्ततम सड़कों/ चौक - चौराहों के आस - पास नो पार्किंग जोन चिन्हित करते हुए नो पार्किंग जोन का बोर्ड लगाने का निर्देश दिया।

समीक्षा क्रम में गरगा पुल के समीप वाहन पार्किंग/ फुटकर दुकान लगाने से उत्पन्न हो रही समस्या को दूर करने, उपस्थित ट्रैफिक पुलिस डीएसपी को भी अपने स्तर से कार्रवाई करने को कहा। सड़क पर सब्जी विक्रेता/फुटकर दुकान नहीं बैठेंगे, इसे सुनिश्चित कराने को नगर निगम चास को निर्देश दिया। वेंडर जोन/ चिन्हित स्थल पर ही उन्हें बाजार लगाने की अनुमति होगी। डीटीओ ने सहायक नगर आयुक्त को सख्ती से इनका अनुपालन कराने का निर्देश दिया।

वहीं, नो इंट्री समय में बड़े वाहनों का तलगड़िया मोड़ से प्रवेश होने की शिकायत मिलती है, ऐसे वाहनों का नो इंट्री के समय शहर में प्रवेश नहीं हो, इसे ट्रैफिक डीएसपी सुनिश्चित करेंगे। जिला परिवहन पदाधिकारी ने जिले में हिट एंड रन के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर सकारात्मक कार्रवाई करने की बात कहीं। उन्होंने राष्ट्रीय राज मर्ग से संबंधित सभी थानों के थाना प्रभारी से एनएचआइ प्रतिनिधियों को बैठक कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध पार्किंग पर कार्रवाई करने, जुर्माना वसूलने एवं वाहनों को जब्त करने का निर्देश दिया।

बैठक में ब्लैक स्पार्ट पर सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा* कर उसके अल्पावधि उपाय एवं दर्घकालिन उपाय सुनिश्चित करने को लेकर सड़क सुरक्षा टीम को जरूरी निर्देश दिया। साथ ही, जिला अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राज मार्ग एवं आरडब्ल्यूडी सड़कों पर अधिष्ठापित पुराने साइनेजों की मरम्मतिकरण एवं रेडियमयुक्त साइनेज का अधिष्ठापन सुनिश्चित करने का एनएचआइ प्रतिनिधि एवं कार्यपालक अभियंता आरडब्ल्यूडी को कहा।

समीक्षा बैठक में एनएचआइ/ बीएसएल को पेड़ों की टहनियों की छटांई करने, चिन्हित ब्लैक स्पाट को कम करने के लिए सकारात्मक पहल करने का निर्देश दिया। नियमित अभियान चलाकर ब्रेथ एनलाइजर के माध्यम से वाहन चालकों की जांच करने, ओनर स्पीड वाहनों पर कार्रवाई करने, परिवहन नियमों का अनुपालन सुनिश्चत कराने, नियम की अनदेखी करने वालों से जुर्माना वसूलने आदि को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। यह सुनिश्चित करने को कहा कि दो पहिया वाहन चालक वाहन चलाने के समय आइएसआइ मार्क हेलमेट का इस्तेमाल अवश्य करें।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग को १०८ एंबुलेंस को घटना स्थल से घायल को अस्पताल पहुंचाने के समय में कमी लाने का निर्देश दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन जांच, उत्पाद विभाग एवं पुलिस विभाग (यातायात) द्वारा वाहन जांच से वसूले गए जुर्माना राशि की जानकारी समिति को दी।

सभी आधार केंद्रों का सत्यापन व पर्यवेक्षण का दिय निर्देश

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को अपर समाहर्ता (एसी) मो. मुमताज अंसारी ने आधार निगरानी समिति का बैठक किया। जिसमें सभी संबंधित अधिकारी शामिल हुएं। बैठक में विभिन्न राजेंडा पर चर्चा करते हुए सभी आयु वर्ग के शतप्रतिशत आधार सैचुरेशन, डाक्युमेंट अपलोड का कार्य, १८ वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए नया आधार पंजीकरण के उपरांत स्टेट पोर्टल के माध्यम से भौतिक सत्यापन कर प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया।

अपर समाहर्ता ने प्रखंड स्तर पर (सूचना प्रौद्योनिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग) संचालित विभिन्न स्थायी आधार केन्द्रों, पंचायत स्तर पर संचालित प्रज्ञा केन्द्रों एवं शिक्षा विभाग के माध्यम से संचालित आधार कार्ड निर्माण की जानकारी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं यूआइडी डीपीओ शैलेंद्र मिश्रा से लिया। उन्होंने पोस्टल डिपार्टमेंट के तहत विभिन्न पोस्ट ऑफीस एवं इंडिया पोस्ट पैमेंट बैंक (आइपीपीबी) के माध्यम से संचालित आधार केन्द्रों की भी स्थिति की समीक्षा की।

अपर समाहर्ता ने सभी आधार केंद्रों का सत्यापन एवं पर्यवेक्षण का निर्देश दिया। उन्होंने टीम बनाकर भौतिक जांच करने एवं प्रतिवेदन जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया। वहीं, ०५-०७ एवं १५-१७ आयु वर्ग वाले लोगों का बायोमैट्रिक अपडेट करने के लिए अभियान चलाने को कहा। पीवीटीजी समुदाय के लोगों एवं शून्य से पांच वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण को लेकर शिविर लगाने का भी निर्देश दिया।

मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, यूआइडी क्षेत्रीय कार्यालय रांची से अब्दुल कलाम, लीड बैंक मैनेजर, सहायक डाक अधीक्षक बोकारो आदि उपस्थित थे।

मरीजों के बीच फलेरिया किट का वितरण

डुमरी (ससे): रेफरल अस्पताल डुमरी में मंगलवार को शिविर का आयोजन कर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए ४१ फाइलेरिया मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सहिया,सहिया साथी, और एमपीडब्ल्यू भी उपस्थित थे।
उपस्थित फलेरिया मरीजों को पिरामल फाउंडेशन के पीओ-सीडी सुनील कुमार ने फाइलेरिया की रोकथाम और घरेलू व्यायाम के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो ने फलेरिया के लक्षणों व उसके उपचार की जानकारी दी साथ ही बताया कि रेफरल अस्पताल एवं अन्य स्वास्थ्य केन्द्र में फलेरिया की दवा मुफ्त उपलब्ध है। इस दौरान आइएमटीएस सुरेन्द्र मुंडा बीएएम रामप्रवेश बीटीटी मानिकचन्द महतो लिपिक शंकर ठाकुर आदि उपस्थित थे।

आयुष्मान के मरीजों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करें : उपायुक्त

कोडरमा (ससे): कोडरमा समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न हुआ। बैठक में विशेषज्ञ चिकित्सक एवं प्रखंड सुपरवाइजर की नियुक्ति, वित्तीय एवं आयुष्मान के मरीजों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करना, ओपीडी, आईपीडी, मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, आयुष्मान कार्ड बनाने, ७० बर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्ग का आयुष्मान कार्ड निर्गत करने आदि से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गया।
उपायुक्त ने सिविल सर्जन एवं डीपीसी आयुष्मान भारत को निर्देश दिया गया कि विशेषज्ञ चिकित्सक एवं, प्रखंड सुपरवाइजर की नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित करें। तत्पश्चात उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिये कि आयुष्मान के मरीजों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करें इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही किया जायेगा। सदर अस्पताल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र समेत सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर बेहतर तरीके से मरीजों का ईलाज करें। मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्यसुरक्षा योजना, आयुष्मान कार्ड बनाने, ७० बर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्ग का आयुष्मान कार्ड निर्गत करने आदि से संबंधित आवश्यक दिशानिर्देश दिये। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त ऋतुराज, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, चिकित्सक पदाधिकारी डॉ रंजीत, डीपीएम महेश, डीपीसी आयुष्मान भारत सुमित कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

देव कन्याओं ने दिया योग व जीवन प्रबंधन का संदेश

कोडरमा (ससे): कोडरमा सतगावां प्रखण्ड राज्य सम्पोषित+२ उच्च विद्यालय बांसडीह में शांतिकुंज हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय से आई चार देव कन्याओं ने योग और जीवन प्रबंधन का महत्वपूर्ण संदेश दिया।
इस अवसर पर उन्होंने बताया कि उनका विश्वविद्यालय नालंदा और तक्षशिला की परंपरा को जीवंत करता है, जहां आचार्य और छात्र-छात्राएं एक ही परिसर में रहकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। देव कन्याओं-सुमन कुमारी, राधिका त्रिपाठी, अंजलि पटेल और जानवी पाण्डेय ने शिक्षा के साथ प्राणायाम, ध्यान, एकाग्रता, लाइफ मैनेजमेंट और टाइम मैनेजमेंट के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को नशामुक्त भारत का सपना साकार करने के लिए नशा न करने का संकल्प दिलाया। देव कन्याओं ने बच्चों को बुद्धि बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों से अवगत कराया और बताया कि परीक्षा में अधिकतम अंक कैसे प्राप्त किए जा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने एक-दूसरे का सम्मान करने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।
कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक बसंत कुमार, शिक्षक सुनील कुमार राणा, देवंती देवी, सुरेश वर्मा और अनीता बरनवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। देव कन्याओं का यह प्रयास न केवल छात्रों के लिए प्रेरणादायक रहा, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला साबित होगा।

स्कूली बच्चों के बीच पोशाक का वितरण

डुमरी (ससे): उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोरैया में मंगलवार को एक सादे समारोह का आयोजन कर विद्यालय के वर्ग १ एवं २ के ४५ बच्चों के बीच पोशाक एवं जूता मोजा का वितरण किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में पोरैया पंचायत के मुखिया राजकुमार महतो राजू थे।मुखिया ने सभी बच्चों को नियमित स्कूल आने व मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। साथ ही शिक्षकों से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अनुशासनात्मक रखने और बच्चों की पढ़ाई में कोताही नहीं बरतने की अपील की। कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक बिनीत मंडल एसएमसी के अध्यक्ष जागेश्वर महतो सदस्य मोहन तुरी सहित सभी शिक्षक एवं वार्ड सदस्य उपस्थित थे।

ग्रामीण सेवा संघ ने मनाया किसान दिवस

बोकारो (ससे): प्रोजेक्ट वाड़ी ई एस एल स्टील लिमिटेड की प्रमुख सतत कृषि परियोजना है, जिसे नाबार्ड के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है। ई एस एल स्टील लिमिटेड का सीएसआर विभाग कार्यान्वियन एजेंसी ग्रामीण सेवा संघ के साथ साझेदारी में प्रोजेक्ट वाड़ी की देखरेख और सूक्ष्म प्रबंधन करता है। इस परियोजना का उद्देश्य आदिवासी और महिला किसानों को उनकी खेती में सतत कृषि और लिंग समावेशन को लागू करने में मदद करना है और यह बोकारो जिले के अंतर्गत चास और चंदनकियारी ब्लॉक के ८ गांवों में ५०० से अधिक आदिवासी किसान परिवारों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी।

वर्तमान में, ४५० एकड़ बंजर भूमि को बाग विकास और सब्जियों के साथ अंतर-फसल के माध्यम से खेती योग्य भूमि में परिवर्तित किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप किसानों के लिए पूरे मौसम में आय सृजन हो रहा है। जिसमें मृदा संवर्धन, अंतर-फसल, फलों के बागान, सौर पंपहाउस और सिंचाई सुविधाएं बनाई गई हैं। ५० भूमिहीन किसानों को पोल्ट्री, जैविक खाद्य, बकरी पालन, बत्तख पालन और सुअर पालन और मत्स्यः पालन के माइक्रो एंटरप्राइज समूहों में लगाया गया है। अब तक की प्रगति उल्लेखनीय रही है, मृदा संवर्धन, फलों के बागान, सौर ऊर्जा से चलने वाले पंपहाउस और सिंचाई सुविधाएं पहले ही स्थापित हो चुकी हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक आदिवासी नृत्य और पारंपरिक अभिवादन के साथ एक जीवंत स्वागत के साथ हुई। ड्रिल के लिए रिबन काटने की रस्म ई एस एल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा द्वारा शानदार ढंग से संचालित की गई। कार्यक्रम में कुल ६० किसानों ने भाग लिया, जिन्होंने स्थानीय समुदाय के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री फिलमोन बिलुंग, डीडीएम नाबार्ड श्री विलास साठे, अध्यक्ष, जीएसएस श्री आकर्ष पांडे, परियोजना प्रबंधक, डब्ल्यूएडीआई और सीएसआर टीम से सुश्री प्रभाती सान्याल सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। इस कार्यक्रम में ड्रिप सिंचाई सुविधाओं के उद्घाटन पर प्रकाश डाला गया, जो एक महत्वपूर्ण कदम है। जिसने वर्षा आधारित कृषि पर निर्भरता को कम किया और किसानों के लिए उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की।

इसके अतिरिक्त, वाड़ी समितियों (किसान समूहों) को चार कोनोवीडर वितरित किए गए। इन उपकरणों ने अंतर-सांस्कृतिक कार्यों में शामिल श्रम-गहन कार्य को काफी हद तक कम कर दिया, जिससे किसानों की दक्षता और कल्याण में वृद्धि हुई।

कार्यक्रम में बोलते हुए ई एस एल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख श्री कुणाल दरिपा ने कहा, इस राष्ट्रीय किसान दिवस पर, हम किसानों को अभिनव और टिकाऊ कृषि समाधानों के साथ सशक्त बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की गर्व से पुष्टि करते हैं। ड्रिप सिंचाई और कोनोवीडर जैसी पहलों के माध्यम से, हम खेती के तरीकों को बदलने, उत्पादकता बढ़ाने और वर्षा आधारित कृषि पर निर्भरता को कम करने, दीर्घकालिक समृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं।

ई एस एल स्टील लिमिटेड की वाड़ी परियोजना नाबार्ड के सहयोग से है और जल संसाधन विकास और सिंचाई कुशल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के माध्यम से भूमिहीन आदिवासी किसानों के लिए अंतर-खेती, सूक्ष्म उद्यम के साथ-साथ छोटे फलों के बागों (वाड़ी) के विकास पर केंद्रित है। आदिवासी परिवारों की आजीविका की समस्याओं को दूर करने के लिए वाड़ी एक प्रभावी उपकरण होगा। नाबार्ड नोडल एजेंसी है और उसने इसके लिए एक समर्पित कोष बनाया है जिसका नाम 'आदिवासी विकास कोष है।

हमारे सहयोगी एनजीओ ग्रामीण सेवा संघ के साथ इस परियोजना का उद्देश्य बोकारो जिले के चास और चंदनकियारी ब्लॉक के ८ गाँवों के ५०० आदिवासी परिवारों (४५० वाड़ी + ५० गैर-वाड़ी) की मदद करना है।

ये गाँव चास के भागाबांध, पारतंड, हुतु पाथर और कुंवरपुर और चंदनकियारी ब्लॉक में आसनसोल, तेंतुलिया, नेपुर चौक और पश्चिम महल हैं। वाडी ऐसे आदिवासी परिवारों के लिए है जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं और जिनके पास आजीविका के पर्याप्त साधन नहीं हैं, और यह उनके घरों के आसपास और उनकी जमीन पर एक बाग विकसित करके परिवार की आय बढ़ाने और गरीबी को कम करने के लिए किया जाएगा।

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित ई एस एल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एकः अग्रणी निर्माता है। इसका २.५ मिलियन टन प्रति वर्ष ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट है जो पिग आयरन, बिलेट्स, बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन करता है। यह प्लांट निर्धारित पर्यावरण मानकों के अनुरूप काम करता है, जो विश्व स्तरीय सेवाओं और उत्पादों की पेशकश करने के लिए प्रतिष्ठित निर्माताओं से अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और समाधान लाता है।

वाडी परियोजना नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित एक आदिवासी विकास कार्यक्रम (टीडीपी) है जिसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना और उनकी आय सुरक्षा को बढ़ाना है। वाडी का अर्थ है एक या दो एकड़ भूमि पर फैला 'छोटा बाग'।

ग्रामीण सेवा संघ ई एस एल स्टील लिमिटेड का वाडी परियोजना (जो नाबार्ड के सहयोग से है) में कार्यान्वयन भागीदार है। यह एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना २००७ में हुई थी और यह झारखंड के रामगढ़ से है। यह संगठन मुख्यतः कृषि, लिंग, ऊर्जा एवं पर्यावरण तथा आजीविका के क्षेत्र में काम करता है।

डीपीएस में बच्चों ने धूमधाम से मनाया क्रिसमस उत्सव

बोकारो (ससे): दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो का पूरा परिसर मंगलवार को क्रिसमस कैरोल से गूंजता रहा। क्रिसमस और नववर्ष का उत्सव विद्यालय में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष एसेंबली आयोजित की गई। विद्यालय की प्राइमरी और सीनियर, दोनों ही इकाइयों में इस दोहरे उत्सव का भरपूर उत्साह देखा गया।

जगमगाते क्रिसमस ट्री और सितारों की आकर्षक सजावट के बीच छात्र-छात्राओं ने सुरीले गायन व नृत्य प्रस्तुतियों से वातावरण में उमंग तथा जोश का संचार कर दिया। सीनियर विंग में विद्यार्थियों ने आर्केस्ट्रा के साथ क्रिसमस कैरोल गाए और जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे... कैरोल पर ऊर्जावान नृत्य-प्रस्तुति से सबकी भरपूर तालियां बटोरीं। उनके साथ सांता क्लॉज के वेश में सजे बच्चों ने झूम-झूमकर अपनी प्रस्तुतियों से सबको खूब लुभाया। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच टॉफियां भी बांटीं।

इधर, विद्यालय की प्राइमरी इकाई में नन्हें छात्र-छात्राओं ने भी उत्साह, जोश और ऊर्जा के साथ क्रिसमस मनाया। पूरे विद्यालय परिसर को फूल, क्रिसमस ट्री, टिमटिमाते बल्बों, पोस्टरों, घंटियों, स्नोमैन और सितारों से सजाया गया। एसेंबली में लाल टोपी पहने हजारों विद्यार्थियों का जुटान अपने-आप में रमणीक बना रहा। शिक्षकों ने भी क्रिसमस कैप पहनकर बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया।

इस क्रम में छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने गीत गाए और क्रिसमस के गानों पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत किए। सांता क्लॉज का रूप धरे नन्हें छात्र-छात्राओं की मासूमियत और अदाकारी भी खास लुभावनी बनी रही। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि क्रिसमस आज एक वैश्विक त्योहार बन चुका है। यह हमें प्रेम, स्नेह, सद्भावना और मानवता की रक्षा का संदेश देता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षकेत्तरकर्मियों को क्रिसमस एवं आगामी नववर्ष २०२५ की अग्रिम शुभकामनाएं दी। सदैव दूसरों की मदद तथा सभी का आदर-सम्मान करने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि स्नेह, सद्भावना और खुशियां फैलाना ही वास्तव में क्रिसमस सेलिब्रेशन है।

इस क्रम में विद्यार्थियों ने प्राचार्य को स्वनिर्मित आकर्षक क्रिसमस कार्ड भी भेंट किए और प्राचार्य ने उन्हें टॉफियां देकर प्रोत्साहित किया। बच्चों ने राष्ट्रीय एकता व अखंडता की प्रतिज्ञा ली तथा सभा का समापन विद्यालय गीत एवं राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने क्रिसमस थीम पर भांति-भांति की सुंदर कलाकृतियां भी बनाई।

नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा पहुंची पूर्वी चंपारण

पूर्वी चंपारण (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार (२४ दिसंबर) को अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बिहार के पूर्वी चंपारण में पहुंचे. इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने २०१ करोड़ रुपए से ज्यादा की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने जीविका योजना की महिलाओं से संवाद भी किया.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्वी चंपारण के केसरिया स्थित उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुन्दरापुर पहुंचे. उन्होंने विद्यालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया. इसके साथ ही जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत एक पोखर का लोकार्पण भी किया. मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागीय स्टॉल्स का निरीक्षण किया और योजनाओं के लाभ की जानकारी ली.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कचहरी चौक पर आरओबी का भी शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री ने कई घोषणाएं भी की. उन्होंने कहा कि गन्ना के मूल्य में कम से कम २० रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की जाएगी. १० रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी पहले ही की जा चुकी है. इसके अलावा १० रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी इस सीजन से और की जाएगी, जिसका व्यय राज्य सरकार वहन करेगी.

उन्होंने मोतिहारी शहर को सीधे कोटवा से जोड़ने के लिए धनौती नदी पर पुल निर्माण की बात भी कही. उन्होंने कहा कि पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है. अरेराज में श्री सामेश्वरनाथ मंदिर है, जो पौराणिक महत्व का है. मुझे भी मंदिर जाने का अवसर मिला है. यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जिनके लिए मंदिर परिसर में ज्यादासुविधाओं की आवश्यकता है तथा रास्ता भी संकरा है. मैंने पर्यटन विभाग एवं पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि मंदिर परिसर का विकास एवं मंदिर पहुंचने के लिए सुगम संपर्क पथ का निर्माण शीघ्र कराएं.

मुख्यमंत्री ने रक्सौल अनुमंडल में बंगरी नदी पर बाढ़ से बचाव के लिए तटबंध का निर्माण कराने, पूर्वी चंपारण जिले में बागमती नदी के दाएं तटबंध पर पक्की सड़क का निर्माण कराने और घुड़दौर पोखर, पताही का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने की भी घोषणा की. यह पोखर लगभग ७५० वर्ष पुराना है.

कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब आंबेडकर का किया अपमान : ललन सिंह

पटना (एजेंसी): संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर दिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को आधार बना कांग्रेस मंगलवार को बिहार में धरना प्रदर्शन कर रही है. हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह और बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अमित शाह के इस्तीफा की मांग की थी.

इस पर जेडीयू नेता और केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को इस प्रदर्शन का कोई लाभ नहीं होने वाला है. उन्होंने राजधानी पटना में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी को प्रदर्शन करने दीजिए. कांग्रेस ने अपने पूरे कार्यकाल में बाबा साहब का अपमान किया. यह बात पूरे देश की जनता जानती है. कांग्रेस पार्टी को इस प्रदर्शन का कोई लाभ नहीं होने वाला है. वह जो कर रहे हैं,उन्हें करने दीजिए.

बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश ने घोषणा की है कि इस महीने की २७ तारीख को केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस बेलगांव में एक विशाल रैली आयोजित करेगी. इस कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद रहेंगे.इसके बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को तेजस्वी यादव द्वारा दुर्गति यात्रा कहने पर मुंगेर सांसद ने कहा, तेजस्वी यादव विपक्ष के नेता हैं. वह विधवा विलाप कर रहे हैं. सोमवार को बेतिया में मुख्यमंत्री की यात्रा को अपार जनसमर्थन मिला है. लोग भी खुलकर यह बात बोलते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जो बात बोलते हैं, वह करते हैं. विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है. इसलिए वह ऐसी बातें कर रहे हैं. हम अपना काम करते रहेंगे.

ज्ञात हो कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले लोगों की समस्याओं से मुखातिब होने के लिए इन दिनों प्रगति यात्रा कर रहे हैं. मंगलवार को उनकी इस यात्रा का दूसरा दिन है.

बीपीएससी का रीएग्जाम होना चाहिए : पप्पू यादव

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में बीपीएससी अभ्यर्थी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं. पूर्णिया से लोकसभा सांसद पप्पू यादव पटना के गर्दनीबाग में धरने पर बैठे अभ्यर्थियों से मिलने पहुंचे. अभ्यर्थियों के पास पहुंचे पप्पू यादव ने कहा कि बीपीएससी का रीएग्जाम होना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि अगर अभ्यर्थियों के साथ इंसाफ नहीं हुआ तो वह खुद बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ धरना पर बैठ जाएंगे.

बीपीएससी आंदोलित छात्रों से पप्पू यादव कहा कि अपने-अपने सांसद-विधायक के आवास के सामने जाकर धरना पर बैठे जाए. उन्हें क्षेत्र में घुसने ना दें. उन्होंने कहा कि सांसद-विधायक सदन में छात्रों के मुद्दे पर सदन क्यों नहीं बंद करते हैं. हल्की-हल्की बातों पर सदन बंद होता है, जब आपके मुद्दे होते है तो चर्चा नहीं होने देते हैं. पप्पू यादव ने आगे कहा कि जो लोग इतनी बड़ी ताकत में हैं, चाहे जिस दल के हो, उनको चाहिए था कि बच्चों के साथ पूरी ताकत बैठना. ये दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा है. छात्र से बड़ा मुद्दा कोई नहीं हो सकता है. शिक्षा भारत का अहम मुद्दा है.

बता दें कि बिहार में १३ दिसंबर, २०२४ को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में पटना के बापू भवन परीक्षा केंद्र पर पेपर लीक होने की अफवाह फैली थी, जिसके बाद सैकड़ों अभ्यर्थियों ने विरोध किया था. अभ्यर्थियों ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए परीक्षा का बहिष्कार भी किया था. हालांकि, बीपीएससी ने दावा किया है कि ऐसी अफवाह फैलाने वाले लोग असामाजिक तत्व थे. ध्यान दें कि बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर में परीक्षा देने वाले ५,००० से अधिक अभ्यर्थियों के लिए दोबारा से परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है.

पुलिस को थाने में मंगानी पड़ी नोट गिनने की मशीन

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी में पुलिस २३ दिसंबर सोमवार की रात गाड़ियों की चेकिंग कर रही थी, तभी अचानक एक कार को रोका और उसकी तलाशी ली. इस दौरान पुलिस को कार के अंदर कुछ ऐसा मिला, जिससे पुलिस के सिपाही हैरान हो गए. सभी पुलिस के जवान सकते में आ गए. इतना ही नहीं कार को थाने में लाकर पुलिस को नोट गिनने की मशीन मंगानी पड़ी. आइए पूरा मामला जानते हैं आखिर क्या है? दरअसल, पटना शहरी क्षेत्र में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पटना पुलिस रात में सड़कों पर मुस्तैद नजर आ रही है. पटना की सड़कों पर खुद अपराध अंकुश लगाने को लेकर आईजी गरिमा मलिक और पटना सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत सड़कों पर उतर गई हैं. इसी कड़ी में पटना के बेहद पॉश इलाके कोतवाली थाना क्षेत्र के आयकर गोलंबर के समीप वाहन चेकिंग के दौरान लगभग ७० लाख कैश एक चार चक्का वाहन से पुलिस ने जब्त किया है. जब्त रुपयों की जानकारी वाहन चालक से मांगी गई तो उनके पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया है.

विधि व्यवस्था डीएसपी कोतवाली कृष्ण मुरारी प्रसाद ने कहा कि फिलहाल जब्त बड़ी राशि को देखते हुए आयकर विभाग को इसकी सूचना दी गई है, जिसके बाद आयकर विभाग अधिकारी कोतवाली थाना पहुंचे और रुपए गिनने के मशीन को मंगवाया है, जिसकी गिनती की. उन्होंने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारी जब्त तो रुपए के मालिक से पूछताछ करने में जुटे हैं.

बैंक लॉकर काटने वाला एक और बदमाश ढेर

लखनऊ(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मंगलवार को भोर होते ही एक और एनकाउंटर हुआ है. यहां पुलिस ने चिनहट में इंडियन ओवरसीज बैंक के ४२ लॉकर काटने वाले एक और बदमाश को ढेर का दिया है. बदमाश सन्नी दयाल गाजीपुर जिले में मंगलवार तड़के पुलिस की मुठभेड़ में मारा गया. इस पर २५ हजार रुपये का इनाम घोषित था. इस गिरोह का एक साथी सोविंद पांच घंटे पहले लखनऊ पुलिस के साथ मुठभेड़ में ढेर हुआ था. सोमवार को ही लखनऊ में गिरोह का एक साथी सुबह मुठभेड़ में घायल हुआ था और दो अन्य साथी पकड़े जा चुके थे. अब इस घटना में शामिल तीन और बदमाशों की तलाश की जा रही है.

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि मारा गया बदमाश सन्नी दयाल बिहार के मुंगेर, असरगंज का रहने वाला है. लखनऊ पुलिस ने इस बदमाश के गाजीपुर जिले में होने की सूचना मिली थी. इसके बाद ही गाजीपुर जिले के बारा चौकी प्रभारी ने अपनी टीम के साथ बाइक पर जा रहे दो संदिग्ध लोगों को रोकने का प्रयास किया. इस पर दोनों बदमाश पुलिस पर बाइक चढ़ाने की कोशिश करते हुए बिहार सीमा की तरफ भागने लगे. इस दौरान ही बदमाशों ने फायर भी किया जिस पर पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश मारा गया जबकि उसका साथी भाग निकला। मारे गए बदमाश के पास एक पिस्टल, छह खोखे, बैंक लॉकर से चोरी किए जेवर और ३५५०० रुपये बरामद हुए हैं। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि गिरोह के अन्य फरार तीन बदमाशों की तलाश में टीमें लगी हुई है। जल्दी ही इन तक पुलिस पहुंच जाएगी।

बैंक लॉकर चोरी में शामिल एक बदमाश सोविंद चिनहट में किसान पथ के पास सोमवार रात करीब एक बजे मारा गया था। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह की टीम से इस बदमाश की मुठभेड़ हो गई थी।

इससे पहले सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में इस गिरोह का एक बदमाश घायल हुआ था। पकड़े गए बदमाशों में अरविंद कुमार, कैलाश बिंद और बलराम कुमार शामिल थे। इन सबके पास से दो किग्रा. सोना, सवा किग्रा. चांदी और नगदी बरामद हुई थी। इन बदमाशों ने लखनऊ के चिनहट में मटियारी चौराहे के पास स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा में दीवार काट कर ४२ लॉकर काट कर हीरे, सोने-चांदी के जेवर बटोर ले गए थे।

जब सीएम योगी ने दिया जापानी भाषा में भाषण

लखनऊ(ईएमएस): उत्तर प्रदेश ने जापानी डेलीगेशन के साथ लखनऊ में सीएम आवास पर जापान के यामानाशी प्रांत के साथ एमओयू पर साइन किए। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुछ ऐसा किया, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। सीएम योगी ने अपने भाषण की शुरुआत जापानी भाषा में की। उनका भाषण करीब दो मिनट तक चला और वह काफी सहज दिखे और अपनी बात कहते हुए मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने जापानी भाषण में कहा कि मिना सान कोन-नीची वा यामानाशिकेन नो गेनकोऊ नो चिजी नागासाकी कोटारोऊ सामा तो चिइमु, कामी सामा गौतामु बूदा नो सेइची ना उत्तार पुरादेशु शु ए, कोकाकरो कारा कांगेई ईताशिमासु।

इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने भारत और जापान के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। राज्य सरकार जापानी कंपनियों के साथ सहयोग करने की इच्छुक है। उत्तर प्रदेश अपार संभावनाओं वाला राज्य है।

कांग्रेस ने बाबा साहब को प्रताड़ित करके मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने पर मजबूर किया: विजय कुमार सिन्हा

पटना (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद भवन में डॉ भीमराव अंबेडकर पर दिए बयान को लेकर बिहार कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. पदाधिकारियों ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की. इस पर बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिन्होंने बाबा साहब को प्रताड़ित करके मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने पर मजबूर किया था. उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह वही कांग्रेसी हैं जिन्होंने बाबा भीमराव अंबेडकर को प्रताड़ित किया और उन्हें मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने पर मजबूर किया. अगर इन लोगों को बाबा अंबेडकर से इतना ही लगाव था, तो उनकी मूर्तियां क्यों नहीं लगवाई, केंद्रीय कक्ष में उनका चित्र क्यों नहीं लगाया गया और बाबा अंबेडकर को प्रधानमंत्री बनने का मौका क्यों नहीं दिया? ये केवल नौटंकी करने वाले लोग हैं.

आज वे लोकतंत्र के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का सम्मान नहीं करते और लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं, जबकि वे अपनी पारिवारिक सत्ता चलाना चाहते हैं.उन्होंने आगे कहा, अगर उन्हें बाबा अंबेडकर से सच्चा प्रेम था, तो कांग्रेस को यह घोषणा करनी चाहिए कि वे बाबा अंबेडकर को नेहरू से ज्यादा सम्मान देंगे. उनके पास हिम्मत है तो ऐसा करें, लेकिन दोहरा चरित्र छोड़ें.

यह दोहरे चरित्र वाली मानसिकता वाले लोग राष्ट्र हित में नहीं होते, वे हमेशा देश को कमजोर करते हैं.बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश ने घोषणा की है कि इस महीने की २७ तारीख को केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस बेलगांव में एक विशाल रैली आयोजित करेगी. इस कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद रहेंगे.

बिहार मुख्यमंत्री के चेहरे पर उन्होंने कहा, इसमें कोई दो राय नहीं है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं और वह एक सफल मुख्यमंत्री रहे हैं. बिहार के विकास में 'डबल इंजन' सरकार के तहत एनडीए सरकार ने बड़ी सफलता हासिल की है. ये लोग घबराए हुए हैं, जो चोर दरवाजे से सत्ता में आते हैं और फिर छटपटाते हैं. भाजपा और जदयू, एनडीए पूरी तरह से जनता के हित में जनादेश का सम्मान करती है.

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को तेजस्वी यादव द्वारा 'दुर्गति यात्रा' कहे जाने पर उन्होंने कहा, वह वही लोग हैं जिनके कार्यकाल में अराजकता फैलाने वाले जंगलराज में जन्म लिया. वे रानी के पेट से सोने का चम्मच लिए राजकुमार बनकर पैदा हुए हैं और सत्ता की लोलुपता में ऐसे बयान देते हैं.

ज्ञात हो कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले लोगों की समस्याओं से मुखातिब होने के लिए इन दिनों प्रगति यात्रा कर रहे हैं. मंगलवार को उनकी इस यात्रा का दूसरा दिन है.

पटना में 2.59 करोड़ की ठगी, लड़की ने फोन कर लगाया चूना

पटना (ईएमएस): पटना में इन दिनों साइबर ठगी के मामले बढ़े हैं। पिछले २ दिनों में ४० से ज्यादा मामले सामने आए हैं। ठगों ने करीब २.५९ करोड़ की ठगी कर ली है। सबसे अधिक ट्रेडिंग के नाम पर ठगी हुई है। एजी कॉलोनी निवासी कृष्ण मोहन ओझा को एक लड़की ने फोन कर उससे दोस्ती कर ली। इस दौरान लड़की ने भरोसे में लेकर ट्रेडिंग में निवेश करा दिया। एक दिन बात करते-करते कृष्ण मोहन का मोबाइल लेकर गायब हो गई। सब कुछ फोन में ही था। कम लागत में ज्यादा प्रॉफिट के चक्कर में ३३.५० लाख रुपए गंवा दिए। इसतरह वरुण को भी एक लड़की ने फोन पर ट्रेडिंग में निवेश करने का झांसा दिया।

कार्यालय – जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

अति अल्पकालीन आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में मत्स्य विभाग, जामताड़ा के द्वारा निजी तालाब क्षेत्र के तालाबों के मत्स्य पालन से आच्छादन हेतु स्थानीय स्तर पर उत्पादित मत्स्य अंगुलिका के क्रय में 50 प्रतिशत या अधिकतम 1875/– रू0 प्रति एकड़ के दर से अनुदान देने की योजना है। इच्छुक आवेदनकर्त्ताओं से अनुरोध है कि दिनांक 06.01.2025 तक आवेदन कार्यालय अवधि में जमा कर सकते है।

आवेदकों का चयन हेतु अर्हत्ताएँ निम्न प्रकार है :–

1. इस योजना अन्तर्गत निजी क्षेत्र के तालाबों के मत्स्य पालन से आच्छादन हेतु स्थनीय स्तर पर उत्पादित मत्स्य अंगुलिकायें के क्रय में 50 प्रतिशत या अधिकतम 1875/– रू0 प्रति एकड़ के दर पर अनुदान देने की योजना है।
2. विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त एवं चालू वित्तीय वर्ष में झास्कोफिश/ विभागीय फिश फीड मिल से फीड प्राप्त करने वाले मत्स्य कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
3. जिला मतस्य कार्यालय से संबंद्ध मत्स्य बीज उत्पदाकों से मत्स्य अंगुलिकायें क्रय किया जाएगा।
4. विभाग द्वारा मत्स्य स्पॉन प्राप्त करने वाले मत्स्य गीज उत्पादक एवं उनके परिवार को यह लाभ देय नहीं होगा।
5. आवेदन के साथ तालाबों की सूची, तालाब का पता, मोबाईल नं0, तालाब का क्षेत्रफल के साथ तालाब की GPS फोटो एवं मत्स्य पालन प्रशिक्षण पत्र का छायाप्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा।
6. आवेदन के साथ बैंक खाता, आधार कार्ड एवं वोटर आइ.डी.कार्ड. तथा जाति प्रमाण पत्र की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 342797 (Fish)24-25*D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas

Very Short Notice Inviting Tender
RE-TENDER

Reference No. - UDD/CMC/10/2024-25

Group No.	Name of work	Tender Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost ofBOQ	Completion period
01	Shifting and Laying of Rising main D.I. Pipe in the alignment of Dharamshala More towards Banshidih pump house (Near Hanuman Mandir) Under Chas Municipal Corporation for the year 2024-25.	631376.00	13000.00	5000.00	15DAYS
A	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	27/12/2024			
B	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	02/01/2025 upto02:00 PM			
C	बिड खोलने की तिथि एवं समय	03/01/2025 at 03:00 P M			
D	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी	Additional Municipal Commissioner Chas Municipal Corporation, Chas.			
E	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी का टेलीफोन नं0/ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का सं0प	7004894267			

NOTE :
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in

प्रशासक
–सह–अपरनगर
आयुक्त चास नगर निगम

PR 342834 Urban Development(24-25)#D

कार्यालय
उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, धनबाद
(सामान्य शाखा)
Email: dhanbadgs@gmail.com

आम–सूचना

धनबाद जिला अर्न्तगत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु कार्यालय ज्ञापांक–2597/सा0 दिनांक–06.08.2024 के द्वारा प्रकाशित विज्ञापन सं0–01/2024 के द्वारा प्रकाशित सूचना के आधार पर आवेदन पत्रों की स्वीकृत एवं अस्वीकृत श्रेणी में अलग–अलग सूची अंचलवार तैयार की गई है, जिसे धनबाद जिला के अधिकृत वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर उपलब्ध है।

स्वीकृत सूची से संबंधित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि चौकीदार पद पर सीधी नियुक्ति हेतु गठित नियमावली के आलोक में परीक्षा केन्द्रों को चिन्हित करते हुए लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक–29.12.2024 को 11:00 बजे से 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

सभी स्वीकृत अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि लिखित परीक्षा में भाग लेने हेतु प्रवेश पत्र अपने अपने अंचल में दिनांक–25.12.2024 से प्राप्त कर सकेंगे। प्रवेश पत्र में अंकित परीक्षा केन्द्रों में भाग लेने हेतु परीक्षा प्रारम्भ होने के 30 मिनट पूर्व पहुँचना आवश्यक होगा।

स्वीकृत अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा तथा परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का शारीरिक जॉंच तथा दौड का आयोजन जनवरी के तृतीय सप्ताह में किया जाना सम्भावित है।

नोट–सभी योग्य अभ्यर्थियो को सूचित किया जाता है कि प्रवेश पत्र प्राप्त करते समय अपना फोटो साथ में लाना सुनिश्चित करेंगे।

नोट–नियुक्ति प्रकिया से संबंधित किसी प्रकार के अपडेट की जानकारी वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर उपलब्ध करा दी जायेगी।

PR 342741 (District)24-25*D — उप समाहर्ता प्रभारी,सामान्य शाखा, धनबाद

कार्यालय नगर पंचायत, जामताड़ा
Email Id- Jamtaranagarpanchayat@gmail.com

!! आम–सूचना !!

एतद् द्वारा नगर पंचायत, जामताड़ा क्षेत्रान्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत् वैसे लाभुक जिन्होनें पूर्व में प्रधानमंत्री आवास हेतु आवेदन किया है लेकिन पति/पत्नी को पूर्व में लाभ दिए जाने या वांछित दस्तावेज जमा न करने/ आयोग्य पाये जाने की स्थिति में उनको आवास का लाभ नहीं दिया जा सका है। वैसे लाभुक अपना दावा/ आपत्ती अंतिम रूप से दिनांक– 27.12.2024 को शाम 5:00 बजे तक नगर पंचायत कार्यालय, जामताड़ा में करना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा/ आपत्ती पर विचार नहीं किया जाएगा।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत,जामताड़ा

PR 342795 Urban Development and Housing(24-25)#D

कार्यक्रम में बहनों ने दर्शकों का मन मोहा

धनबाद (कासं) : धनबाद राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में मंगलवार को वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। जिसमें बहनों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईटी आईएसएम धनबाद के निदेशक डॉक्टर सुकुमार मिश्रा आमंत्रित थे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि अभिभावक समाज संस्थान बच्चों के चरित्र निर्माण से जुड़े और बच्चे बच्चियों में सकारात्मक ऊर्जा भरने का काम करें। छात्र जीवन में आप जितना कठिन परिश्रम करते हैं इसका प्रतिफल आपको जीवन भर प्राप्त होता है इसलिए मन लगाकर पढ़ना, बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त करना, छात्र-छात्राओं के लिए अनिवार्य है क्योंकि आने वाला भविष्य उन्हीं के कंधों पर अपनी नींव रखेगा ।

विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने कहा कि राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर की जड़ में भारत की संस्कृति एवं भारतीयता छिपी है। अपने विद्यालय की यह विशेषता है कि हम सब यहां पढ़ने वाले बच्चे बच्चियों का सर्वांगीण विकास करते हैं केवल पुस्तकीय अध्ययन उन्हें प्रदान नहीं किया जाता।

कार्यक्रम की भूमिका एवं अतिथि परिचय विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने कराया। उन्होंने मंचासीन अधिकारियों का परिचय कराने के क्रम में कहा कि राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ने वाले बच्चे बच्चियां हमेशा रचनात्मक कार्यों में जुड़ी रहती हैं उन्हें यहां मात्र शिक्षा ही नहीं संस्कृति की घुटीभी पिलाई जाती है। विद्यालय के विद्वान शिक्षक शिक्षिकाओं की टोली के निर्देशन में यहां बच्चों का भविष्य गढ़ा जाता है। विद्यालय को अभिभावकों का भी सहयोग मिलता है। इसलिए हम उन्हें हृदय से धन्यवाद देते हैं।

विद्यालय के उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार पटनिया ने स्वागत भाषण एवं मंत्री संजीव अग्रवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर उपलब्धियों के लिए जाना जाता है प्रत्येक वर्ष इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर छात्र देश के कई कोने में बड़े अधिकारी बनकर विद्यालय का नाम उज्ज्वल कर रहे हैं। विद्यालय के सह मंत्री दीपक रुईया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष और परोक्ष जुड़ी शक्तियों को मैं धन्यवाद देता हूं जिनके कारण आज का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

संपन्न हुए वार्षिक उत्सव में सायंतनी, निष्ठा, इशिका, अनन्या, निशिता, भूमि, साक्षी, विजया राज, अनन्या, राधिका खंडेलवाल, सिद्धि साल, अक्षरा, सालवी, रिया गुप्ता, सोनम, अनुष्का, एंजेल, आर्य, गौरी, अयंतिका, आकांक्षा, शताक्षी, आराध्या, आरोही आदिश्री, अदिति, अंशिका, अर्णव राज, दिव्यांशी, पाखी, निहारिका, हर्षिता, मानसी, वंश, वैष्णवी, आयुष, जयति, अरभिया, दीवयानी, दुर्गा, जयस, माही, मेघा, नैंसी, नैनिका, पीहू, राशि, रिया, रूही, सक्षम, साक्षी, सालवी, सानिया, शानवी, सर्वज्ञ, सौम्या श्रेया सुभाष केशव दिव्यांशी, वंश, वंशिका, अद्विक, प्रतीक मिश्रा, अमृत, अभिनव, केशव, आरुष, युवराज, पीयूष, अंशुमन, राज आनंद, प्रांजल, आतिफ, लक्ष्य, अमित, आदर्श, सत्यम, आदित्य, यश, राज, आर्यन, साहब, वरदान, जयकुमार, अमन, वैभव, अमरजीत, वैश कुमार, श्रीहर, निशित, समृद्धि, आराध्या, शिवानी, आरोही, आकृति, पलक, नव्या, खुशी, प्रियांशी, श्रीजा, आराध्या, नित्या, लैकिशा, निहारिका, परी, जानवी, परी कुमारी, नर्मदा, कृतिका, अदिति, शानवी, समृद्धि परमार, अनन्या, ईशानी, रिआंशिका, दिव्या, तानिया, उन्नति, अंजलि, प्रज्ञा उत्कर्ष, सूर्यांश, श्याम, विशाल, आकाश, आदर्श, रुद्रा, आदित्य, शुभम, रिकी, अपूर्वा, सोनाली, सुप्रिया, आरुषि, साक्षी, कनक, जिया, प्रियांशी, श्रुति, सिमरन, शिल्पी, भूमि, पल्लवी, इशिका, श्रेया,कोमल, तेजस, जयकुमार, आलोक, जयदीप, गुरकीरत, श्रेयांशु, पृथ्वी, आर्य, आदर्श, शौर्यजीत, अंशराज, गजेंद्र, ज्ञानेंदु, आदर्श यशस्वी प्रणव मयंक विनायक साईं रंजन, मानस, रोशन, सुयश, सार्थक, शौर्य, प्रेम, वत्सल, मोहित, सनी, अंकित, राहुल आदि भैया बहनों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी।

मंच संचालन अनुष्का सरखेल, रिचा कुमारी, वर्षा कुमारी, अनन्या, अरुणिमा तथा श्रेया कुमारी ने की। कार्यक्रम में मंगलाचरण, समूह नृत्य, राजस्थानी नृत्य, हिंदी नाटक, शिव स्तोत्र, वृंद वादन, भोजपुरी लोक नृत्य, अंग्रेजी नाटक एवं श्री गणेश जैसे समूह नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र से की गई।

धरने पर बैठे छात्रों को मिला पप्पू यादव का साथ

पटना (एजेंसी): बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की ७०वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर धरने पर बैठे छात्रों को अब पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का साथ मिला है. पप्पू यादव सोमवार की देर रात पटना के गर्दनीबाग धरनास्थल पहुंचे और छात्रों के साथ धरने पर बैठ गए. खास बात यह है कि पप्पू यादव का आज बर्थडे है.

सांसद पप्पू यादव पीटी परीक्षा रद्द कर पुनर्परीक्षा की मांग कर रहे हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार सरकार और बीपीएससी होश में आओ. छात्र हित में यह परीक्षा रद्द करो. एग्जाम माफिया के चंगुल से बाहर आओ. ये बेटियां इस भीषण ठंड में धरना पर बैठी थीं. मैं कैसे घर में रज़ाई में सो जाता? साथियों रज़ाई से निकलें, तभी क्रांति होगी.

एक अन्य एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, सोमवार रात १२ बजे से बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर धरना पर हूं. लड़ाई अनवरत जारी रहेगी. लुटेरों एग्जाम माफिया को सजा दो, परीक्षार्थियों को न्याय दो. कुंभकर्णी सरकार नींद से जागो. इससे पहले सोमवार की शाम भी सांसद धरना स्थल पहुंचे थे और छात्रों की मांगों का समर्थन किया था. विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है.उल्लेखनीय है कि १३ दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में प्रदेश की राजधानी पटना के बापू भवन परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र लीक होने की अफवाह फैल गई थी, जिसके बाद सैकड़ों उम्मीदवारों ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए परीक्षा का बहिष्कार भी किया था.हालांकि, बीपीएससी ने दावा किया कि ऐसी अफवाह फैलाने वाले लोग असामाजिक तत्व थे. हालांकि बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर में परीक्षा देने वाले ५,००० से अधिक उम्मीदवारों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है.

चुनाव के बाद इन लोगों को पता चलेगा कि किसकी अंतिम यात्रा होगी: मंत्री सुमन

पटना (एजेंसी): बिहार के मंत्री संतोष सुमन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाराजगी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एनडीए पूरी तरह से एकजुट है. मंत्री सुमन ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री की नाराजगी के बारे में कोई जानकारी नहीं है और यह बात मीडिया के माध्यम से ही सामने आई है.

दरअसल, पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब इस बारे में सवाल पूछा गया, तो मंत्री सुमन ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मुझे तो जानकारी नहीं है कि मुख्यमंत्री नाराज हैं. यह आप लोगों को ही पता होगा। विपक्ष को कहने से क्या होगा, एनडीए इंटैक्ट है और हम सभी मिलकर चुनाव लड़ेंगे. दो तिहाई बहुमत से सरकार भी बनेगी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'प्रगति यात्रा' के दौरान भाजपा के नेताओं के शामिल न होने पर मंत्री सुमन ने कहा कि भाजपा का कार्यक्रम दिल्ली में हो रहा था, इसलिए भाजपा के नेताओं का यात्रा में हिस्सा नहीं लेना कोई बड़ी बात नहीं है. उन्होंने इसे बेकार की चर्चा करार दिया और कहा कि यह राजनीति से प्रेरित सवाल हैं.

विपक्ष द्वारा नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा पर उठाए जा रहे सवालों के बारे में मंत्री सुमन ने कहा कि विपक्ष को कहने दीजिए. उनको पता चल जाएगा जब चुनाव का रिजल्ट आ जाएगा. २०२५ चुनाव के बाद इन लोगों को पता चल जाएगा कि किसकी अंतिम यात्रा होगी. २०२५ के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री सुमन ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी लोग इस बात पर सहमत हैं कि मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही होंगे, इसमें कोई दो राय नहीं है.

बीपीएससी छात्रों के आंदोलन पर मंत्री सुमन ने कहा कि सरकार इस पर संज्ञान ले चुकी है. उन्होंने बताया कि बड़े नेताओं के बयान भी आए हैं और आयोग इस मामले की जांच कर रहा है. अगर जांच में कोई दोषी पाया जाता है, तो उनकी बात सुनी जाएगी और अगर कुछ गलत हुआ तो उसे सही किया जाएगा. साथ ही कांग्रेस के पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने पर मंत्री ने कहा कि विपक्ष का अपना काम है. हम लोग बिहार के विकास के लिए काम कर रहे हैं और देश में भी विकास हो रहा है. बिहार में भी विकास की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहे हैं.

पहला कदम में क्रिसमस सेलिब्रेशन आयोजित

धनबाद (ससे) : नारायणी चरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम में मंगलवार को तीन दिवसीय क्रिसमस सेलिब्रेशन के पहले दिन सिंगापुर से खुशबु झुंझुनवाला, पहला कदम स्कूल की चेयर मैन रेनु दुदानी का आगमन हुआ। सभी अतिथियों ने सभी बच्चों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। बच्चों ने इस अवसर पर जिंगल बेल, हैप्पी क्रिसमस गीत मे शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। सभी छोटे बच्चों ने सांता के ड्रेस में केक काटकर आज के बड़े दिन को मनाया। सचिव अनिता अग्रवाल ने बताया की पहला कदम स्कूल मे किसी भी त्यौहार की छुट्टी नहीं दे कर स्कूल प्रांगण में बच्चों के साथ ही सभी त्योहार मनाये जाते है।

खुशबु झुंझुनवाला सिंगापुर मे रह कर भी इन दिव्यांग बच्चों के साथ लगाव रखती है जो बहुत ही सराहनीय है। खुशबु झुनझुनवाला जब भी इंडिया आती है पहला कदम स्कूल विजिट कर बच्चों से अवश्य से मिलती है तथा उनका साथ इन बच्चो के चेहरे में मुस्कान आता है।सचिव अनिता अग्रवाल ने उन्हे दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मानित किया और पहला कदम परिवार ने उनका आभार प्रकट किया।

कांग्रेस ने आंबेडकर को हराने और बेइज्जत करने का किया काम : संजय जायसवाल

पटना (एजेंसी):संविधान निर्माता और देश के पहले कानून मंत्री बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में दिए गए बयान को लेकर विवाद जारी है और इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी घमासान भी चल रहा है. सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों एक दूसरे पर हमलावर हैं. इसी बीच मंगलवार को भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया. इसके अलावा, उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन के मुद्दे पर बयानबाजी कर रहे विपक्षी दलों को भी नसीहत दी.

बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर पर मचे विवाद पर भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अंबेडकर का अपमान किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि जब तक बाबा साहेब जीवित थे, तब तक कांग्रेस ने उन्हें हराने और बेइज्जत करने की कोशिश की. कांग्रेस ने अंबेडकर के खिलाफ साजिश रचने के लिए उनके निजी सहायक को उनके खिलाफ खड़ा किया. कांग्रेस ने अंबेडकर को हमेशा नकारा और उनका अपमान किया, जबकि भाजपा ने बाबा साहेब के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है. भाजपा ने अंबेडकर की धरोहर को संरक्षित करने और उनके विचारों को समाज के बीच फैलाने का काम किया है. वहीं, वन नेशन, वन इलेक्शन के मुद्दे पर संजय जायसवाल ने विपक्षी दलों को समझदारी से सोचने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं में बाबा साहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने एक साहसिक चुनाव प्रणाली बनाई थी, जो करीब २० साल तक सफलतापूर्वक लागू रही. यदि इस चुनाव प्रणाली को और बेहतर तरीके से लागू किया जाता है, तो इससे न केवल लाखों करोड़ों रुपये की बचत होगी, बल्कि चुनावों के कारण होने वाले विकास कार्यों में भी रुकावट नहीं आएगी.

भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि विरोधी दलों को बिना सोचे-समझे किसी नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहिए, बल्कि उन्हें पूरी स्थिति पर विचार करके निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए. वन नेशन, वन इलेक्शन से पूरे देश के राजनीतिक माहौल में स्थिरता आएगी और यह लोकतंत्र को मजबूत करेगा. उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि वह इस प्रस्ताव पर विचार करें और देशहित में कदम उठाएं.

डीएवी के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : डीएवी सीएमसी नई दिल्ली के तत्वावधान में नई दिल्ली, नोएडा एवं गाजियाबाद में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हुए डीएवी. पब्लिक स्कूल अलकुसा, धनबाद के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक हासिल किये।

रोलर स्केटिंग में अनिकेत प्रताप सिंह ने जिला, राजकीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य, रजत एवं स्वर्ण पदक तथा धनबाद जिला एवं झारखंड राज्य के बेस्ट प्लेयर अवार्ड, ताइक्वांडो में रिया सिंह ने जिला एवं राजकीय स्तर पर स्वर्ण पदक तथा दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक, मुस्कान कुमारी एवं आदित्य सोरेन ने जिला स्तर पर स्वर्ण पदक, साक्षी पांडे ने कुश्ती में जिला, राजकीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किये । विद्यार्थियों के शानदार उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एस. मोदक ने कहा कि हमारे विद्यालय के खिलाड़ी खेलकूद के क्षेत्र में राजकीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

साथ ही प्राचार्य ने भविष्य में अधिक से अधिक सफलता अर्जित करने के लिए खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास जारी रखने की सलाह दी।विद्यालय की उपलब्धि पर प्राचार्य एस. मोदक, खेल शिक्षिका सरिता कुमारी, एस साहा, ए के मिश्रा, रिंकू चतुर्वेदी, अशोक कुमार, के के मेहता, एफ के पांडे, इला घोष, सांतना कौर, संजय जायसवाल, एन.प्रजापति सहित सभी शिक्षकों ने भी खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बिहार में मेल टीचर को मां बनने की छुट्टी

पटना (ईएमएस): बिहार का शिक्षा महकमा एक बार फिर सुर्खियों में है। ताजा मामला वैशाली जिले के महुआ का है, जहां शिक्षा विभाग ने एक पुरुष शिक्षक को मेटरनिटी लीव दे दी। जी हां, आपने सही सुना। एक पुरुष शिक्षक को मेटरनिटी लीव दी गई और वह कई दिनों तक स्कूल से गैरहाजिर रहे। इस पर विभाग में खलबली मच गई है और मामले की जांच शुरू हो गई है। वैशाली जिले के महुआ के हसनपुर उच्च माध्यमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक जीतेन्द्र कुमार को २ दिसंबर से १० दिसंबर तक मेटरनिटी लीव पर छुट्टी दी गई थी।

यह जानकारी शिक्षा महकमे के सरकारी पोर्टल से सामने आई, जहां यह उल्लेख किया गया था कि जीतेन्द्र कुमार मेटरनिटी लीव पर स्कूल से गैरहाजिर थे। जैसे ही यह जानकारी वायरल हुई, लोगों ने सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और विभाग को आलोचना का सामना करना पड़ा।

घटना के बारे में जब महकमे को खबर मिली, तो उन्होंने मामले की जांच शुरू की। स्थानीय प्रखंड शिक्षा अधिकारी अर्चना कुमारी ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि यह तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुआ है। उन्होंने बताया कि सरकारी पोर्टल पर छुट्टी के आवेदन अपलोड करते समय मेटरनिटी लीव की एंट्री हो गई, जो पुरुष शिक्षक के लिए गलत थी। अर्चना कुमारी ने यह भी कहा कि यह एक डाटा एंट्री की गलती थी और इसे सुधार लिया जाएगा। शिक्षा अधिकारी ने इस गड़बड़ी के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि विभाग इस गलती को तुरंत ठीक कर देगा। हालांकि, इस घटना ने शिक्षा महकमे की किरकिरी करवा दी है और अब विभाग डैमेज कंट्रोल में जुटा हुआ है।

छात्र-छात्राओं को कराया गया पर्यटन स्थल का सैर

डुमरी (ससे): कोनार नहर कार्यालय समीप संचालित अपना कोचिंग सेंटर के छात्र छात्राओं को खंडोली एवं उसरी झरना का सैर कराया गया। कोचिंग संचालक जितेन्द्र सिन्हा के नेतृत्व में सभी अध्ययनरत छात्र छात्राएं उक्त दोनों स्थलों का भ्रमण कर उसकी महत्ता व प्रकृति का जीवन में महत्ता से अवगत हुए।संचालक ने बताया कि बच्चों को प्रत्येक वर्ष अलग अलग पर्यटन स्थलों तथा व्यवसायिक शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कराया जाता है ताकि बच्चों में पढ़ाई के साथ साथ पर्यटन एवं व्यवसायिक क्षेत्र में रूचि बढ़े।

निधि शर्मा बिहार बीपीसीसी शिक्षक में चयनित

जोड़ापोखर (ससे) : जेलगोड़ा ७ नं. निवासी प्रकाश शर्मा की पुत्री निधि शर्मा का चयन बिहार बीपीसीसी शिक्षक में हो गया है। निधि शर्मा ने कहा कि उसने विगत दो वर्षो से श्री मनन करियर सेंटर में सरकारी नौकरी के लिए तैयारी कर रही थी। उनकी सफलता के पीछे माता पिता के साथ संस्था के शिक्षक मनंजय पाठक एवं सभी शिक्षक का योगदान रहा।

काशी में सांता क्लॉज के कपड़े व मुखौटे की खूब खरीदारी

वाराणसी (ईएमएस): क्रिसमस को लेकर काशी के बाजार सजा चुके है। एक ओर जहां चर्चों में सजावट का काम तेज है, वहीं बाजार में भी रौनक है। सांता क्लॉज के कपड़े और मुखौटे की खूब खरीदारी हो रही है। इस बार बाजार में विभिन्न डिजाइन के सांता क्लाज, चरनी सेट, स्टार, सांता क्लाज ड्रेस, बिजली के सजावटी सामान, क्रिसमस ट्री खरीद रहे हैं। आकर्षक लाइटिंग के साथ बैलून के अंदर सेंटा क्लाज पर बर्फबारी सा नजारा इसमें नजर आता है। इसमें सफेद रंग के छोटे-छोटे टुकड़े लाइटिंग के बीच गिरते दिखाई दे रहे हैं।

सभी चुनाव एक साथ होते हैं तो इससे कई लाभ होंगे : शांभवी चौधरी

पटना (एजेंसी): बिहार के समस्तीपुर लोकसभा सीट से सांसद और लोजपा (रामविलास) की नेता शांभवी चौधरी ने मंगलवार को वन नेशन वन इलेक्शन के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने इस विषय पर बने संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य के रूप में चुने जाने पर लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का धन्यवाद किया. इसके साथ ही उन्होंने वन नेशन वन इलेक्शन को देश हित में बताते हुए कहा कि इससे संसाधनों की बचत होगी. शांभवी चौधरी ने आईएएनएस से कहा कि मैं आभारी हूं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मुझे इस महत्वपूर्ण समिति का सदस्य चुना. यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे पार्टी के विचारों और मुद्दों को इस समिति के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा. इस फैसले के लिए मैं चिराग पासवान को धन्यवाद देती हैं, जिनके नेतृत्व में मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है. वन नेशन वन इलेक्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश में अगर सभी चुनाव एक साथ होते हैं तो इससे कई लाभ होंगे. अक्सर देखा जाता है कि तीन-चार महीने के अंतराल में किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं, जिससे पूरा प्रशासन और चुनावी प्रक्रिया प्रभावित होती है.

इससे न सिर्फ संसाधनों का अत्यधिक उपयोग होता है, बल्कि सरकारी कामकाजी प्रक्रिया भी बाधित होती है. अगर वन नेशन वन इलेक्शन लागू होता है तो यह न केवल चुनावी खर्चों में कमी लाएगा, बल्कि सरकार को पांच साल तक काम करने का पूरा समय मिलेगा, जिससे शासन में बेहतर कार्य हो पाएगा.वन नेशन वन इलेक्शन पर विपक्ष की आपत्ति को राजनीतिक हितों से प्रेरित बताते हुए उन्होंने कहा कि यह कोई संवैधानिक संकट नहीं है. इस संदर्भ में संविधान का अनुच्छेद ३२७ स्पष्ट रूप से संसद को यह अधिकार देता है कि वह चुनावों के आयोजन के तरीके को तय कर सकती है.

यह किसी भी राज्य सरकार की शक्तियों को कम करने का प्रयास नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि समिति की पहली बैठक जल्द ही होने वाली है, जिसमें वन नेशन वन इलेक्शन पर विस्तार से चर्चा की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष को भी अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है और इस मुद्दे पर सभी विचारों को ध्यान से सुना जाएगा.

समस्तीपुर जिले और उसके संसदीय क्षेत्रों के विस्तार के सवाल पर शांभवी ने कहा कि डीलिमिटेशन एक अलग मुद्दा है और इस पर अभी तक कोई ब्लूप्रिंट तैयार नहीं हुआ है. अगर ब्लूप्रिंट तैयार होता है, तो मैं उसे मीडिया के साथ साझा करूंगी. डीलिमिटेशन और वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे अलग-अलग हैं और उनका अलग-अलग तरीके से समाधान होगा.

कर्मियों के रिटायरमेंट से 3 माह पहले जीपीएफ में कटौती करने वाले अफसर नपेंगे, वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

रांची (एजेंसी): सरकारी कर्मियों के रिटायरमेंट से तीन माह पूर्व जीपीएफ में काटने वाले अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी. वित्त विभाग के पेंशन एवं लेखा निदेशालय ने इसका आदेश जारी कर दिया है. निदेशालय के निदेशक नितीश कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया कि रिटायर होने वाले कर्मियों का तीन माह पूर्व जीपीएफ कटौती बंद करने एवं समय से फॉर्म ७३ उपलब्ध कराया जाए. आदेश में यह भी कहा गया है कि ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं, जिसमें कर्मियों के सेवा निवृति के पूर्व के अंतिम तीन माह में भी जीपीएफ कटौती की गयी है. साथ ही

इस पर ब्याज की गणना कर भुगतान भी किया गया है.

आदेश में दिया गया है नियमों का हवाला

जारी आदेश में नियमों का हवाला देते हुए कहा गया है कि वित्त विभाग की अधिसूचना संख्या २७२ की कंडिका-१५ में सेवा निवृति के तीन माह पूर्व जीपीएफ कटौती रोकने का स्पष्ट उल्लेख है. सेवा निवृति के पूर्व के अंतिम तीन माह में कटौती करने पर सिस्टम द्वारा इस पर सूद की गणना की जाती है और भुगतान किया जाता है, जिससे सूद मद में सरकारी राशि की क्षति होती है. सामान्य भविष्य निधि लेखा से अंतिम निकासी के लिए ऑनलाइन फॉर्म-७३ से संबंधित डीडीओ के माध्यम से जिला पेंशन व लेखा कार्यालय-निदेशालय को उपलब्ध कराया जाना है.

विलंब से उपलब्ध कराया जा रहा फॉर्म 73

निदेशालय ने कहा है कि प्रायः देखा जा रहा है कि फॉर्म-७३ विलम्ब से उपलब्ध कराया जाता है. फॉर्म-७३ कर्मी के सेवा निवृत्ति के तीन माह पूर्व प्रेषित करने का प्रावधान है, जिसे ऑनलाइन मॉड्यूल में सक्रिय कर दिया गया है. आदेश में कहा गया है कि संबंधित विभाग या कार्यालय द्वारा प्रक्रिया में देरी के कारण यदि अधिक सूद के भुगतान की स्थिति बनती है तो ऐसे मामलों में जिम्मेवारी निर्धारित करते हुए चिन्हित व्यक्ति से अतिरिक्त सूद की राशि या अन्य कोई समुचित कार्रवाई सुनिश्चित किया जाना है. किसी भी परिस्थिति में निर्धारित समय सीमा में अगर फॉर्म-७३ उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो, विलम्ब की जिम्मेवारी डीडीओ पर तय की जायेगी.

कांग्रेस की सोच हमेशा से अंबेडकर विरोधीः बाबूलाल मरांडी

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सोच शुरू से अंबेडकर विरोधी रही है. कांग्रेस पार्टी, जिसने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का हमेशा अपमान किया, उनका मजाक उड़ाया और उन्हें लज्जित किया, आज वही पार्टी उनके नाम पर हक मांगने का ढोंग कर रही है. कांग्रेस को अपने नेताओं और पंडित नेहरू द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के प्रति किए गए अपमान के लिए पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगना चाहिए. जब भी कोई व्यक्ति मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देता है, तो सदन में उसे बोलने का मौका दिया जाता है।

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने दिया इस्तीफा

रांची (एजेंसी): झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया है. जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार कर लिया है. उनके इस्तीफे के बाद मिजोरम के गवर्नर हरी बाबू कांभांपती को ओडिशा का राज्यपाल बनाया गया है. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को १८ अक्टूबर २०२४ को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया था. जमशेदपुर से अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले रघुवर दास २०१४ से लेकर २०१९ तक पांच साल झारखंड के मुख्यमंत्री

रह चुके हैं. रघुवर दास पिछली बार विधायक का चुनाव हार गए थे, जिसका कारण पार्टी से ही बगावत करने वाले सरयू राय थे. उन्होंने रघुवर दास को जमशेदपुर पूर्वी से हराते हुए जीत दर्ज की थी.

इंटर के विद्यार्थी बगैर फाइन दिए 28 तक भरें परीक्षा फॉर्म

रांची (एजेंसी): झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) की ओर से बताया गया कि जैक बोर्ड से इंटर की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी है. बोर्ड विद्यार्थियों को बगैर फाइन के ही परीक्षा फॉर्म भरने का एक और अवसर दे रहा है. ऐसे विद्यार्थी अब २८ फरवरी तक बगैर विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं. इस तिथि के बाद अगर आप फॉर्म भरेंगे, तो विलंब शुल्क देना होगा. जैक बोर्ड के अनुसार कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के इंटरमीडिएट के विद्यार्थी वर्ष २०२५ की वार्षिक परीक्षा का फॉर्म अब बिना विलंब शुल्क के भर सकते हैं. काउंसिल के सचिव ने इससे संबंधित सूचना जारी किया है.

30 को वाम पार्टियां गृहमंत्री के बयान के प्रतिवाद में सड़कों पर करेंगे प्रदर्शन

रांची (एजेंसी): १७ दिसंबर को अमित शाह द्वारा राज्यसभा में की गई टिप्पणी ने मोदी सरकार के अंबेडकर व भारत के संविधान के प्रति विद्वेष को उजागर कर दिया है. संघ व भाजपा अपनी मनुवादी-फासीवादी विचारधारा की वजह से हमेशा ही जातीय शोषण से मुक्ति के अंबेडकर के विचार का घोर विरोधी रही है. गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी ऐसे समय में की गई है जब संघी सरकार की संविधान बदलने की साजिश को संसद व सड़क पर विपक्ष और जनता द्वारा मजबूत चुनौती मिल रही है. हम वाम पार्टियों की ओर से अमित शाह से इस्तीफा व मोदी सरकार से माफी मांगने की मांग करते हैं. हम सभी वामपंथी पार्टियां राज्य के प्रगतिशील-लोकतांत्रिक शक्तियों से अपील करती हैं कि संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ गृहमंत्री के जरिए अपमानजनक वक्तव्य के खिलाफ एकजुट होकर सड़कों पर निकलें. भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विपल्व, भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने आह्वान किया कि ३० दिसंबर को तमाम वाम पार्टियां गृहमंत्री के बयान के प्रतिवाद में सड़कों पर प्रदर्शन करेंगे.

साहित्यकार डॉ. रीता शुक्ल सीसीएल राजभाषा भास्कर सम्मान से सम्मानित

रांची (एजेंसी): सीसीएल दरभंगा हाउस के सभागार में मंगलवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई. इस बैठक की अध्यक्षता सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्रा ने की. इस अवसर पर महाप्रबंधक (ईई/राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक, राजभाषा नोडल अधिकारी और सीसीएल के क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे. बैठक की अध्यक्षता करते हुए हर्ष नाथ मिश्रा ने कहा कि यह केवल राजभाषा की बैठक नहीं है, बल्कि यह हमारे कार्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. उन्होंने कहा कि सभी विभागों को हिंदी के कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाना चाहिए. उन्होंने राजभाषा विभाग से अनुरोध किया कि वे उन विभागों की मदद करें जो हिंदी में काम करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं.

इस अवसर पर प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. रीता शुक्ल को सीसीएल राजभाषा भास्कर सम्मान प्रदान किया गया. डॉ. रीता शुक्ल ने सीसीएल द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और सुझाव दिया कि सीसीएल में हिंदी साहित्य पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए. उन्होंने दैनिक जीवन और कार्यालय में हिंदी के उपयोग के संबंध में भी अपने विचार साझा किए. इस अवसर पर राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित निबंध लेखन, टिप्पण लेखन, कविता पाठ और टाइपिंग टेस्ट प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया.

सीएम हेमंत को महाकुंभ में आने का मिला न्योता

रांची (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और कारागार मंत्री सुरेश राही ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को महाकुंभ में आने का न्योता दिया. इस दौरान मुख्यमंत्री को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की ओर से महाकुंभ का प्रतीक चिन्ह और पवित्र गंगाजल भी भेंट किया.

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा, बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग

रांची (एजेंसी): रांची में किसी चौक (चौराहे) को झारखंड आंदोलन के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो के नाम करने और उनकी प्रतिमा स्थापित करने के संबंध में राज्यपाल संतोष गंगवार को एक ज्ञापन दिया गया है. ज्ञापन देने वाले वेदांत कौस्ताव ने कहा कि रांची में किसी चौराहे पर उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित करने के साथ उनका नामकरण किया जाना झारखंडी जनभावना को उत्साहित करेगा. साथ ही नयी पीढ़ी अपने महान धरती पुत्र को नजदीक से जान सकेगी.

कहा कि रांची में ही विभिन्न जगहों, खासकर चौक- चौराहों पर महापुरुषों, वीर शहीदों की प्रतिमाएं लगी हैं. इसी सिलसिले में रांची में किसी चौक को बिनोद बिहारी महतो के नाम करने और उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित करने के लिए आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं. वेदांत कौस्ताव ने आग्रह किया कि इस दिशा में

जिला प्रशासन को उचित कार्रवाई करने का निर्देश देने की कृपा करें.

बिनोद बिहारी महतो तीन बार बिहार विस और एक बार लोकसभा के सदस्य रहे

बिनोद बिहारी महतो का जन्म २३ सितंबर १९२३ को धनबाद के बालीपुर प्रखंड के बड़ादाहा गांव में एक किसान परिवार में हुआ था. उन्होंने अपनी काबिलयत और लगन से उच्च शिक्षा हासिल की. वे एक वकील और राजनीतिज्ञ थे. इसके साथ ही सामाजिक चेतना के अग्रदूत के तौर पर उन्होंने ख्याति हासिल की. वे संगठिक, शिक्षित और स्वाभिमानी समाज के पैरोकार थे।

उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लंबा आंदोलन चलाया. बिनोद बाबू का नारा पढ़ो और लड़ो हमेशा से समाज को गर्व और गुमान का बोध कराता है.

तीन बार बिहार विधानसभा के सदस्य और एक बार लोकसभा के सदस्य रहे बिनोद बाबू का निधन १८ दिसंबर १९९१ को हुआ था.

धर्म के नाम पर तिरस्कृत लोग भी ईश्वर की संतान हैं : आर्च बिशप

रांची (एजेंसी): प्रभु यीशु ने गौशाले में जन्म लेना स्वीकार किया. उसी का प्रतीक है क्रिसमस और चरनी . हमें यही स्मरण दिलाती है कि अभी भी ऐसे लोग हैं, जिन्हें भरपेट भोजन नहीं मिलता. तन में कपड़े पहनने को नहीं है. लोग बिना कपड़ो के ठंड में कांपते हुए रात ऐसी जगह गुजारते हैं,जहां पशु रहते हैं, एक गोशाला में. प्रभु ने अभाव में जन्म लेने से एक अच्छी बात सीख में दी है. भूखे, गरीब, अन्याय, लिंग, रंग, जाति और धर्म के नाम पर तिरस्कृत लोग भी ईश्वर की संतान हैं. उन्हें भी आनंद और अवसर प्राप्त करने का अधिकार है.. प्रभु के सिखाए हुए मार्ग पर चलने की जरूरत है. दूसरों की आवश्यकता का ध्यान रखने की आवश्यकता है.आज भी ग़रीब लोग भुखमरी, लाचारी, अन्याय, शोषण, अछूत जैसे चरनी में अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं. इस क्रिसमस में अपनी सहायता, मदद एवं सेवा का उपहार लेकर उनसे मिलने जायें.

पुण्य रात की पहली आराधना शाम चार बजे शुरू हुई

जीईएल चर्च में शाम चार बजे रेव्ह एन गुडिया ने परमेश्वर की आराधना करायी. उपदेश रेव्ह जीएस केरकेट्टा ने दिये. दूसरी आराधना शाम ५.३० बजे रेव्ह एन गुड़िया ने करायी. उपदेशक मॉडरेटर मार्सल केरकेट्टा थे. मध्य रात्रि ११ बजे की आराधना रेव्ह एन गुडिया ने कराई उपदेशक आलोक मिंज थे.

संत पॉल्स चर्च में शाम पांच बजे

पुरोहित जे भुईया ने कार्यक्रम का संचालन किया. प्रवेशन कैरोल हुआ पहला पाठ सुप्रिया तिर्की व दूसरा पाठ राहुल परधिया ने किया. मध्यरात्रि ११.३० बजे बीबी बास्के मुख्य अनुष्ठक रहे. इसके साथ में पुरोहित जे भेंगरा, पुरोहित वी कुजूर, पुरोहित एस पूर्ती पुरोहित यूजे सांगा, पुरोहित जे भुईया, पुरोहित जी डहंगा समेत अन्य मौजूद थे. ।

ईश्वर ने अपने आप को मनुष्य के रूप में प्रकट किया : बिशप

बहुबाजार स्थित सीएनआई चर्च को पूरी तरह से रंग बिरंगा लाइटों से सजाया गया है, मध्यरात्रि मे बिशप बीबी बास्के मुख्य अनुष्ठक और उपदेशक रहे. उन्होंने क्रिसमस का संदेश दुनिया को दिया. कहा कि जन्म पर्व उद्दार कर्ता का जन्म है. ईश्वर ने अपने आप को मनुष्य के रूप में प्रकट किया. मनुष्य बना और जीना सिखाया. ईश्वर के दृष्टि में संसार में मनुष्य को जीना सिखाया. ईश्वर ने लोगों को प्रेम का संदेश दिया. क्योकि ईश्वर प्रेम है. लोगों के साथ शांति ,प्रेम और भाईचारे के साथ रहने का संदेश दिया है. प्रेम में शांति एक दूसरे से संगति रखने का संदेश दिया है. सभी मनुष्य ईश्वर की सृष्टि है. परिवर्तन करने का संदेश दिया है. ईश्वर के साथ संगति बनाये रखें.

पुरूलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजाघर में मध्य रात्रि पुण्य रात मनायी गयी. प्रभु यीशु को याद किया. उनके याद में विनती की गयी. आर्चबिशप विसेंट आइंद ने क्रिसमस का संदेश देते हुए कहा कि वर्षों से क्रिसमस मनाते आ रहे हैं. २५ दिसम्बर हर्षोउल्लास से क्रिसमस मनायेगे. चरनी में लेटा नन्हा बालक प्रभु यीशु ख्रीस्त हमें याद दिलाता है कि ईश्वर मनुष्य से प्यार करता है.उसने अपना वास मानव जाति के बीच बनाया.

ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा पर्व क्रिसमस आज से शुरू हो गया है. इसके लिए संत मरिया महागिरजा घर, संत पॉल्स कथिड्रल चर्च, जीईएल चर्च को पूरी तरह से सजाया गया है. चर्च परिसर को आकर्षक बनाने के लिए मुख्य गेट के सामने हरे रंग का क्रिससम ट्री रखा गया है. चरनी को भी बारिकी से बनाया गया है. यहां पर बालक यीशु को रखा गया है. इसके साथ ही माता मरियम, युसुफ,गढेरिया, परी, गडेरिया और भेड़ को रखा गया है. जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित किये हुए है. मध्य रात्रि में परमेश्वर का जन्म दिवस मनाया जा रहा है.

राज अस्पताल में कैप्सूल आधारित वायरलेस पेसमेकर का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण

रांची (एजेंसी): राज अस्पताल, रांची के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार झा (एमडी, डीएम-कार्डियोलॉजी) के द्वारा नवीनतम तकनीक पर आधारित अबॉट कंपनी की एवियर लीड रहित पेसमेकर का प्रत्यारोपण किया गया.

एबॉट एवियर लीड रहित पेसमेकर का प्रत्यारोपण पूरे झारखंड, बिहार और ओडिशा में पहली बार किया गया है.

डॉ. राजेश कुमार झा ने बताया कि मरीज ने पारंपरिक पेसमेकर सर्जरी करवाई थी लेकिन उनका पेसमेकर पॉकेट संक्रमित हो गया था, क्योंकि मरीज की उम्र बहुत ज्यादा थी और साथ में मरीज को और भी अन्य बीमारियां थी.

इसलिए हमने तय किया कि इस मरीज का इलाज इस विशेष

उपकरण से करना उचित रहेगा और हमने इसे सफलतापूर्वक किया है. कहा कि यह तकनीक इतनी सुरछित और प्रभावी है की पेसमेकर की प्रत्यारोपण के अगले दिन ही मरीज को छुट्टी मिल गई. पूरी प्रक्रिया का समय आधे घंटे से भी कम था जो मरीज़ के लिए बहुत ही आरामदायक था.

इस पेसमेकर की बैटरी की लाइफ २० वर्ष से अधिक है

यह प्रक्रिया बिना चीर-फाड़ के पूरी तरह से दर्द रहित एवं बहुत ही सुरक्षित है. विशेषकर ऐसे मरीज जो बहुत सी बिमारियों से ग्रसित है तथा जिनका शरीर कमजोर है एवं जिनमे बार-बार पेसमेकर पॉकेट इन्फेक्शन हो जाता है उनमें इस प्रक्रिया के द्वारा पेसमेकर प्रत्यारोपित करने पर रिकवरी बहुत ही जल्दी होती है. इस पेसमेकर का आकार बिल्कुल रिमोट की (एएए बैटरी) बैटरी जितना होता है.

इसकी बैटरी की लाइफ २० वर्ष से अधिक है. नियमित पेसमेकर और लीडलेस पेसमेकर में प्रमुख अंतर यह है कि मरीज को अस्पताल में कम रहना पड़ता है, कम रक्तस्राव होता है, प्रत्यारोपण के दौरान जटिलताएं भी कम होती हैं और साथ ही संक्रमण की कोई संभावना नहीं होती है. राज अस्पताल, रांची के हृदय रोग विभाग में डॉ. राजेश कुमार झा के नेतृत्व में कुशल टीम के द्वारा हृदय से जुडी इलाज जैसे एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर प्रत्यारोपण, आईसीडी, सीआरटीडी, पेरीफेरल एंजियोप्लास्टी और लीडलेस पेसमेकर जैसी सारी प्रक्रिया की जाती है.

पृष्ठ एक का शेषांश

दीक्षा महिला मंडल के नारी---

मंडल की स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

आज आनंद मेला के पहले दिन कई विशिष्ट अतिथियों आगमन हुआ, जिनमें बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो, टुंडी विधायक मथुरा महतो, धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हृदेश पी जनार्दन (सपरिवार), बोकारो के एसपी मुकेश कुमार (सपरिवार), सीबीआई एसपी पी के झा आदि प्रमुख हैं। बीसीसीएल के शीर्ष अधिकारियों में सीएमडी समीरन दत्ता, निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया और निदेशक (वित्त) राकेश कुमार सहाय, निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) शंकर नागाचारी, मुख्य सतर्कता अधिकारी अमन राज भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह: दीक्षा महिला मंडल द्वारा आनंद मेला के अवसर पर आज उत्कृष्ट पुलिस सेवा के लिए धनबाद पुलिस बल के निम्नलिखित दो सदस्यों के ५१००/- प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अर्चना स्मृति खलकों, उप पुलिस अधीक्षक (परीक्ष्यमान)। राजीव कुमार सिंह, आरक्षी, मीडिया सेल, धनबाद।

इसके साथ ही, उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए निम्नलिखित तीन विद्यार्थियों को टेबलेट और प्रशस्ति-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। शालिनी कुमारी (९५.४), रवि रंजन पांडेय (९५.४), फिजा फातिमा (९८).

विभिन्न स्टॉल और थीम आकर्षण- आनंद मेला में १४ महिला क्लबों ने विभिन्न थीम पर आधारित स्टॉल लगाए, जिनमें: दीक्षा महिला मंडल की हरियाली थीम, प्रगति और मुस्कान महिला समिति की ढाबा थीम, प्रेरणा महिला समिति की पंजाबी थीम, आशा किरण समिति की पतंग और मकर संक्रांति थीम, सीआईएसएफ की मिलेट्स थीम अन्य महिला समितियों की आकर्षक थीम तथा इनके अलावा, प्राइवेट उद्योगों के स्टॉल भी मेले का आकर्षण बने। इन स्टॉलों में हस्तनिर्मित उत्पाद, खाद्य सामग्री, और सांस्कृतिक परिधान उपलब्ध हैं। आनंद मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जो विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन का केंद्र हैं। मेले से प्राप्त धनराशि का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, और जरूरतमंदों की सहायता के लिए किया जाएगा। बीसीसीएल परिवार द्वारा धनबाद के नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस मेले में भाग लेकर इसे सफल बनाएं और समाज सेवा में योगदान दें। मेले के दूसरे दिन क्रिसमस के अवकाश के चलते भारी भीड़ उमड़ने की सम्भावना है। दूसरे दिन भी विभिन्न वर्ग के लोगों को सम्मानित पुरस्कृत किया जाएगा।

हेमंत सरकार का फिर मास्टर---

में की स्वीकृति दी गई. भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के कल्याण पर प्रतिवेदन को विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र में उपस्थापन की स्वीकृति दी गई. षष्ठम विधान सभा का प्रथम सत्र में राज्यपाल द्वारा दिये गये अभिभाषण पर मंत्रिपरिषद की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई.

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रोजेक्ट एप्रुवल बोर्ड की प्रथम बैठक में मेरू के अंतर्गत स्वीकृत योजना विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के लिए ९९ करोड़ ५६ लाख १० हजार ६०४रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई. डॉ० तुलसी महतो, तत्कालीन प्राध्यापक, एफएमटी. विभाग, रिम्स, राँची सम्प्रति सेवानिवृत को भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति प्रदान करने की स्वीकृति दी गई.

वर्ष २०१७ में नियुक्त/कार्यरत सहायक खनन पदाधिकारियों को देय तिथि से सेवा संपुष्टि एवं वेतनवृद्धि अनुमान्य किये जाने हेतु एकबारीय व्यवस्था के तहत सेवा नियमावली में प्रावधानित विभागीय परीक्षा में उत्तीर्णता के आवश्यक शर्त / अर्हता में छूट प्रदान करने के निमित्त अधिसूचित झारखण्ड खनन अभियंत्रण सेवा नियमावली के सम्बन्धित प्रावधान को, उच्च न्यायालय के आदेश के फलाफल से प्रभावित होने तथा पूर्वोद्धारण नहीं समझे जाने की शर्त के साथ, क्षान्त/शिथिल करने की स्वीकृति दी गई.

षष्ठम झारखण्ड विधान सभा का प्रथम सत्र के सत्रावसान हेतु मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति दी गई. वित्तीय वर्ष-२०२३-२४ के लिये भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखे भाग -१ एवं खख तथा विनियोग लेखे से संबंधित लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र में उपस्थापन की स्वीकृति दी गई.

दिनांक १५.११.२००० से झारखण्ड गृह रक्षक (स्वयंसेवक) नियमावली, २०१४ के लागू होने के पूर्व कर्त्तव्य के दौरान मृत गृह रक्षकों के आश्रितों को मानवीय आधार पर एवं विशेष परिस्थिति में नियमों को शिथिल करते हुए अनुकम्पा के आधार पर एकबारगीय व्यवस्था के तहत् गृह रक्षक के रूप में नवनामांकन के प्रस्ताव एवं तत्संबंधी मंत्रिपरिषद् के अनुमोदन हेतु संलेख प्रारूप पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी है.

राष्ट्रपति ने 5 राज्यों में---

किया गया. उपरोक्त सभी नियुक्तियां उस तिथि से प्रभावी होंगी, जिस दिन ये नए राज्यपाल अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे. अजय कुमार भल्ला एक वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं, उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव के रूप में कार्य किया है. अपनी सेवाओं के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और उन्हें प्रशासनिक सुधारों में उनका योगदान और दक्षता के लिए पहचाना जाता है. उनका करियर मुख्य रूप से गृह मंत्रालय से जुड़ा रहा और उनके अनुभव के कारण उन्हें कई बार सेवा विस्तार मिला.

झारखंड में सिपाही---

को आसान बनाया जा सकेगा, अन्य राज्यों की नियमावली का अध्ययन करके झारखंड की नियमावली को अन्य राज्यों के साथ तालमेल बिठाया जा सकेगा. दौड़ की दूरी और समय में कमी होने से अधिक अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा में शामिल हो पाएंगे.

प्रधानमंत्री आज खजुराहो में---

मिलेगी और ४४ लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में १०३ मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश में ५९ हजार हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं १.९२ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश की ४४ लाख और उत्तर प्रदेश की २१ लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश के खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में स्थापित फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण करेंगे। परियोजना के प्रथम चरण में इस वर्ष अक्टूबर माह से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो गया है। परियोजना के द्वितीय चरण की २४० मेगावॉट क्षमता के लिये एमपीपीएसीए से आवश्यक सहमति उपरांत चयनित विकासक सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड से अनुबंध हस्ताक्षरित किया जाना प्रस्तावित है। पुण्य सलिला माँ नर्मदा के ऊपर ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना को प्रदेश की जनता को समर्पित करना प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और ग्रीन ऊर्जा के प्रति सरकार के सतत प्रयासों को प्रदर्शित करता है।

भारत ने 19 टी वर्ल्ड कप के लिए टीम घोषित की

निकी प्रसाद को मिली कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अगले साल 18 जनवरी से दो फरवरी तक मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जाने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने टीम की घोषणा की जिसका नेतृत्व निकी प्रसाद करेंगी जबकि सानिका चालके उप-कप्तान होंगी। टीम में कमलिनी जी और भाविका अहिरे के रूप में दो विकेटकीपर हैं, जबकि तीन स्टैंडबाय खिलाड़ी नंदना एस, इरा जे और अनादि टी को भी टीम में शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीम भाग लेंगी जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत मौजूदा चैंपियन है और उसे मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 जनवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। उसके बाद वह मलेशिया (21 जनवरी) और श्रीलंका (23 जनवरी) के खिलाफ मैच खेलेगा। ग्रुप चरण के मैच 19 से 23 जनवरी के बीच खेले जाएंगे। इनमें प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम 25 से 29 जनवरी के बीच होने वाले सुपर सिक्स में जगह बनाएंगी।

भारतीय टीम - निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशिता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस। स्टैंडबाय खिलाड़ी- नंदना एस, इरा जे, अनादि टी।

टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट 2025

कारुआना होंगे टॉप सीड ,विश्व चैम्पियन गुकेश भी लेंगे भाग

वाइक आन ज़े , नीदरलैंड (एजेंसी)। निर्विवाद तौर पर दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट और शतरंज का विम्बलडन कहे जाने वाले 87वें टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की सूची घोषित कर दी गई है। 17 जनवरी से 2 फरवरी 2025 के बीच आयोजित होने वाले मास्टर्स ग्रुप में दुनिया के नंबर 2 ग्रैंडमास्टर फाबियानो कारुआना शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे वहीं भारत के शतरंज इतिहास के सबसे युवा विश्व चैम्पियन डी गुकेश के भी इसमें भाग लेने से रोमांच चरम पर होगा खासतौर तब जबकि लगातार दो शतरंज ओलंपियाड में फाबियानो को गुकेश नें हराया है ।

मास्टर्स ग्रुप- टॉप 10 में से 5 खिलाड़ी शामिल - इस बार टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर 2, 4, 5, 6 और 9 रैंक के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय खिलाड़ियों का भी मजबूत प्रतिनिधित्व रहेगा, जिसमें भारत के अर्जुन एरिगैसी, गुकेश डी , विदित गुजराती, और प्रज्ञानानंदा रमेशबाबू और पिछले साल के चैलेंजर्स विजेता जीएम लियोन ल्यूक मेंडोंका शामिल हैं।

ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु को मिल सकता है खेल रत्न

खेल मंत्रालय खुद नॉमिनेट करने को तैयार, मनु बोलीं- अवॉर्ड मेरा अंतिम लक्ष्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक्स में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर को सरकार मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड दे सकती है। खेल पुरस्कारों के लिए शॉर्ट लिस्ट किए गए खिलाड़ियों में मनु भाकर का नाम नहीं था।भारतीय निशानेबाज ने कहा, मैं अवॉर्ड के लिए उत्साहित तो हूं, लेकिन वह मेरा अंतिम लक्ष्य नहीं हैं। एक एथलीट के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने मनु भाकर का नाम खेल रत्न के लिए नहीं भेजा था, लेकिन इस पर विवाद के बाद अब एसोसिएशन नॉमिनेशन के लिए खुद खेल मंत्रालय के पास पहुंची है। खेल मंत्रालय भी अब खुद मनु के नॉमिनेशन की तैयारी कर रहा है।। मंत्रालय आर्टिकल 5.1 और 5.2 के तहत मनु को नॉमिनेट कर सकता है। नियम में कहा गया है कि अगर खिलाड़ी खेल रत्न के लिए दी गई गाइडलाइंस को पूरा करता हो तो वो खुद ही अपना नाम अवॉर्ड के लिए भेज सकता है। इसके अलावा मंत्रालय के पास भी ऐसे 2 नाम भेजने के अधिकार होते हैं।

अभी नाम तय नहीं हुए- खेल मंत्रालय - खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा- अभी नाम तय नहीं हुए हैं और एक हफ्ते में पुरस्कारों का खुलासा हो सकता है। खेल मंत्री एक या दो दिन में इस पर फैसला लेंगे। फाइनल लिस्ट में मनु का नाम होने की पूरी संभावना है।

एक दिन पहले मनु भाकर के पिता रामकिशन भाकर ने कहा था कि खेल रत्न

अवॉर्ड के लिए मनु की उपेक्षा की गई है। उनके इस बयान के बाद नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड की नॉमिनेशन लिस्ट विवादों आ गई। पहले इस सूची में मनु भाकर का नाम नहीं था।

मनु के पिता ने नाराजगी जताई थी - कुछ दिन पहले मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि खेल रत्न की नॉमिनेशन लिस्ट में मनु भाकर का नाम नहीं है। इस पर मनु भाकर के पिता ने नाराजगी जाहिर की। मनु के पिता ने कहा कि मनु ने अवॉर्ड के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे नजरअंदाज किया गया। भारत में ओलिंपिक खेलों की अहमियत नहीं है। देश के लिए खेलने और पदक जीतने का क्या फायदा, जब सम्मान के लिए हाथ फैलाना पड़े। वह पिछले दो-तीन साल से लगातार सारे पुरस्कारों के लिए आवेदन कर रही है और मैं इसका गवाह हूं।

● **मैं इसकी हकदार हूं- खेल रत्न न मिलने के बाद मनु भाकर** - पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने इस पुरस्कार की हकदार हैं या नहीं, इसका अंतिम फैसला देश की जनता पर छोड़ दिया है। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों का फैसला करने वाली समिति द्वारा उनके नाम की सिफारिश नहीं करने और इसके बजाय भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का नाम खेल रत्न पुरस्कार के लिए आगे बढ़ाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। मनु के पिता राम किशन ने कहा कि बेटी ने मुझसे कहा है कि उसे लगता है कि वह इसके लायक हूं। देश को फैसला करने दीजिए।वहीं, खेल मंत्रालय के एक शीर्ष सूत्र ने कहा है कि अभी नाम तय नहीं हुए हैं और एक सप्ताह में पुरस्कारों का खुलासा होने पर उसका नाम सूची में होगा। अगस्त में पेरिस ओलंपिक में मनु एक ही खेलों में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी बन गई जब उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

मनु भाकर की खेलरत्न के लिए अवहेलना, कोच जसपाल राणा ने उठाए सवाल

दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर के कोच जसपाल राणा ने खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) को ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए मनु की अनदेखी किये जाने पर आड़े हाथों लिया है। राणा ने कहा, 'मैं उन सभी को जिम्मेदार ठहराऊंगा। कोई कैसे कह सकता है कि मनु ने आवेदन नहीं किया। उसने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रचा है। उसका नाम तो अपने आप आना चाहिए। क्या अधिकारियों को पता नहीं है कि मनु भाकर कौन है और उसकी क्या उपलब्धि है। इस अपमान से उसकी प्रगति में बाधा पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुरस्कार के लिए खिलाड़ियों के सीधे आवेदन करने की अनिवार्यता खेल के हित में नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि मनु ने पुरस्कार के लिए आवेदन नहीं किया है लेकिन उनके पिता रामकिशन भाकर ने कहा कि उन्होंने आवेदन किया है। राणा ने कहा, 'यह हैरानी की बात है। कोई शीर्ष खिलाड़ियों पुरस्कार के लिए आवेदन या अनुरोध क्यों करे। उसे तो अपने आप पुरस्कार मिलना चाहिए। उसकी अनदेखी कैसे हो सकती है। कोई व्यवस्था तो होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'क्या हर खिलाड़ी को पता है कि कैसे आवेदन करना है। क्या इसका कोई तुक है कि सिर्फ खिलाड़ी ही आवेदन कर सकता है। महासंघ, साइ या मंत्रालय क्यों नहीं।

मनु ने पेरिस ओलिंपिक में डबल मेडल जीते थे

मनु भाकर ने अगस्त-सितंबर महीने में आयोजित पेरिस ओलिंपिक गेम्स में डबल ओलिंपिक मेडल जीते थे। वे 10 मीटर एयर पिस्टल इंडीविजुअल और मिक्स्ड डबल्स में तीसरे स्थान पर रहीं। उनके दो मेडल के दम पर भारत ने पेरिस ओलिंपिक में कुल 6 मेडल जीते थे।

विमेंस-बंगाल ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन चेज किया

तनुश्री के 113 रन और 3 विकेट; हरियाणा की शेफाली ने 197 रन बनाए

राजकोट (एजेंसी)। सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी में बंगाल ने हरियाणा के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन चेज करने का रिकॉर्ड बनाया है। सोमवार को क्वार्टर फाइनल मैच में बंगाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। हरियाणा से ओपनर शेफाली वर्मा के शानदार 115 बॉल पर 197 रन की मदद से टीम ने 50 ओवर में 389 रन बनाए।

जवाब में बंगाल ने 49.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 390 रन का टारगेट हासिल किया। टीम से तनुश्री सरकार ने 113 रन बनाए और 3 विकेट भी लिए। यह मुकाबला राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला गया।

नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट का रिकॉर्ड टूटा - महिला लिस्ट ए क्रिकेट में इससे पहले सबसे बड़ा रन चेज का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट टीम के नाम दर्ज था। साल 2019 में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स ने केंटरबरी के खिलाफ 309 रन के लक्ष्य का हासिल कर रिकॉर्ड बनाया था। महिला इंटरेशनल क्रिकेट में श्रीलंका के नाम सबसे ज्यादा रन चेज करने का रिकॉर्ड है। टीम ने इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 305 रन के लक्ष्य को हासिल किया था।

पिछली 2 सीरीज से टीम से बाहर - हरियाणा के लिए शेफाली वर्मा ने 115 गेंदों पर 197 रनों की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 22 चौके और 11 छक्के लगाए। सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी में उनका यह दूसरा शतक है। शेफाली ने इससे पहले उत्तर प्रदेश के खिलाफ 98 गेंदों पर 139 रनों की पारी खेली थी।

अब तक 7 पारियों में शेफाली ने 527 रन बनाए हैं और रन चार्ट में टॉप पर हैं। शेफाली का शानदार प्रदर्शन ऐसे समय में देखने को मिला है, जब वह टीम इंडिया से बाहर चल रही हैं। पिछले दो सीरीज से उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। शेफाली ने इस साल इंटरनेशनल क्रिकेट में 6 वनडे मैचों में 18 की औसत से केवल 108 रन बनाए हैं।

बंगाल को ओपनर्स ने दिलाई शतकीय शुरुआत - 390 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगाल के ओपनर्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। सास्थी मंडल ने 52 और धारा गुज्जर ने 69 रन की पारी खेली। दोनों ने 9 ओवर में ही 100 रन जोड़ लिए थे। तीसरे नंबर पर बैटिंग के लिए उतरी तनुश्री सरकार ने शानदार शतक जड़कर टीम को मजबूती प्रदान की। सरकार ने 113 रन की पारी खेली जबकि विकेटकीपर प्रयंका बाला ने नाबाद 88 रन बनाए। रिशिता बासू ने नाबाद 11 रन बनाए। उन्होंने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर टीम को जीत दिलाई।

बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले विराट कोहली ने बदला हेयरस्टाइल, पुरानी यादें हुई ताजा

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न एयरपोर्ट पर महिला पत्रकार से बहस के बाद विराट कोहली की एक नई वीडियो सामने आई है। कोहली क्रिकेट आइकन तो है ही साथ ही साथ फैशन और हेयर स्टाइल के मामले में भी एक ट्रेंडसेटर हैं। अपने बोल्ड लुक के कारण वह हमेशा क्रिकेट फैंस के प्रभावित करने में सफल रहते हैं। एक बार फिर कोहली ने ऐसा ही काम किया है। कोहली की नए हेयरस्टाइल में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसे क्रिकेट फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। उनके नवीनतम इंटेंस लुक ने प्रशंसकों की पुरानी यादों जिंदा कर दी हैं।

कोहली अक्सर अपने हेयरस्टाइल को लेकर प्रयोग करते रहे हैं। उनका प्रत्येक नया लुक उनकी फैशन समझ और बदलाव को अपनाने के आत्मविश्वास को दर्शाता है। यह कोहली ही थे जिन्होंने भारतीय क्रिकेट में स्टाइलिश हेयरस्टाइल और टैटू की शुरूआत की। उन्हें देखते देखते अन्य क्रिकेटर भी इसका अनुसरण करते दिखे। कोहली अब बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए तैयार हो रहे हैं। ऐसे में नए स्टाइल में वह नए सिरे से पारी शुरू करने की कोशिश करेंगे।

बता दें कि बीते दिन ही मेलबर्न एयरपोर्ट पर कोहली की ऑस्ट्रेलिया की एक महिला पत्रकार से बहस हो गई। यह घटना तब हुई जब कोहली अपनी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और अपने बच्चों के साथ मेलबर्न में उतरे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया के चैनल 7 के एक पत्रकार ने परिवार का एक वीडियो बनाया, जिससे कोहली नाराज हो गए। क्रिकेटर विशेष रूप से अपने परिवार की गोपनीयता में घुसपैठ से परेशान थे। उन्होंने पत्रकार से संपर्क किया और ली गई तस्वीरों और वीडियो को देखने का अनुरोध किया। इसके बाद कोहली ने उनसे अपने परिवार की कोई भी तस्वीर या फुटेज हटाने के लिए कहा, जबकि उन्हें उनमें से किसी को भी अकेले रखने की इजाजत दी। ऑस्ट्रेलियाई कानून के तहत, सार्वजनिक स्थानों पर मशहूर हस्तियों की तस्वीरें खींचने या फिल्माने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, जिससे मामला जटिल हो सकता है। उन्होंने हवाई अड्डे पर मीडिया से कहा कि अपने बच्चों के साथ, मुझे कुछ गोपनीयता की आवश्यकता है। आप मुझसे पूछे बिना फिल्म नहीं बना सकते।

विनोद कांबली के स्वास्थ्य पर डॉक्टरों ने दी जानकारी, विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है क्रिकेटर

मुंबई (एजेंसी)। विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हो रहा है। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

कांबली को बेचैनी महसूस होने के बाद सोमवार को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि कांबली निम्न रक्तचाप और मूत्र मार्ग के संक्रमण (यूटीआई) सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ति हैं, लेकिन उन पर इलाज का असर हो रहा है।

उनकी हालत 'स्थिर' हो रही है। डॉक्टरों ने बताया कि सोडियम और पोटैशियम में असंतुलन के कारण उनमें जकड़न और गतिशीलता संबंधी समस्याएं देखी गईं। उन्होंने कहा कि उनके मस्तिष्क में पिछले स्ट्रोक के कारण बने थक्के भी पाए गए, जिससे न्यूरोडीजेनेरेटिव परिवर्तन हुए। इसके कारण उनकी याददाश्त और अंगों का तालमेल प्रभावित हुआ है।

बेन स्टोक्स 3 महीने के लिए क्रिकेट से रहेंगे दूर, न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण होगी सर्जरी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करानी होगी और वे कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से बाहर रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। इस साल यह दूसरी बार है जब स्टोक्स की बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, इससे पहले अगस्त में द हंड्रेड में खेलते समय भी उन्हें यही चोट लगी थी।

इंग्लैंड ने कहा कि डरहम के ऑलराउंडर स्टोक्स की जनवरी में सर्जरी होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने जारी एक बयान में कहा है कि बेन स्टोक्स जनवरी में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाएंगे। इसके बाद वह रिहैब की प्रक्रिया के कारण कम से कम तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे।

स्टोक्स ने एक्स पर पोस्ट किया, मेरे पास अभी बहुत कुछ बचा है और अपनी टीम और इस शर्ट के लिए मुझे बहुत खून, पसीना और आंसू बहाने हैं। उन्होंने आगे कहा, एक कारण है कि मेरे शरीर पर हमेशा के लिए फीनिक्स का टैटू गुदवा लिया गया है। चोट के कारण स्टोक्स को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे और जनवरी और फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें जनवरी में दक्षिण अफ्रीका की फ्रैंचाइजी टी20 लीग 20 में स्ट्रु केप टाउन के लिए खेलना था, लेकिन अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप के पहले दौर के लिए फिर से फिट होने का लक्ष्य रखेंगे, जिसमें 4 अप्रैल को डरहम का सामना नॉटिंघमशायर से ट्रेंट ब्रिज में होगा, हालांकि यह सर्जरी से उनकी रिकवरी पर निर्भर करेगा। स्टोक्स ने अपने करियर को लंबा करने के लिए मार्च से मई तक होने वाली 2025 इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में प्रवेश करने से इनकार कर दिया।

रोहित ने कोहली का समर्थन किया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर विराट कोहली के संघर्ष को लेकर चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए टीम में लंबे समय के अपने साथी का पूर्ण समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा, 'आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपने रास्ते को खुद तय कर लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे पर कोहली ने पांच पारियों में 5, 100 नाबाद, 7, 11 और तीन रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 31.50 रन का रहा है। खुद भी खराब दौर से गुजर रहे रोहित को लय हासिल करने की उम्मीद है। जब उनसे कोहली के संघर्षों के बारे में सवाल पूछा गया तो चेहरे पर मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया।

जब एक पत्रकार ने रोहित से पूछा कि खराब दौर से गुजर रहे मौजूदा युग के किसी महान खिलाड़ी को आप सलाह देना पसंद करेंगे या उनके हालात पर छोड़ देंगे। भारतीय कप्तान ने कहा, 'आप ने ही कहा कि वह मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी है। मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद तय कर लेते हैं। कोहली एमसीजी में नेट अभ्यास सत्र में भाग लेने वाले सबसे शुरुआती

बल्लेबाजों में से एक थे और रोहित प्रमुख बल्लेबाजों में सबसे आखिरी में अभ्यास करने पहुंचे। भारतीय कप्तान ने आखिरी 20 मिनट में सिर्फ दो शॉट खेले और बाकी गेंदों को विकेट के पीछे जाने दिया। वह गेंद पर आक्रमण करने की अपनी नैसर्गिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की कोशिश करते दिखे। अभ्यास के दौरान

आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं

रोहित गेंदबाजों खासकर हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा से चौथे स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करने को कहा। इस दौरान वहां लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रशंसकों में से किसी ने कहा, 'रोहित भाई पुल मारो ना। रोहित से जब उनकी बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, 'इसके बारे में चिंता न करें। मुझे लगता है कि कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इस बारे में हमें टीम के अंदर चर्चा करनी चाहिए। मुझे हर संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहिए। टीम में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जगह तनुष कोटियान के चयन के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने एक बार फिर चुटिले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ कहा, 'कुलदीप के पास वीजा नहीं है। रोहित ने फिर बताया कि कुलदीप चोट से पूरी तरह से उबरे नहीं है। उन्होंने कहा, 'अक्षर अभी पिता बने हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं तनुष बुरा गेंदबाज है लेकिन वह यहां विकल्प के तौर पर है। पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है और इसके आखिरी दो मैच मेलबर्न और सिडनी में होंगे।

पंत, गिल, जायसवाल एक ही नाव पर सवार, उनकी मानसिकता से छेड़छाड़ नहीं करना चाहते

यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और शुभमन गिल अपनी अनियमित फॉर्म के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में एक जैसी स्थिति में है लेकिन कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि इन तीनों में से किसी पर भी अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा क्योंकि इससे स्थिति और जटिल हो जाएगी। जायसवाल ने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 161 रन की मैच जिताने वाली पारी खेली थी लेकिन इसके बाद उनका बल्ला नहीं चल पाया जबकि गिल और पंत अभी तक खेले गए तीन टेस्ट मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए। रोहित ने इन तीनों बल्लेबाजों की फॉर्म को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, 'गिल, जायसवाल और पंत जैसे खिलाड़ी एक ही नाव पर सवार हैं। वे जानते हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं। हमें चीजों को जटिल नहीं बनाना चाहिए। जायसवाल पहली बार ऑस्ट्रेलिया में खेल रहा है। वह पहले ही दिखा चुका है कि वह क्या करने में सक्षम है। वह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और जब आपके पास उसके जैसा खिलाड़ी हो तो आप उसकी मानसिकता में बहुत अधिक छेड़छाड़ नहीं करना चाहेंगे। रोहित ने कहा, 'उसे जितना संभव हो उतना स्वच्छंद होकर खेलने दें तथा उसकी बल्लेबाजी को लेकर बहुत अधिक विचार करके उस पर अतिरिक्त बोझ नहीं बनने दें। वह किसी अन्य की तुलना में अपनी बल्लेबाजी के बारे में बेहतर समझ रखता है और उसने अभी तक इसी तरह से क्रिकेट खेली है।

जाड़े में छोटे बच्चों की करें खास केयर, पास नहीं फटकेगी सर्दी

सर्दियों के मौसम में गिरता तापमान जहां बड़े-बड़ों को सर्दी -खांसी की चपेट में ले लेता है ऐसे में छोटे बच्चों की खास देखभाल बहुत जरूरी हो जाती है. नवजात तो और भी नाजुक होते हैं जिन्हें जाड़े के मौसम में सुरक्षित रखना जरूरी हो जाता है.

सर्दियों में शिशुओं की देखभाल

सर्दियों में शिशुओं की देखभाल चुनौतीपूर्ण होता है.जरी सी लापरवाही से बच्चों को आसानी से ठंड लग सकती है जिससे वे बीमार हो सकते हैं लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखा जाये तो जाड़े में भी बच्चे को आरामदायक और सुरक्षित रखा जा सकता है. ऐसे में उनके लालन-पालन का ख्याल रखना जरूरी हो जाता है.

सर्दियों में बच्चों की देखभाल के उपाय

सर्दियों में बच्चों की देखभाल के लिए कुछ जरूरी उपाय जरूर आजमाने चाहिए. इसके लिए बच्चे को गर्म और सुविधाजनक कपड़े पहनाएं, रूप का तापमान सही रखें , बच्चे की सरसों के तेल से मालिश करें , बच्चे को मां का दूध पिलाएं . बच्चों की सेहत पर नजर रखें और इन्फेक्शन के लक्षणों पर ध्यान दें , बच्चे को समय पर वैक्सीन जरूर लगवाएं , बच्चे को जाड़े में हल्के और गर्म कंबल उढाएं. बच्चे को बाहर ले जाते समय उसे कपड़े सही से गरम कपड़े पहनाएं.

जाड़े में बच्चों की अच्छे से मालिश करें

मालिश बच्चे के शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने, शारीरिक कार्य-प्रणाली को सुचारू रूप से चलाने, हड्डियों को मजबूत करने और समुचित विकास में मदद करते हैं. रोजाना खासकर सर्दियों में हल्के गुनगुने बादाम, ऑलिव, सरसों के तेल से शिशु की मसाज जरूर करनी चाहिए,

बच्चे के कमरे के तापमान का रखें ध्यान

बच्चे की मालिश करते समय उसके रूम का टेंपरेचर जरूर देखें हो सके तो धूप में बच्चे की मालिश करें. यह ध्यान दें कि दोपहर में धूप आने से कमरा गर्म हो. मसाज से पहले कमरे की खिड़कियां-दरवाजे बंद कर दें, ताकि बच्चे को हवा न लगे. अपनी हथेली रगड़कर गर्म कर लें फिर मालिश करें. जाड़े में मसाज के बाद उसे नहलाने ले जाएं या स्पांज कराएं.

बच्चे को नहलाने में खास ध्यान रखें

सर्दियों में रूम टेंपरेचर का ध्यान रखकर शिशु को रोज नहला सकते हैं. ठंड ज्यादा हो, तो बेहतर है कि एक दिन छोड़कर नहलाएं. या गीले तौलिये से उसका शरीर पोछ सकती हैं

जरूरत से अधिक कपड़े ना पहनाएं

बच्चे को बहुत ज्यादा कपड़े न पहनाएं. इससे उसे पसीना आ सकता है और कपड़े उतारने पर सर्द-गर्म होने से बीमार पड़ सकता है. एक-दो लेयर ज्यादा कपड़े पहनाना ही काफी है. जो भी कपड़े पहनाएं, वे साफ-सुथरे हों. बच्चों को स्किन एलर्जी से बचाने के लिए कॉटन के अंडरगार्मेंट्स पहनाएं. उसके ऊपर टी शर्ट, स्वेटर, वुलन ट्राउजर और मोजे पहनाएं।

बच्चों में बौद्धिक विकास

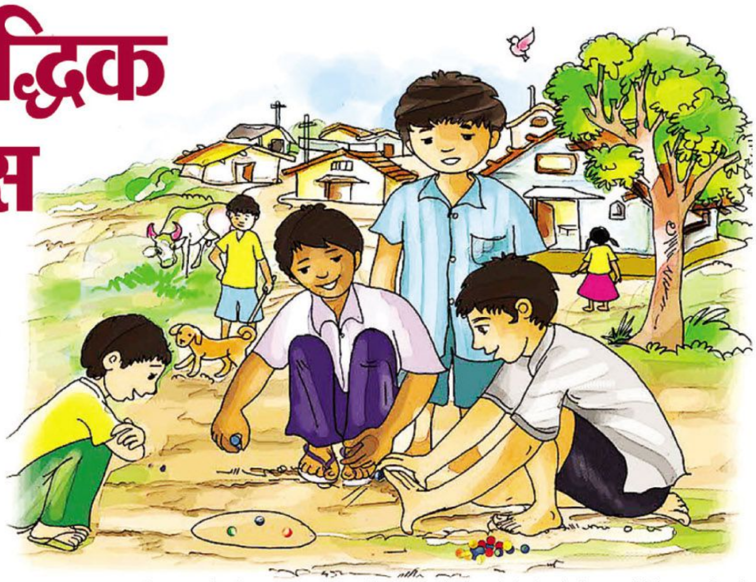

1 से 13 साल की उम्र के बीच, बच्चों की शारीरिक, बौद्धिक और भावनात्मक क्षमताओं में ज्यादा विकास होता है। बच्चों का विकास लड़खड़ाने से लेकर दौड़ने, कूदने और संगठित खेल खेलने के रूप में आगे बढ़ता है। वे पढ़ना, बोलना, और जटिल चीज़ें करना सीखकर भी प्रगति करते हैं। हालाँकि, बौद्धिक, भावनात्मक और व्यवहारिक विकास अलग-अलग शिशुओं और बच्चों में काफी अलग-अलग होता है। विकास आंशिक रूप से

पोषण : विकास के लिए उचित आहार-पोषण ज़रूरी है।

माहौल : उदाहरण के लिए, पर्याप्त मेंटल स्टिम्युलेशन की कमी विकास को धीमा कर सकती है, जबकि सही स्टिम्युलेशन से विकास अच्छे से हो सकता है।

बच्चे में शारीरिक समस्याएँ : उदाहरण के लिए, बहरापन बोलने वाली भाषा के विकास को धीमा कर सकता है।

हालाँकि बच्चे का विकास आमतौर पर लगातार होता है, बोलने की क्रिया जैसे किसी विशेष फ़ंक्शन के विकास में अस्थायी विराम हो सकता है। डॉक्टर प्रमाणित उपलब्धियों का उपयोग करते हैं—वह उम्र जब अधिकांश बच्चे चलने जैसे कुछ कौशल में महारत हासिल करते हैं—यह निर्धारित करने के लिए कि अन्य बच्चों की तुलना में किसी दूसरे बच्चे का विकास कैसे हो रहा है। विभिन्न कौशल अलग-अलग गति से विकसित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि कोई बच्चा देर से चले, लेकिन बात करना जल्दी शुरू कर ले।

बच्चों में बौद्धिक विकास

बुद्धि, किसी व्यक्ति की समझने, सोचने और तर्क करने की क्षमता होती है। बुद्धि के विकास के लिए, बच्चों को शैशवावस्था और बाल्यावस्था में उचित पोषण मिलना चाहिए। उदाहरण के लिए, बचपन से ही बच्चों के लिए पढ़ना, बौद्धिक रूप से उत्तेजक अनुभव प्रदान करना, और प्यार भरे और देखभाल करने वाले रिश्ते प्रदान करना, इन सभी का उनके बौद्धिक वृद्धि एवं विकास पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।

2 साल की उम्र में, अधिकांश बच्चे व्यापक रूप से समय पहचानने लगते हैं। कई 2 और 3 साल के बच्चों को यह समझ आता है कि अतीत में जो कुछ भी हुआ वह कल था, और भविष्य में जो कुछ भी होगा वह आने वाला कल होगा। इस उम्र में बच्चे बहुत सारी कल्पना करते हैं, लेकिन उस कल्पना को वास्तविकता से अलग करने में कठिनाई होती है। 4 साल की उम्र तक, अधिकांश बच्चों को समय की पहचान करने में मुश्किल होती है। उन्हें पता चलता है कि दिन को सुबह, दोपहर और रात में बांटा गया है। उन्हें मौसम में बदलाव का मज़ा भी आ सकता है।

18 महीने से 5 साल की उम्र तक, बच्चे के बोलने की क्षमता में काफ़ी विकास हो जाता है, वह लगभग 50 शब्दों से कई हजार शब्द बोल लेता है। बच्चे नाम लेना शुरू कर सकते हैं और सक्रिय रूप से वस्तुओं और घटनाओं के बारे में पूछ सकते हैं। 2 साल की उम्र तक, वे दो शब्दों को छोटे वाक्यांशों में एक साथ बोलना शुरू करते हैं, 3 साल की उम्र तक सरल भाषा में बात कर सकते हैं। 2 साल की उम्र तक उच्चारण में सुधार होता है, किसी अजनबी को उनकी बोली आधी समझ में आ जाती है और 4 साल की उम्र तक पूरी तरह से समझ में आ जाती है। एक 4 साल का बच्चा सरल कहानियां सुना सकता है और बड़े लोगों या अन्य बच्चों के साथ बातचीत कर सकता है।

18 महीने की उम्र से पहले ही बच्चे उन्हें पढ़ाकर सुनाई जा रही कहानी को सुन और समझ सकते हैं। 5 साल की उम्र तक, बच्चे अक्षर पढ़ने और प्रिंट में सरल शब्दों को पहचानने लगते हैं। सरल शब्दों, वाक्यांशों और वाक्यों को पढ़ने सीखना, ये मुख्य कौशल हैं। किताबों की जानकारी से और जन्मजात योग्यताओं के आधार पर, ज्यादातर बच्चे 6 या 7 साल की उम्र से पढ़ना शुरू कर देते हैं।

7 साल की उम्र तक, बच्चों की बौद्धिक क्षमताएँ अधिक जटिल हो जाती हैं। इस समय तक, बच्चे एक ही

समय में किसी घटना या स्थिति के एक से अधिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हो जाते हैं। जैसे, स्कूली उम्र के बच्चे इस बात को समझ सकते हैं कि एक लंबे, पतले कंटेनर और एक छोटे, चौड़े कंटेनर में समान मात्रा में पानी रख सकते हैं। वे इस बात को समझ सकते हैं कि दवा स्वाद खराब कर सकती है, लेकिन उन्हें बेहतर महसूस करा सकती है, या उनकी माँ उनसे नाराज़ होकर भी उन्हें प्यार कर सकती है। बच्चे तेजी से दूसरों की राय समझने में सक्षम होते जा रहे हैं और इसलिए खेल या बातचीत में बारी-बारी से बदलाव करना सीखते हैं। इसके अलावा, स्कूली उम्र के बच्चे खेलों के स्वीकृत नियमों का पालन कर पाते हैं। इस उम्र के बच्चे भी तेजी से अवलोकन की शक्तियों और कई दृष्टिकोणों का उपयोग करके तर्क करने में सक्षम होते हैं।

बच्चों में भावनात्मक और व्यवहारिक विकास

भावना और व्यवहार बच्चे के विकासात्मक चरण और स्वभाव पर आधारित होते हैं। प्रत्येक बच्चे का एक व्यक्तिगत स्वभाव या मनोदशा होती है। कुछ बच्चे हंसमुख और अनुकूल हो सकते हैं और आसानी से सोने, जागने, खाने और अन्य दैनिक गतिविधियों की नियमित दिनचर्या विकसित कर सकते हैं। ये बच्चे नई स्थितियों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। दूसरे बच्चे पूरी तरह से अलग होते हैं और उनकी दिनचर्या में बड़ी अनियमितता हो सकती है। ये बच्चे नई स्थितियों के प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। आज भी कई बच्चे स्पेक्ट्रम के इन दो सिरों के बीच में हैं।

रोना शिशु के बातचीत करने का मुख्य प्राथमिक प्रकार है। शिशु भूख लगने पर, असहज होने पर, बीमार होने पर और कई अन्य कारणों से रोते हैं, जो स्पष्ट नहीं होते हैं। 6 सप्ताह की आयु में शिशु—ख़ासकर दिन में सबसे अधिक 3 घंटे रोते हैं, आमतौर पर 3 महीने की उम्र तक यह कम होकर एक घंटा हो जाता है। माता-पिता आमतौर पर रोते हुए शिशुओं को खाना खिलाते हैं, उनका डायपर बदलते हैं, और दर्द या परेशानी के कारण पता लगाते हैं। अगर इससे काम नहीं बनता है, तो कभी-कभी शिशु को उठाने से या उसे लेकर चलने से मदद मिलती है। कभी-कभी कुछ काम नहीं आता। माता-पिता को रोते हुए शिशुओं पर खाना खाने के लिए दबाव नहीं डालना चाहिए, अगर भूख उनके रोने का कारण होगा तो वे आसानी से खा लेंगे।

लगभग 8 महीने की उम्र में, शिशु आमतौर पर अपने माता-पिता से अलग होने के बारे में अधिक चिंतित हो जाते हैं। सोते समय और चाइल्ड केयर सेंटर जैसी जगहों पर अलग होना मुश्किल हो सकता है और इसे टेंपर टैंट्रम के रूप में चिह्नित किया जा सकता है। यह व्यवहार कई महीनों तक चल सकता है। कई बड़े बच्चों के लिए, एक खास कंबल या सॉफ़्ट टॉय इस समय एक अस्थायी वस्तु के रूप में काम करता है जो अनुपस्थित माता-पिता के प्रतीक के रूप में काम करता है।

2 से 3 साल की उम्र में, बच्चे अपनी सीमाओं को परखने लगते हैं और वे वही करते हैं जो उन्हें करने से मना किया जाता है, बस यह देखने के लिए कि ऐसा करने से क्या होगा। माता-पिता से अक्सर बच्चे जो न सुनते हैं, वह इस उम्र में आज़ादी के लिए संघर्ष को दर्शाता है। हालाँकि, माता-पिता और बच्चों के लिए परेशानी भरा होने पर भी, जिद्दी व्यवहार सामान्य होते हैं, क्योंकि वे ऐसे समय में बच्चों को अपनी हताशा व्यक्त करने में मदद करते हैं, जब वे अपनी भावनाओं को अच्छी तरह से व्यक्त नहीं कर पाते। माता-पिता अपने बच्चों को ज़रूरत से ज़्यादा थकने या अनावश्यक रूप से निराश न होने देकर, अपने बच्चों के व्यवहार पैटर्न को जानकर उन स्थितियों से बचने में मदद कर सकते हैं, जो उनकी जिद्द बढ़ा सकती हैं। बहुत कम ही किसी डॉक्टर द्वारा टेंपर टैंट्रम का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। कुछ छोटे बच्चों को अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करने में खास परेशानी होती है और उनके माता-पिता को सख्त बनना पड़ता है, जिससे उनके स्वभाव में कुछ सुरक्षापूर्ण और नियमित हो सके। 18 महीने से 2 साल की उम्र के बच्चे आमतौर पर लिंग पहचानना शुरू कर देते हैं। प्रीस्कूल वर्षों के दौरान, बच्चे लैंगिक भूमिका भी पहचानने लगते हैं, जो आमतौर पर लड़के और लड़कियाँ करते हैं। लिंग की भूमिकाएँ भी संस्कृति द्वारा प्रभावित होती हैं। इस उम्र में जननांगों के बारे में जानने की इच्छा होती है और इससे जाहिर होता है कि बच्चे लिंग और शरीर के बीच संबंध बनाना शुरू करते हैं।

2 और 3 साल की उम्र के बीच बच्चे दूसरे बच्चों के साथ ज्यादा मिलजुल कर खेलना शुरू कर देते हैं। हालाँकि वे अभी भी खिलौनों को सिर्फ अपना ही समझते हैं, पर वे शेयर करना शुरू कर सकते हैं और बारी-बारी से खेल भी सकते हैं। यह मेरा है! कहकर खिलौनों को अपना बताना पहचान की भावना स्थापित करने में मदद करता है। हालाँकि इस उम्र में बच्चे आज़ाद रहने की कोशिश करते हैं, लेकिन सुरक्षा और सहायता के लिए वे अभी भी अपने माता-पिता के आस-पास रहना चाहते हैं। जैसे जब वे उत्सुक होते हैं, तो वे अपने माता-पिता से दूर हो सकते हैं और जब उन्हें डर लगता है, तो वे अपने माता-पिता के पीछे छिप जाते हैं।

3 से 5 साल की उम्र में कई बच्चे कल्पनाओं वाले खेल और झूठ-मूठ के दोस्तों में दिलचस्पी लेने लगते हैं। कल्पनाओं वाले खेल में बच्चे विभिन्न भूमिकाओं और मज़बूत भावनाओं को सही तरीके से सुरक्षित रूप से निभा सकते हैं। कल्पनाओं वाले खेल बच्चों को सामाजिक रूप से विकसित होने में भी मदद करता है। वे माता-पिता या अन्य बच्चों के साथ लड़ाई को ऐसे तरीकों से सुलझाना सीखते हैं, जिससे उन्हें निराशा को दूर करने और आत्म-सम्मान बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही इस समय, कोठरी में राक्षस जैसे सामान्य बचपन के डर उभरते हैं। ये डर सामान्य होते हैं।

7 से 12 साल की उम्र में, बच्चे कई समस्याओं पर काम करते हैं : आत्म मूल्यांकन, जिसकी नींव कक्षा में योग्यता द्वारा रखी जाती है; अपनी उम्र के साथियों के साथ संबंध, जो सामाजिक और अच्छी तरह से ताल-मेल की क्षमता से तय होते हैं; और पारिवारिक रिश्ते, जो आंशिक रूप से माता-पिता और भाई-बहनों से बच्चों को मिलने वाली स्वीकृति से तय होते हैं। हालाँकि ऐसा लगता है कि बहुत से बच्चे अपनी उम्र के समूह में रहना ज़्यादा पसंद करते हैं, फिर भी वे मदद और मार्गदर्शन के लिए सबसे पहले अपने माता-पिता को ही ढूँढते हैं। भाई-बहन रोल मॉडल के रूप में काम कर सकते हैं और क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसके बारे में मूल्यवान समर्थन और आलोचक बन सकते हैं। यह अवधि उन बच्चों के लिए बहुत एक्टिव होती है, जो कई गतिविधियों में व्यस्त होते हैं और नई गतिविधियों का पता लगाने के लिए उत्सुक रहते हैं। इस उम्र में, बच्चे सीखने के लिए उत्सुक होते हैं और अक्सर सुरक्षा, स्वस्थ जीवन शैली और उच्च जोखिम वाले व्यवहारों से बचने के बारे में सलाह के लिए अच्छी प्रतिक्रिया देते हैं।

बच्चा करता है जिद्द तो इन टिप्स से सिखाएं मैनर्स

जिद्दी बच्चों की परवरिश में माता-पिता बहुत परेशान हो जाते हैं. उनका चिड़चिड़ापन और अपनी बात को मनाने के चक्कर में बच्चें उनको समझ नहीं पाते. ऐसे में अपनी बातें बच्चों को समझाना पैरेंट्स के लिए एक चुनौती से कम नहीं है. इसके चलते धीरे-धीरे बच्चों पर से पैरेंट्स का पूरा नियंत्रण चला जाता है. ऐसे में जरूरी है कि बच्चों को समझदार बनाने के लिए माता-पिता भी थोड़ी समझदारी के साथ अपने बच्चों से पेश आएं. क्योंकि अगर वह भी अपने बच्चों से बुरा व्यवहार करने लगेंगे तो बात और बिगड़ सकती है. ऐसे में जानना जरूरी है कि जिद्दी बच्चों (Ziddi bachche) की परवरिश करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

1- उनकी सुनें, गुस्सा न करें

अगर आपका बच्चा आपकी एक भी बात नहीं मानता है आपकी नहीं सुनता है तो आपको भी ऐसा ही व्यवहार अपने बच्चे के साथ नहीं करना है. आपको उसकी बातों को सुनना है अगर आप चाहते हैं कि बच्चा आपकी सुनें तो सबसे पहले आपको खुद उनकी बात ध्यान से सुननी होगी. तभी आप दोनों के बीच सामंजस्य बैठ पाएगा. अगर आपके सामने बच्चे अपनी राय पेश कर रहे हैं तो आपको उनकी राय को महत्व देना चाहिए नहीं तो बहस होने लगेगी और बच्चे और ज्यादा जिद्दी हो जाएंगे.

2. बच्चों पर न डालें किसी बात का दबाव

अगर आप अपने बच्चों पर किसी बात को लेकर दबाव डालते हैं, तो उनका स्वभाव अपनी बात मनवाने के लिए विद्रोही हो जाता है और यही व्यवहार आगे जाकर खतरनाक साबित हो सकता है. इसलिए किसी भी बात को लेकर अपने बच्चों के साथ जबरदस्ती न करें. इसके साथ ही वे जो काम कर रहें हैं उसमें अपनी भी रूचि बनाएं इससे बच्चे अपने पैरेंट्स के साथ कनेक्टेड फील करते हैं.

3. बच्चों को न दें आदेश

अपने बच्चों को आदेश देने के बजाय उन्हें विकल्प दें. उनसे उनकी राय लें. मान लीजिए आपने अपने बच्चे को जल्दी सोने के लिए कहा है लेकिन वो नहीं मान रहा है, तो आप उसे ऑप्शन दें सकते है. जैसे कि उसे कौन सी स्टोरीज सुनना पसंद है. उन्हें आदेश देने की बजाय विकल्प देना ज्यादा बेहतर होगा. अगर ऐसे में भी बच्चा आपकी बातों को न समझे तो गुस्से में आकर उन्हें चिल्लाएं नहीं बल्कि अपनी बात उन्हें समझदारी के साथ समझाएं. अगर वे सोने, पढ़ाई या आपकी किसी भी बात के लिए मना करें, तो उनके कहें ये विकल्प तो आपके पास है ही नहीं. कुछ समय तक बच्चा आपकी बात टाल सकता है लेकिन आखिर में वो अपनी जिद्द छोड़ देगा.

4. बच्चों के साथ बराबरी से लड़ाई न करें शांत रहें

अगर आप बात-बात पर अपनी बात चिल्लाकर या गुस्से में कहेंगे तो आपका बच्चा इससे और जिद्दी होता जाएगा और उसके व्यवहार में भी गुस्सा और चिड़चिड़ापन आएगा. इसलिए बच्चे के साथ बराबरी से लड़ाई न करें. बल्कि अपनी बात को शांत रहकर समझाने की कोशिश करें.

5. बच्चों को भी दें सम्मान

अगर आप अपने बच्चों को सम्मान देते हैं तो बच्चे भी आपकी बातों को समझते हैं और उनका सम्मान करते हैं. अगर आप अपने बच्चे पर कोई बात को थोपते हैं तो ये बात उन्हें बर्दाश्त नहीं होती. अगर आपका बच्चा आपको कुछ बताता है तो उन बातों को तुरंत खारिज न करें. ऐसा करने से उन्हें दुख पहुंचता है. अपना भरोसा उन पर बनाएं और उनको भी इस बात का एहसास कराएं कि आप अपने बच्चे पर पूरा भरोसा करते हैं.

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस की मिसाइल तैनाती पर चीन बौखलाया, कहा-बढ़ेगा तनाव

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस द्वारा मध्यम दूरी की मिसाइलों की तैनाती को लेकर चीन बौखला उठा है। उसने कहा, यह योजना एक भड़काऊ कदम होगा, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। फिलीपींस के शीर्ष सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल रॉय गैलिडो ने सोमवार को मनीला में कहा कि सेना दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ तनाव के बीच देश की रक्षा के लिए मध्यम दूरी की मिसाइलें तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन शुरू से फिलीपींस को अमेरिकी सैन्य मदद का विरोध करता रहा है, जबकि मिसाइल तैनाती में भी वह साथ होगा। अमेरिका ने अप्रैल में उत्तरी फिलीपीन में अपनी मध्यम दूरी की मिसाइल 'टाइफून' तैनात की थी और दोनों देशों के सैनिक भारी हथियारों के उपयोग के लिए साझा प्रशिक्षण ले रहे हैं। चीन 'टाइफून' से विशेष रूप से चिंतित है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, फिलीपीन द्वारा हथियार की तैनाती भू-राजनीतिक टकराव व हथियारों की दौड़ तेज करेगी।

यूरोप को रूसी गैस की बिक्री एक जटिल मामला : क्रेमलिन

मास्को, एजेंसी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको में वार्ता के बाद क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि रूसी गैस खरीदने वाले यूरोपीय देशों के साथ स्थिति बेहद जटिल है। इस मामले पर और अधिक ध्यान देना जरूरी है। प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, वह इस वार्ता की अधिक जानकारी नहीं दे सकते। हालांकि, इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों और यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हुई। फिको ने रविवार को कहा था कि पुतिन ने स्लोवाकिया को गैस की आपूर्ति जारी रखने की रूस की इच्छा की पुष्टि की।

स्विट्जरलैंड का आश्वासन- भारत संग ईएफटीए समझौते के अमल में नहीं होगी देरी

बर्न , एजेंसी। स्विट्जरलैंड ने कहा है कि दोहरे कराधान से बचाव समझौते में सर्वाधिक तरजीही देश (एसएफएन के दर्जे को निलंबित करने के उसके फैसले से भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समझौते के अमल में देरी नहीं होगी। स्विस सरकार ने भारत का एमएफएन का दर्जा निलंबित कर दिया है। इससे भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ सकता है तथा यूरोपीय देश में कार्यरत भारतीय कंपनियों पर अधिक कर लग सकता है। भारत व नॉर्वे, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन और स्विट्जरलैंड के ईएफटीए ने मार्च में समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस पर क्रियान्वयन भी होगा।

क्रिसमिस पर बाइडेन का कैदियों को तोहफा ! ट्रंप के आने से पहले 40 में से 37 को दिया जीवनदान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को घोषणा की कि वह संघीय मृत्युदंड की सजा का सामना कर रहे 40 में से 37 लोगों की सजा को आजीवन कारावास में बदल रहे हैं। यह घोषणा अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से महज कुछ सप्ताह पहले की गई है, जो मृत्युदंड के मुखर समर्थक हैं। यह कदम पुलिस और सैन्य अधिकारियों, संघीय भूमि पर रहने वाले लोगों की हत्या और घातक बैंक डकैतियों या नशीले पदार्थों के सौदों में शामिल लोगों के साथ-साथ संघीय इकाइयों में सुरक्षा गार्ड या कैदियों की हत्याओं में दोषी पाए गए लोगों को जीवन दान प्रदान करता है। इसका मतलब है कि अब केवल तीन संघीय कैदियों को फांसी की सजा दी जाएगी। वे हैं डायलन रूफ, जिसने 2015 में साउथ कैरोलाइना के चार्ल्सटन में मदर इमैनुएल एएमई चर्च के नौ अश्वेत सदस्यों की नस्ली हत्या की थी, 2013 में बोस्टन मैराथन में बम विस्फोट करने वाला जोखर त्सरनेव और वर्ष 2018 में पिट्सबर्ग के ट्री ऑफ लाइफ सिनेगॉग में 11 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाला रॉबर्ट बॉवर्स, जो अमेरिकी इतिहास का सबसे घातक यहूदी विरोधी हमला था। बाइडेन ने एक बयान में कहा, ''मैंने अपना करियर हिंसक अपराध को कमतर करने और निष्पक्ष और प्रभावी न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए समर्पित किया है।

भारत तेजी से वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

2030 तक दिखेंगे बदलाव के ऐतिहासिक पड़ाव

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत एक बड़े आर्थिक परिवर्तन के कगार पर है, जो उसे वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। आर्थिक सुधार, रणनीतिक पहल और विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट्स के साथ, भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2030 तक 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। यह महत्वाकांक्षी यात्रा आधुनिक बुनियादी ढांचे, तकनीकी नवाचारों और नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने पर केंद्रित एक स्पष्ट दृष्टि का परिणाम है। 2030 तक, भारत केवल एक आर्थिक महाशक्ति ही नहीं बल्कि सतत विकास और तकनीकी उन्नति का भी अग्रणी देश बन जाएगा।

भारत की पिछले दशक की आर्थिक वृद्धि असाधारण रही है। 2024 में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान भारत की प्रति व्यक्ति आय भी 70त से अधिक बढ़कर 2,700 डॉलर से 4,660 डॉलर हो जाएगी। निर्यात भारत की आर्थिक वृद्धि का अहम स्तंभ होगा। 2024 में 778 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी योजनाओं के तहत भारत को वैश्विक निर्माण केंद्र में बदलने और रोजगार सृजित करने का लक्ष्य है।भारत का परिवहन ढांचा तेजी से बदल रहा है। रेलवे, विमानन और सड़क नेटवर्क में बड़े सुधार हो रहे हैं। 2030 तक भारतीय रेलवे 100त विद्युतीकरण हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बड़े शहरों को जोड़कर यात्रा को आसान और तेज बनाएंगे।

2024 में 157 हवाई अड्डों से बढ़ाकर 2030 तक 200 से अधिक हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। इससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत 2030 तक 1 लाख किमी से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण करेगा। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से विस्तार हो रहा है। 2030 तक भारत का परिवहन क्षेत्र इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित होगा, जिससे प्रदूषण कम होगा और शहरी आवागमन टिकाऊ बनेगा।स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 2030 तक 100 से अधिक शहरों को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाया जाएगा। इन शहरों में ऊर्जा कुशल भवन, स्मार्ट परिवहन प्रणाली और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी सुविधाएं होंगी। डिजिटल इंडिया पहल के तहत 2030 तक देश के हर कोने तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य है। यह पहल ई-कॉमर्स, फिनटेक, एजुकेशन और डिजिटल हेल्थ सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। भारत 2030 तक सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में अग्रणी बन जाएगा। सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। हरित ऊर्जा में यह क्रांति रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और पर्यावरण की रक्षा करेगी।2030 तक, भारत न केवल एक आर्थिक शक्ति बनेगा बल्कि सतत विकास और नवाचार में भी विश्व का नेतृत्व करेगा। यह परिवर्तन देश के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगा और भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थान दिलाएगा।

पुतिन ने असद को नजरबंद करने और संपत्ति जब्त करने का दिया आदेश

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनकी पत्नी असमा अल-असद से जुड़ी हालिया अफवाहों पर रूस ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इन रिपोर्ट्स को पूरी तरह गलत बताया है। अरब और तुर्की मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि रूस ने बशर अल-असद को घर में नजरबंद कर दिया है और उनकी अरबों की संपत्ति जब्त कर ली है। साथ ही, यह भी दावा किया गया कि असमा अल-असद ने तलाक के लिए अर्जी दी है और रूस छोड़ना चाहती हैं।

दिमित्री पेस्कोव ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, ये खबरें वास्तविकता से परे हैं। न तो असद को नजरबंद किया गया है और न ही उनकी संपत्ति जब्त की गई है। सीरिया में विद्रोही समूह ॥झस (हयात तहरीर अल-शाम) के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हो रहा है। बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद से ही रूस में शरण लिए असद परिवार को लेकर लगातार अफवाहें सामने आ रही हैं।

रूस लंबे समय से बशर अल-असद का समर्थन करता रहा है, खासकर सीरियाई गृहयुद्ध के दौरान। लेकिन वर्तमान राजनीतिक बदलावों के बीच असद परिवार की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। क्रेमलिन के बयान ने असद परिवार के आसपास की अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। हालांकि, असमा अल-असद और बशर अल-असद की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में निगाहें बनी हुई हैं।

दुनिया के ताकतवर मुस्लिम देश ने दी तालिबान सरकार को मान्यता, काबूल में खोला दूतावास

दुबई एजेंसी। ताकतवर मुस्लिम देश ने तालिबान सरकार को मान्यता देकर दुनिया को हैरान कर दिया है। सऊदी अरब और तालिबान के बीच रिश्तों में जमी बर्फ पिघल चुकी है। सऊदी सरकार ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलने का बड़ा फैसला लिया है। यह कदम 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान में सरकार गिरने और तालिबान के सत्ता में आने के बाद उठाए गए दूतावास बंदी के फैसले को पलटता है। सऊदी सरकार ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा करते हुए कहा, हम अपने अफगान भाई-बहनों को सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से 22 दिसंबर से काबुल में अपना दूतावास फिर से खोल रहे हैं। हालांकि, दूतावास के प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी तक सऊदी विदेश मंत्रालय की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

तालिबान ने दी प्रतिक्रिया

तालिबान ने सऊदी अरब के इस फैसले का स्वागत किया है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ज़िया अहमद ने कहा, यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा और सहयोग की भावना को बढ़ाएगा। सऊदी के इस फैसले से वहां रहने वाले अफगानों की समस्याओं का भी समाधान हो सकेगा। अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने के बाद सऊदी अरब समेत कई देशों ने काबुल से अपने राजनयिक मिशनों को बंद कर दिया था। उस समय, तालिबान ने यह भरोसा दिलाने की कोशिश की थी कि वह पुराने कट्टरपंथी रवैये को छोड़ चुका है। हालांकि, अफगानिस्तान की अस्थिर स्थिति के चलते ज्यादातर देशों ने अपने नागरिकों और राजदूतों को वापस बुला लिया था।

किन देशों ने दिया है समर्थन और भारत का क्या है रुख

सऊदी अरब के अलावा पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और अजरबैजान जैसे देशों ने तालिबान को कुछ हद तक स्वीकार कर लिया है। रूस और चीन जैसे बड़े देशों ने तो पहले ही तालिबान सरकार को मान्यता देकर काबुल में अपने दूतावास खोल दिए हैं। भारत ने अब तक तालिबान को मान्यता देने पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। हालांकि, भारत अफगानिस्तान में मानवीय सहायता और बुनियादी ढांचे के विकास पर सक्रिय है, लेकिन तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता देने से परहेज कर रहा है।

इजराइल बोला- हमास चीफ हानियेह को हमने मारा : हत्या के बाद पहली बार स्वीकार किया

जुलाई में ईरान में मारा गया था हानियेह

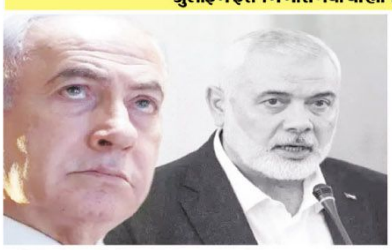

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने पहली बार स्वीकार किया है कि हमास के पूर्व चीफ इस्माइल हानियेह की हत्या उसी ने की थी। सोमवार को इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने एक बयान के दौरान इसकी पुष्टि की। हूती विद्रोहियों के हमलों को लेकर दिए बयान में रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि जिस तरह हमने हानियेह और सिनवार को मारा है, वैसे ही हूतियों को भी मार देंगे। हानियेह की इस साल 31 जुलाई को ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी। वह ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के शपथ ग्रहण में शामिल होने तेहरान पहुंचा था। ईरान ने कहा था कि हानियेह की मौत मिसाइल हमले में हुई थी। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि हानियेह को बम धमाके में मारा गया था। हानियेह का अंतिम संस्कार 2 अगस्त को कतर की राजधानी दोहा में हुआ था।

दावा- 2 महीने पहले हुई थी मारने की प्लानिंग: न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि इजराइल ने हानियेह की मौत से करीब 2 महीने पहले ही उसे मारने की प्लानिंग कर ली गई थी। अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2 ईरानी समेत मिडिल ईस्ट के 7 अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक हानियेह की मौत बम धमाके में हुई। जिस बम विस्फोट में वह मारा गया, उसे 2 महीने पहले छिपाकर तेहरान के उस गेस्ट हाउस में लगा दिया गया था, जिसमें हानियेह ठहरा था। जैसे ही हानियेह के वहां पहुंचने की पुष्टि हुई, किसी बाहरी इलाके से रिमोट के जरिए विस्फोट कर दिया गया।

हूती विद्रोहियों को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी: रक्षा मंत्री काट्ज ने इजराइल पर हमले के करने के लिए हूती विद्रोहियों को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी। काट्ज ने कहा कि हमने हमास को हराया है, हिजबुल्लाह को हराया है, उसी तरह हूती विद्रोहियों को भी हराएंगे। काट्ज ने हूतियों के इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह करने और उसके नेताओं का गला काटने की धमकी भी दी। हूती विद्रोही पिछले एक साल से इजराइल पर रॉकेट और मिसाइल हमले कर रहे हैं। इसके अलावा लाल सागर में इजराइल से जुड़े कार्गो शिप को भी निशाना बना रहे हैं।

कंगाल पाकिस्तान की सेना को ताकतवर बना रहा चीन, पड़ोसी मुल्क को 40 फाइटर जेट सौंपेगा ड्रैगन

बीजिंग एजेंसी। पाकिस्तान अपने जिगरी दोस्त चीन से 40 स्टेल्थ फाइटर जेट-35 खरीदने की फिराक में है। अगर वह सफल रहता है, तो यह बीजिंग द्वारा किसी विदेशी सहयोगी को पांचवीं पीढ़ी के जेट के पहला निर्यात होगा।

हॉगकॉग स्थित साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट ने पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से कहा है कि पाकिस्तानी वायु सेना ने अमेरिकी एफ-16 और फ्रांसीसी मिराज लड़ाकू विमानों के अपने पुराने बेड़े को बदलने के लिए 40 विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इनकी दो साल के भीतर आपूर्ति होने की उम्मीद है।

पाकिस्तानी सेना को ताकतवर बना रहा चीन: बीजिंग की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, न ही आधिकारिक मीडिया में इस तरह के सौदे का कोई उल्लेख है। हालांकि, पिछले महीने झुहाई में एयर शो में जे-35 का प्रदर्शन किए जाने के बाद से अटकलें तेज हैं। बीजिंग पाकिस्तानी सेना के तीनों अंगों के आधुनिकीकरण में मदद कर रहा है।

चीन ने पिछले साल पाकिस्तान को सौंपे थे चार युद्धपोत : चीन ने पाकिस्तानी वायु सेना के मुख्य आधार जे-17 थंडर फाइटर जेट को संयुक्त रूप से विकसित करने और संचालित करने में मदद की है। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तानी नौसेना को चार उन्नत युद्धपोत सौंपे हैं। पाकिस्तान ने गंभीर आर्थिक संकट के बावजूद नए विमानों की खरीद जारी रखी है।

यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ की हत्या के आरोपी ने खुद को बताया निर्दोष, लोग बता रहे रॉबिनहुड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की स्वास्थ्य बीमा कंपनी यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ की हत्या के आरोपी लुइजी मैंगियोन को सोमवार को न्यूयॉर्क की अदालत में पेश किया गया। जहां लुइजी मैंगियोन ने खुद को निर्दोष बताया। मैंगियोन पर हत्या, आतंकवाद समेत कुल 11 आरोप लगे हैं। मैंगियोन पर ये आरोप मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय द्वारा लगाए गए हैं।

मैंगियोन के वकील ने जताई चिंता

मैंगियोन की वकील करेन फ्राइडमैन ने उसके मुवक्किल के खिलाफ चल रहे मुकदमे की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। वकील ने बीते हफ्ते मामले की सुनवाई के दौरान कई वकीलों के साथ मेयर एरिक एडम्स की मौजूदगी से भी नाराजगी जाहिर की। वकील ने कहा कि वह (मैंगियोन) एक युवा है, लेकिन उसे दो न्यायाधिकार क्षेत्रों के बीच पीसा जा रहा है और उसका तमाशा बनाया जा रहा है। इस पर न्यायाधीश ने आश्वासन दिया कि मैंगियोन मामले में निष्पक्ष सुनवाई होगी और जूरी का चयन सावधानी से किया जाएगा। अब मैंगियोन मामले की सुनवाई 21 फरवरी को की जाएगी।

पिछली सुनवाई के दौरान न्यूयॉर्क के मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एलविन ब्राग ने कहा कि यह डरावनी, सुनियोजित हत्या थी। उन्होंने कहा कि यह हत्या शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, इससे स्थानीय लोगों, पर्यटकों, व्यापारियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हुआ है। यही वजह है कि आरोपी के खिलाफ आतंकवाद के भी आरोप लगाए गए हैं। 26 वर्षीय आरोपी मैंगियोन को अगर हत्या का दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है।

यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ की हत्या का है आरोप

बीती 4 दिसंबर को न्यूयॉर्क के मिडटाउन मेन होटल के बाहर यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यूनाइटेड हेल्थकेयर, अमेरिका की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी है। हत्या के पांच दिन बाद आरोपी लुइजी मैंगियोन को गिरफ्तार किया गया था। अमेरिका में हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। आरोप है कि ये कंपनियां लोगों को इंश्योरेंस क्लेम देने में आनाकानी करती हैं। यही वजह है कि मैंगियोन को आम लोगों का समर्थन मिल रहा है और लोग उसकी तुलना रॉबिनहुड से कर रहे हैं।

इस्लाम विरोधी पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति को छह महीने की सजा

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने एक व्यक्ति को अन्य व्यक्ति की पहचान का इस्तेमाल करके डिजिटल माध्यम से इस्लाम धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने के आरोप में सोमवार को छह महीने की सजा सुनाई। 'चैनल न्यूज एशिया' (सीएनए) में जारी की गई खबर में बताया गया कि चुआ वांग चेंग (33) नामक व्यक्ति ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर उस व्यक्ति के नाम से फर्जी अकाउंट बनाया था, जिसे वह पसंद नहीं करता था। इसके बाद आरोपी ने इस्लाम धर्म का अपमान करने वाले वीडियो शेयर किए। खबर में बताया गया कि व्यक्ति को विभिन्न मीडिया आउटलेट के फेसबुक पेज पर टिप्पणियां करके मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का भी दोषी पाया गया है। सिंगापुर इस्लामिक धार्मिक परिषद (एमयूआईएस) के अनुसार, आरोपी द्वारा पोस्ट की गई एक वीडियो में निराधार दावे किए गए थे तथा यह वीडियो इस्लाम धर्म और पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने के लिए बनाया गया था। दूसरे वीडियो में इस्लाम, पैगंबर मोहम्मद और मुस्लिम समुदाय के प्रति अपमानजनक बातें कही गयी थीं। अभियोजक ने बताया कि आरोपी चुआ ने हालांकि ये वीडियो नहीं बनाए थे, लेकिन उसने मुस्लिम फेसबुक उपयोगकर्ताओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से ये वीडियो साझा किए थे। सिंगापुर के कानून के अनुसार, नस्लीय या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए कृत्य का दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को तीन साल तक की जेल और जुर्माना या दोनों सजा दी जा सकती हैं।

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

खुशियों का पर्व क्रिसमस

ईसाई धर्म से जुड़ी मान्यता के अनुसार 25 दिसंबर को प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ था. इसलिए इस दिन को लोग क्रिसमस डे के रूप में सेलिब्रेट करते हैं. ईसाई इस दिन को खुशी और उत्साह के साथ मनाते हुए चर्च जाते हैं, घर को सजाते हैं, एक दूसरे को तोहफे देते हैं, केक काटते हैं, विभिन्न तरह के पकवान बनाते हैं और सगे-संबंधियों को आमंत्रित करते हैं. क्रिसमस वैसे तो ईसाई धर्म का त्योहार है. लेकिन क्रिसमस का जश्न हर धर्म और समुदाय के लोग मनाते हैं. लोग एक-दूसरे को मेरी क्रिसमस कहकर इस दिन की बधाई भी देते हैं.

हर साल 25 दिसंबर के दिन दुनियाभर में क्रिसमस का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. ईसाई धर्म के लोग इस दिन लोग चर्च में एक जुटकर होकर ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह के जन्म दिवस को प्रार्थना गाकर मनाते हैं. साथ ही इस दिन घरों में क्रिसमस ट्री को सुंदर तरीके से सजाया जाता है और तरह-तरह के पकवान व मिठाइयां बनाई जाती हैं. यह साल का आखिरी सबसे बड़ा त्योहार होता है. लेकिन, क्या आप आपको मालूम है कि क्रिसमस का इतिहास क्या है? क्रिसमस की शुरआत कैसे हुई और ईसाई धर्म में इस पर्व का महत्व क्या है? आज इस आर्टिकल में हम आपको बताते हैं कि क्रिसमस की शुरुआत कैसे हुई इसको लेकर क्या मान्यताएं हैं.

ईसा मसीह का जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है क्रिसमस

दुनियाभर में और खासकर ईसाई बाहुल्य देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है. माना जाता है कि इस दिन ईसाई धर में पैगम्बर ईसा मसीह जन्म हुआ था. जिन्हें ईश्वर ने लोगों को पापों से मुक्त कराने के लिए और उन्हें सही मार्ग दिखाने के लिए धरती पर भेजा था.

क्रिसमस का इतिहास

क्रिसमस की शुरुआत कैसे हुई और इसका क्या इतिहास इससे जुड़े कई दावे किए जाते हैं. लेकिन, माना जाता है कि सबसे पहले क्रिसमस का त्योहार रोम देश में मनाया गया था. यहां इस दिन को सूर्य देवता के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है. ईसाई धर्म का प्रभाव 330 ई तक रोम में तेजी से बढ़ने लगा था और ईसाई धर्म को मानने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा था. मान्यताओं के अनुसार, कुछ सालों बाद रोम में ईसाई धर्म के अनुयायियों ने ईसाई धर्म के पैगंबर यीशू मसीह को सूर्य देवता का रूप मान लिया और तभी से 25 दिसंबर को क्रिसमस के त्योहार की शुरआत हो गई और इसे 25 दिसंबर के दिन मनाया जाने लगा.

ईसा मसीह का जन्म

माना जाता है कि ईसा मसीह का जन्म मैरी और जोसेफ के घर बैथलहम में 4 ईसा पूर्व हुआ था. कहा जाता है कि उनका जन्म एक अस्तबल में हुआ था. इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि उनके पिता और यीशू बढ़ई थे और ईसा मसीह ने 30 साल की उमर में जनजागरण का कार्य शुरू कर दिया था.

यह भी मान्यता है

यूं तो बाइबल में ऐसा जिक्र नहीं है कि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसंबर को ही हुआ था. लेकिन, ऐसा कहा जाता है कि चौथी शताब्दी के मध्य में धर्मगुरुओं और बहुत से राज्यों और चर्च के प्रतिनिधियों ने 25 दिसंबर के दिन को ही क्रिसमस के लिए चुना था.

कब हुआ क्रिसमस की छुट्टी का ऐलान

साल 1870 में अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर क्रिसमस के दिन फेडरेल हॉलिडे का ऐलान किया. इसके बाद से दुनिया भर में 25 दिसंबर के दिन क्रिसमस की छुट्टी दी जाने लगी.

सैंटा क्लॉज का क्रिसमस से संबंध क्या है?

क्रिसमस ईसाई समुदाय का एक प्रमुख पर्व है, जिसे हर वर्ष 25 दिसंबर को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन गिरिजाघरों में क्रिसमस की घंटियों की मधुर ध्वनि गूंजती है. साथ ही, सभी गिरिजाघरों को रंग-बिरंगी रोशनी और अन्य सजावटी वस्तुओं से सजाया जाता है. इस अवसर पर, ईसाई लोग अपने घरों में केक काटते हैं और एक-दूसरे को मिठाई खिलाते हैं. क्रिसमस 25 दिसंबर को क्यों मनाया जाता है, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है.

25 दिसंबर को ही क्यों मनाया जाता है क्रिसमस

क्रिसमस का इतिहास ईसा मसीह के जन्म से संबंधित है, जैसा कि बाइबल के न्यू टेस्टामेंट में वर्णित है. ईसाई धर्म के अनुयायियों के अनुसार, 25 दिसंबर को प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है. हालांकि, कुछ इतिहासकारों और धार्मिक अनुयायियों का मानना है कि ईसा का जन्म वास्तव में इस दिन नहीं हुआ था और यह केवल एक प्रतीकात्मक जन्मदिन है. बाइबल में यीशु की जन्म तिथि का उल्लेख नहीं है, फिर भी हर वर्ष 25 दिसंबर को क्रिसमस का उत्सव मनाया जाता है. यह माना जाता है कि यीशु मसीह का जन्म मरियम के घर हुआ था, और कहा जाता है कि मरियम को एक स्वप्न में प्रभु के पुत्र यीशु के जन्म की भविष्यवाणी की गई थी. क्रिसमस का पर्व यीशु मसीह के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, फिर भी इस दिन को सैंटा क्लॉज के नाम से क्यों जाना जाता है? वास्तव में, सैंटा का वास्तविक नाम संत निकोलस है, और यह कथा 280 ईस्वी में तुर्की से शुरू होती है. सैंटा उत्तरी ध्रुव पर अपनी पत्नी मिसेज क्लॉज के साथ निवास करते हैं. वह एक खुशमिजाज व्यक्ति हैं, जिनकी सफेद दाढ़ी है और जिनके ह्दय में दया और करुणा का भाव भरा हुआ है. संत निकोलस जरूरतमंदों और बीमारों की सहायता के लिए यात्रा किया करते थे.

दुनिया की इन देशों में अजीबो-गरीब तरीके से मनाया जाता है क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा त्योहार है, जिसे दुनियाभर में विशेष उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है. ये त्योहार ईसाइयों के लिए बेहद खास होता है. माना जाता है कि 25 दिसंबर यीशू मसीह का जन्म हुआ था, जिसके बाद से ही इस त्योहार को मनाने की परंपरा शुरू हुई. इस दिन लोग चर्च में जाकर कैंडल जलाते हैं और प्रार्थना करते हैं. आम तौर पर लोग क्रिसमस के दिन क्रिसमस ट्री सजाते हैं, प्रार्थना करते हैं और पार्टी करते हैं. लेकिन दुनिया के अलग-अलग देशों में इसे मनाने का तरीका भी काफी अलग है. कुछ देशों में क्रिसमस को पारंपरिक तौर पर मनाया जाता है, तो वहीं कई जगह इसे अजीबो-गरीब अंदाज से सेलिब्रेट किया जाता है.

नॉर्वे में झाड़ू छिपाना

नॉर्वे में क्रिसमस को अजीब तरह से मनाया जाता है. यहां लोग अपने घरों में से झाड़ू को छिपा देते हैं. माना जाता है कि क्रिसमस के समय झाड़ू नहीं छिपाने से बुरी आत्माएं उन्हें चुराकर ले जाती हैं. इसलिए लोग इसे छिपाकर रखते हैं ताकि घर में किसी तरह की नेगेटिव एनर्जी न आए.

जापान में केएफसी खाना

जापान में क्रिसमस के दौरान ज्यादातर लोग अपने परिवारों के साथ खाने का मजा लेते हैं. यहां के लोग केएफसी से खाना ऑर्डर करते हैं. 1970 में केएफसी ने जापान में क्रिसमस के लिए एक विशेष प्रचार अभियान चलाया था और तब से जापान में क्रिसमस के दौरान यह परंपरा बन गई. 24 दिसंबर को केएफसी का ऑर्डर करना यहां की परंपरा का अहम हिस्सा बन चुका है.

जूतों में कैंडी भरना, जर्मनी

दुनियाभर के बच्चे यही मानते हैं कि क्रिसमस पर सैंटा उन्हें तोहफे देने आते हैं. जर्मनी में 25 दिसंबर की रात को सभी बच्चेघर के बाहर अपने जूते रखते हैं. अगर उनका बर्ताव साल भर अच्छा रहता है तो उनके जूतों में कैडी होती है.

टेबल पर लगती है एक्सट्रा प्लेट

पुर्तगाल में भी बेहद अलग अंदाज से क्रिसमस मनाया जाता है. यहां के लोगों का मानना है कि उनके पूर्वज मरने के बाद क्रिसमस मनाने धरती पर आते हैं. इस दिन पुर्तगाल में खाने की टेबल पर लोग अपने पूर्वजों के लिए भी प्लेट लगाते हैं.

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन्? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।